Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2022-24

website- www.dvpnews.in

रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 196 ● वर्ष : 12 ● रायपुर, शुक्रवार 24 जनवरी 2025 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार

हम इस प्रकार का धन का संग्रह नहीं करें, जिससे हमारा मोह बढ़ता हो।

We should not accumulation that kind of wealth, which increases our delusion.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

संक्षिप्त समाचार

राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री समेत कई नेताओं ने सुभाष चंद्र बोस को उनकी जयंती पर किया नमन

नई दिल्ली (आरएनएस)। आज सुभाष चंद्र बोस की जयंती मनाई गई। उनकी जयंती को पराक्रम दिवस के रूप में मनाया जाता है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत कई नेताओं ने सुभाष चंद्र बोस को नमन किया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा, पराक्रम दिवस के रूप में मनाई जाने वाली नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर, मैं भारत माता के महानतम सपूतों में से एक को अपनी विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करती हूं। पीएम नरेंद्र मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, पराक्रम दिवस पर मैं नेताजी सुभाष चंद्र बोस को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। भारत के स्वतंत्रता संग्राम में उनका योगदान अद्वितीय है। वे साहस और धैर्य के प्रतीक थे।

जलगांव रेल हादसा : महाराष्ट्र सरकार घायलों के इलाज का खर्च वहन करेगी- अजित पवार

पुणे (आरएनएस)। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने गुरुवार को पुणे के सर्किट हाउस में पत्रकारों से बातचीत के दौरान जलगांव हादसे को लेकर दुख जताया। उन्होंने कहा कि यह घटना सिर्फ अफवाहों के कारण हुई। राज्य सरकार घायलों के इलाज का खर्च वहन करेगी। बातचीत के दौरान जलगांव हादसे को लेकर कहा कि घटना के बाद सरकार ने तुरंत कार्रवाई की।

इन्वेस्टर्स कनेक्ट मीट में छत्तीसगढ़ में एफडीआई के खुले रास्ते

छत्तीसगढ़ में निवेशकों के लिए बिछाया रेड कारपेट : मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

मुंबई में आयोजित इन्वेस्टर्स कनेक्ट मीट में देश के प्रमुख उद्योगपतियों और निवेशकों से किया संवाद

रायपुर (विश्व परिवार)। मुंबई में हाल ही में आयोजित इन्वेस्टर कनेक्ट मीट में छत्तीसगढ़ के लिए विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (एफडीआई) के रास्ते खुल गए हैं। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने मुंबई में अमेरिकी कॉन्सल जनरल और रशिया कॉन्सल जनरल से मुलाकात की। दोनों अधिकारियों ने छत्तीसगढ़ में निवेश की इच्छा जताते हुए राज्य के अनुकूल कारोबारी माहौल की सराहना की।

इन्वेस्टर मीट में छत्तीसगढ़ को मिले 6000 करोड़ के निवेश प्रस्ताव

मुख्यमंत्री श्री साय ने बताया कि नई औद्योगिक नीति के कारण अब तक छत्तीसगढ़ ने लगभग 1 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव आकर्षित किए हैं। ये प्रस्ताव हाल ही में रायपुर, दिल्ली और मुंबई में आयोजित इन्वेस्टर कनेक्ट समिट के दौरान प्राप्त हुए। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने इन्वेस्टर्स कनेक्ट मीट में देश के प्रमुख उद्योगपतियों और निवेशकों से सीधा संवाद किया। मुख्यमंत्री ने छत्तीसगढ़ में निवेश के लिए आमंत्रित करते हुए कहा हमने नई उद्योग नीति के माध्यम से निवेशकों के लिए रेड कारपेट बिछाया है। इस दौरान उन्होंने निवेशकों को हर संभव मदद का आश्वासन भी दिया। कार्यक्रम में शामिल हुए प्रमुख उद्योगपतियों से छत्तीसगढ़ सरकार को छह हजार करोड़ के निवेश प्रस्ताव भी प्राप्त हुए।

कई प्रमुख उद्योग समूहों ने राज्य में निवेश के दिए प्रस्ताव

इन्वेस्टर कनेक्ट मीट में अम्बुजा सीमेंट लिमिटेड ने राज्य में 2367 करोड़ के निवेश प्रस्ताव की घोषणा की। वहीं बॉम्बे हॉस्पिटल ट्रस्ट ने राज्य में विश्वस्तरीय अस्पताल बनाने की इच्छा जताई है, जिसके लिए उन्होंने 700 करोड़ के निवेश का प्रस्ताव दिया है। नया रायपुर में अस्पताल की स्थापना से न केवल छत्तीसगढ़ बल्कि आसपास के राज्यों को भी बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिलेंगी। प्लास्टिक और टेक्सटाइल के क्षेत्र में अग्रणी वेलस्पन ग्रुप ने छत्तीसगढ़ में 500 करोड़ रुपये का निवेश करने की योजना साझा की है। वहीं इ्रूल्स कंपनी ने पालतू जानवरों के आहार के उत्पादन को बढ़ाने के लिए राजनांदगांव में 625 करोड़ रुपये का निवेश की घोषणा की है। कंपनी द्वारा ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए 30 मेगावॉट सोलर पावर प्लांट भी लगाया जाएगा। इसके साथ ही क्रिटेक टेक्नोलॉजीज ने राज्य में आईटी क्षेत्र में 600 करोड़ रुपये का निवेश के प्रस्ताव दिए हैं। नन्टेक्स मशीनरी ने 45 करोड़ और नन्टेक्स इंडस्ट्रीज ने 39.50 करोड़ तथा पिडिलाइट इंडस्ट्रीज 80 करोड़ व विजन प्लस सिक्योरिटी ने 50 करोड़ के निवेश की योजना साझा की है। इन सबके साथ ही अन्य कंपनियों को मिलकर कुल 6000 करोड़ के निवेश प्रस्ताव छत्तीसगढ़ को मिले हैं।

नीति बनाने के लिये हमने 'न्यूनतम शासन-अधिकतम प्रोत्साहन' को सूत्रवाक्य के रुप में अपनाया है। इसके अंतर्गत हमने एनओसी की प्रक्रिया को बेहद आसान कर दिया है। सिंगल विंडो सिस्टम के माध्यम से अब क्लियरेंस हो रहे हैं। इससे निवेशकों को खासी राहत मिल रही है। मुख्यमंत्री ने कहा नई उद्योग नीति में निवेश एवं रोजगार के अवसरों में वृद्धि के लिए 1 हजार करोड़ रुपए अथवा एक हजार लोगों को रोजगार देने वाले उद्योगों को बी-स्पोक नीति का अवसर प्रदान किया गया है। इस नीति में 30 से 50 प्रतिशत तक एवं 200 से 450 करोड़ रुपए तक स्थायी पूंजी निवेश का प्रावधान किया गया है। 5 से 12 वर्ष तक नेट एसजीएसटी प्रतिपूर्ति, रोजगार एवं ईपीएफ प्रतिपूर्ति तथा प्रशिक्षण व्यय की प्रतिपूर्ति के लिए आकर्षक प्रावधान किये गये हैं।

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इन्वेस्टर कनेक्ट मीट के दौरान अमेरिकी वाणिज्य दूतावास के काउंसल जनरल श्री माइक हैंकी व रूस के काउंसल जनरल इवान फेटिसोव से मुलाकात की। इस दौरान काउंसल जनरल ने स्वास्थ्य, शिक्षा, आईटी और पर्यटन जैसे क्षेत्रों में छत्तीसगढ़ में निवेश की संभावनाओं पर चर्चा की। इस मीट में उद्योग विभाग के मंत्री श्री लखन लाल देवांगन, छत्तीसगढ़ के मुख्य सचिव श्री अमिताभ जैन, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव श्री सुबोध सिंह, सचिव श्री राहुल भगत, उद्योग विभाग के सचिव श्री रजत कुमार, नई दिल्ली में छत्तीसगढ़ की इन्वेस्टमेंट कमिश्नर सुश्री ऋचु सैन और सीएसआईडीसी के प्रबंध संचालक श्री विश्वेश कुमार सहित कई वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए हैं।

स्टेट हाईवे दहलाने की नक्सलियों की साजिश को जवानों ने किया नाकाम, 50 किलो का आईईडी बरामद

बीजापुर (विसं)। बीजापुर में गुरुवार को सुरक्षाबलों ने नक्सलियों के स्टेट हाइवे को दहलाने की योजना को विफल करते हुए आवापल्ली से बासागुड़ा मार्ग के तिम्मापुर के दुर्गा मंदिर के पास से करीब 50 किलो का आईईडी बरामद कर नक्सली मंसूबे पर पानी फेर दिया है। सीआरपीएफ 168 बटालियन की बीडीएस टीम ने तिमापुर दुर्गा मंदिर के पास स्थित पुलिया के नीचे लगा रखे आईईडी को बरामद कर उसे डिफ्यूज कर दिया।

बताया गया है कि नक्सलियों ने पुल के नीचे करीब 50 किलो का आईईडी का प्लांट कर रखा था, जवानों ने जब इसे नष्ट किया तो पुल बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। नक्सलियों ने पुलिया के नीचे से कंक्रीट और पत्थर हटाकर आईईडी प्लांट किया और उसके ऊपर पत्थरों को फिर से जमा दिया था, ताकि किसी को शक न हो। डिमाइनिंग के दौरान मेटल डिटेक्टर की मदद से सुरक्षाबल के जवानों ने इसे बरामद किया। हालांकि आईईडी अधिक गहराई में होने के कारण मौके पर ही इसे नष्ट कर दिया गया।

पुलिया के नीचे प्लांट किया गया यह आरसी (रिमोट कंट्रोल) आईईडी भारी वाहनों को निशाना बनाने के मकसद से लगाया गया था। लेकिन सुरक्षाबलों की सतर्कता और सूझबूझ से माओवादियों के नापाक इरादों को नाकाम कर दिया गया। विस्फोटक को नष्ट किए जाने के बाद पुलिया में बड़ा गड्ढा हो गया, जिसे भरकर सड़क को जल्द ही चालू किया जा रहा है।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने अहमदाबाद में 'हिंदू आध्यात्मिक और सेवा मेला' का उद्घाटन किया

गुजरात (एजेंसी)। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को अहमदाबाद स्थित गुजरात विश्वविद्यालय में 'हिंदू आध्यात्मिक और सेवा मेला' का उद्घाटन किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रयागराज में महाकुंभ चल रहा है और इतनी बड़ी भीड़ के प्रभावी प्रबंधन को देखकर पूरी दुनिया आश्चर्यचकित है।

अमित शाह ने महाकुंभ के प्रबंधन में सरकार के योगदान की तुलना राम सेतु बनाने में गिलहरी के योगदान से की और कहा कि यह हजारों वर्षों से चला आ रहा है। यह कहते हुए कि विश्व के विभिन्न नेता आमंत्रण मांग रहे हैं, गृह मंत्री ने उन्हें जवाब दिया कि कुंभ को किसी आमंत्रण की आवश्यकता नहीं है। शाह ने कहा कि प्रयागराज में 144 साल बाद महाकुंभ चल रहा है। दुनिया इसे देखकर हैरान है। विभिन्न राजदूतों ने मुझसे निमंत्रण मांगा। मैंने उन्हें समझाया कि कुंभ एक ऐसा मेला है, जिसमें किसी निमंत्रण की जरूरत नहीं होती। करोड़ों लोग ग्रहों की स्थिति के अनुसार आते हैं...वे इस बात से हैरान हैं कि बिना निमंत्रण के 40 करोड़ लोग एक जगह आ जाते हैं और मुझसे पूछते हैं कि इसका प्रबंधन कौन करता है। मैंने उनसे कहा कि सरकार द्वारा किया गया प्रबंधन उतना ही महत्वहीन है, जितना राम सेतु बनाने में गिलहरी का योगदान...यह हजारों सालों से चल रहा है।

नगरीय निकाय चुनाव 2025 : आम आदमी पार्टी से आठ वार्डों के उम्मीदवारों के नाम घोषित

रायपुर (विश्व परिवार)। (रायपुर)

रायपुर, 23 जनवरी (आरएनएस)। नगरीय निकाय चुनाव को लेकर राजनीतिक गतिविधियां जहां तेज हो गई हैं तो वहीं आम आदमी पार्टी ने निकाय चुनाव के लिए अपने 8 उम्मीदवारों के नामों का ऐलान कर दिया है। आप पार्टी से जारी सूची के अनुसार राजधानी रायपुर के वीर सावरकर निगर से सरदार पलविंदर सिंह पन्नू, यति यतन लाल वार्ड से ऋषिकांत वर्मा, डा. एपीजे अब्दुल कलाम वार्ड से भीमसेन देवांगन, सरदार वल्लभ भाई पटेल से मिथलेश साहू, पंडित रविशंकर शुक्ल वार्ड से इमरान खान, तात्यापारा वार्ड से लक्ष्मी शर्मा, स्वामी विवेकानंद सदरबार बाजार वार्ड से राजेंद्र कुमार डागा तथा भक्त माता कम्र वार्ड से अनीता गुरुदत्त कुर्रे को अपना उम्मीदवार बनाया है।

बज गया चुनावी बिगुल, टिकट वितरण के लिए मंथन जारी

रायपुर (आरएनएस)। नगरीय निकाय चुनाव 2025 का बिगुल बज चुका है। चुनाव के मुद्दों से लेकर प्रत्याशियों के चयन तक राजनीतिक दलों में मंथन का दौर जारी है। घोषणा पत्र तैयार करने कांग्रेस-भाजपा में जिम्मेदारी सौंप दी गई है। इस बीच भाजपा प्रदेश महामंत्री संजय श्रीवास्तव ने आज भाजपा कार्यालय एकात्म परिसर में कांग्रेस पर जमकर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि नगरीय निकाय के चुनावों में कांग्रेस ने जनता से कन्नी काट ली है। कांग्रेस ने घोषणा पत्र के लिए जनता से सुझाव नहीं मांगे. दीपक बैज बताए जनता से इतना क्यों डर रहे हैं? भाजपा कार्यालय एकात्म परिसर में आज भाजपा ने कांग्रेस के खिलाफएक पोस्टर भी जारी किया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पराक्रम दिवस पर विद्यार्थियों से बातचीत की

नई दिल्ली (पीआईबी)। नेताजी सुभाष चंद्र बोस की- जयंती पराक्रम दिवस पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आज नई दिल्ली में संसद के सेंट्रल हॉल में अपने युवा मित्रों से विशेष बातचीत की।

प्रधानमंत्री ने विद्यार्थियों से पूछा कि 2047 तक देश का लक्ष्य क्या है, इस पर एक विद्यार्थी ने पूरे आत्मविश्वास के साथ कहा कि भारत को एक विकसित राष्ट्र (विकसित भारत) बनाना है। प्रधानमंत्री ने जब यह पूछा कि 2047 तक ही क्यों तब एक अन्य विद्यार्थी ने उत्तर दिया कि जब भारत अपनी स्वतंत्रता की शताब्दी मना रहा होगा तब हमारी मौजूदा पीढ़ी राष्ट्र की सेवा के लिए तैयार हो जाएगी। श्री मोदी ने विद्यार्थियों से आज के दिन के महत्व के बारे में पूछा, तो उन्होंने बताया कि आज नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती है, जिनका जन्म ओडिशा के कटक में हुआ था। श्री मोदी ने कहा कि नेताजी बोस की जयंती मनाने के लिए कटक में एक भव्य कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इसके बाद उन्होंने एक अन्य छात्रा से पूछा कि नेताजी का कौन सा नारा आपको सबसे अधिक प्रेरित करता है, तो उसने जवाब दिया, तुम मुझे खून दो और मैं तुम्हें आजादी दूंगा। उसने आगे कहा कि नेताजी बोस ने हर चीज से ऊपर अपने देश को रखकर सच्चे नेतृत्व का प्रदर्शन किया और यह समर्पण हमें बहुत प्रेरित करता है। इसके बाद प्रधानमंत्री ने पूछा कि आप इससे प्रेरित होकर क्या कार्य करते हैं, तब छात्रा ने उत्तर दिया कि वह देश में कार्बन उत्सर्जन कम करने के लिए प्रेरित हैं, जो सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) का एक हिस्सा है।

दैनिक
विश्व परिवार
रायपुर/दुर्ग-भिलाई/बलौदाबाजार
रायपुर, शुक्रवार 24 जनवरी 2025
www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

शासकीय मिनीमता कन्या महाविद्यालय में सुभाष चन्द्र बोस जयंती मनाई गई

बलौदाबाजार (विश्व परिवार)। आज दिनांक 23 जनवरी 2025 को शासकीय मिनीमता कन्या महाविद्यालय, बलौदाबाजार में सुभाष चन्द्र बोस महान देशभक्त, क्रांतिकारी और स्वतंत्रता संग्राम सेनानी की जयंती के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. वासु वर्मा द्वारा सुभाषचन्द्र बोस जी के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलन एवं माल्यार्पण कर नमन किया गया। इस अवसर पर प्राचार्य द्वारा बोस ही के जीवन से जुड़े संस्मरणों को याद करते हुए अन्याय के खिलाफ चुप न रहने, जागरूक प्रेरणास्पद प्रसंगों पर प्रकाश डाला गया। राजनीति विज्ञान की सहायक प्राध्यापक डॉ. विद्या पाण्डेय द्वारा सुभाषचन्द्र बोस की जीवनी पर विचार प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम का आयोजन एवं संचालन डॉ. विद्या पाण्डेय सहायक प्राध्यापक राजनीति विज्ञान द्वारा किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय की वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. कल्पना उपाध्याय अन्य प्राध्यापक गण एवं कर्मचारीगण एवं बड़ी संख्या में छात्राएं उपस्थित थीं।

दाऊ कल्याण महाविद्यालय में सड़क सुरक्षा कार्यक्रम आयोजित किया गया

बलौदाबाजार (विश्व परिवार)। शासकीय दाऊ कल्याण स्नातकोत्तर महाविद्यालय में 23 जनवरी 2025 को सड़क सुरक्षा कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें सड़क सुरक्षा सेमिनार एवं रैली महाविद्यालय से जिला सत्र न्यायालय, सिटी कोतवाली, गार्डन चौक, बस स्टेशन से जाकर कलेक्ट्रेट रोड से वापस महाविद्यालय तक रैली निकाला गया। यह कार्यक्रम नेहरू युवा केंद्र रायपुर छत्तीसगढ़, राष्ट्रीय सेवा योजना एवं राष्ट्रीय कैडेट कोर के संयुक्त तत्वाधान में किया गया। नेहरू युवा केंद्र रायपुर के अधिकारी श्री अर्पित तिवारी ने बताया हर वर्ष यह कार्यक्रम आयोजित कर समाज में जागरूकता फैलाया जाता है उनके द्वारा विद्यार्थियों को टी शर्ट और कैप प्रदान किया गया। प्राचार्य डॉ ए. आर. सी. जेम्स ने छात्रों को सड़क सुरक्षा के महत्व को बताया हमेशा हेलमेट और सीट बेल्ट का उपयोग करे,यातायात संकेतों और गति सीमा का पालन करें। टी आई श्री गोपाल ध्रुर्वे ने बताया कि भारत में हर वर्ष 1.5 लाख से अधिक लोगों की सड़क दुर्घटना में मौत होती है, हर घंटे 17 लोग सड़क दुर्घटना में मारे जाते है। अत: सड़क जागरूकता आवश्यक है कार्यक्रम में यातायात विभाग से कन्हैया लाल सिदार, महेंद्र पोर्ते,संतोष ध्रुव,धीरेन्द्र मधुकर शामिल थे। महाविद्यालय से प्रोफेसर ए के उपाध्याय, डॉ सी के चंद्रवशी, एफ मिंज,एवं नरेंद्र देव मिर्झा शामिल थे।

26 जनवरी को निगम मुख्यालय में कलेक्टर/निगम प्रशासक करेंगे ध्वजारोहण

दुर्ग (विश्व परिवार)। नगर पालिक निगम में गणतंत्र दिवस पर निगम मुख्यालय में आयोजित किया जाएगा।नगर निगम के ध्वजारोहण समारोह में कलेक्टर/निगम प्रशासक सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होकर कमिश्नर सुमित अग्रवाल के अलावा अधिकारियों एवं कर्मचारियो के बीच सुबह ध्वजारोहण करेंगे। इसके लिए गणतंत्र दिवस की तैयारियां शुरु हो गई हैं।गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में समस्त शासकीय भवनों पर रोशनी किए जाने के निर्देश दिए गए हैं।

मदनलाल जी छाजेड़ का आज निधन

दुर्ग (विश्व परिवार)। पुलगांव चौक स्तिथ मधुबन मरछदानी फर्म के संचालक श्री मदनलाल जी छाजेड़ (उम्र 81 वर्ष) का आज दिनांक 23 जनवरी को प्रात: 9:45 बजे निधन हो गया। उनकी अंतिम यात्रा में जैन समाज के लोग बड़ी संख्या में शामिल हुए। वे एवंता, टीकम छाजेड़ के पिता थे। आप अपने पीछे भरा पूरा परिवार छोड़ गए हैं।

कवर्धा के 3 बैगा परिवार पहली बार ट्रेन का सफर कर गणतंत्र दिवस 2025 समारोह में होंगे शामिल, राष्ट्रपति का आमंत्रण

कवर्धा (विश्व परिवार)। कबीरधाम जिले के पंडरिया विकासखंड के तीन बैगा परिवारों को 26 जनवरी, 2025 को दिल्ली में गणतंत्र दिवस समारोह में भाग लेने के लिए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से विशेष निमंत्रण मिला है. कदवानी ग्राम पंचायत के अंतर्गत पटापरी गांव की जगतिन बाई बैगा और उनके पति फूल सिंह बैगा सहित तीन परिवारों को प्रतिष्ठित निमंत्रण के लिए चुना गया है.

पंडरिया के बैगा परिवारों का दिल्ली दौरा॒ बैगा परिवार गणतंत्र दिवस परेड में शामिल होने के साथ ही राष्ट्रपति से मिलेंगे. उनके साथ भोजन करेंगे और प्रधानमंत्री आवास, संसद भवन और राष्ट्रपति भवन का दौरा करेंगे. इस आमंत्रण से न केवल बैगा परिवार उत्साहित है बल्कि पूरा जिला भी गौरवान्वित हुआ है.

बैगा जनजाति की सदस्य जगतिन बाई ने राष्ट्रपति के आमंत्रण पर कहा कि मैं दिल्ली जाकर राष्ट्रपति को सम्मान के तौर पर बिरों माला भेंट करूंगी, क्योंकि सरकार की योजनाओं ने हमारे जीवन स्तर को बेहतर बनाया है. बिजली के साथ, अब हमारे पास पंखे हैं. हमें गर्मी का एहसास नहीं होता, और बच्चे खुश हैं. हम बहुत खुश हैं. पहले हम अंधेरे में रहते थे और हमेशा कीड़ों का डर रहता था. लेकिन अब गांव में काफी बदलाव आ गया है. जगतिन बाई के पति फूल सिंह ने कहा कि राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने हमें आमंत्रित किया है. हम बहुत खुश हैं. उन्होंने कहा कि पहले उन्हें दीए की रोशनी में ही रहना और खाना बनाना पड़ता था. लेकिन अब सरकार की योजना की बदौलत पूरा गांव 24 घंटे सौर ऊर्जा से रोशन रहता है. अक्टूबर 2024 में कलेक्टर गोपाल वर्मा ने पटापरी गांव में जन चौपाल लगाई और क्रेडा विभाग को सौर ऊर्जा प्रणाली लागू करने का निर्देश दिया. जिसके बाद हर घर में 300 वॉट की सोलर होम लाइटिंग प्रणाली लगाई गई.

पहली बार ट्रेन के सफर को लेकर उत्साह॒ बता दें कि बैगा परिवार पहली बार ट्रेन का सफर कर रहा है. बैगा परिवारों के मुताबिक उन्होंने पहले कभी भी ट्रेन की यात्रा नहीं की. इस वजह से बैगा परिवार अपनी दिल्ली यात्रा को लेकर काफी उत्साहित है.

राजनांदगांव से महापौर पद के लिए युवाओं कि पहली पसंद निखिल द्विवेदी

राजनांदगांव-रायपुर (विसं)। छत्तीसगढ़ में नगरीय निकाय चुनाव का बिगुल बज चुका है। इसके साथ ही कांग्रेस और भाजपा दोनों ही पार्टी का पैनल लगभग तैयार है। सूत्रों के अनुसार राजनांदगांव नगर निगम महापौर पद के लिए युवाओं की पहली पसंद निखिल द्विवेदी का नाम लगभग फाइनल है। ज्ञात हो कि निखिल द्विवेदी युवाओं की पहली पसंद है साथ ही राजनांदगांव में निखिल द्विवेदी का अपना एक अलग वर्चस्व और व्यक्तिगत संबंध है। साथ ही राजनांदगांव की जनता के बीच काफी अच्छी छवि है। वहीं निखिल द्विवेदी वर्तमान में प्रदेश कांग्रेस कमेटी में प्रदेश सचिव का दायित्व बखूबी निभा रहे हैं। पूर्व में वो काफी अहम और महत्वपूर्ण पदों पर अपनी भूमिका और श्रेष्ठता सिद्ध कर चुके हैं। पूर्व में वे पर्यटन मंडल सदस्य, यूवा कांग्रेस मीडिया चेयरमैन, एनएसयूआई के राष्ट्रीय महासचिव आदि पदों पर अपनी योग्यता सिद्ध कर चुके हैं। लोगों की माने तो यदि कांग्रेस पार्टी निखिल द्विवेदी पर दांव लगाए तो राजनांदगांव में कांग्रेस की जीत का परचम लहराना लगभग तय हो जाएगा। वहीं पार्टी के सदस्यों के अलावा कांग्रेसजन भी निखिल द्विवेदी के नाम पर पूर्णत॒ सहमत नजर आ रहे हैं।

शासकीय स्कूल के बच्चों के साथ परिचर्चा करके बनाया गया नेताजी सुभाष चंद्र बोस जी की जयंती

भिलाईनगर (विश्व परिवार)। 23 जनवरी स्वतंत्रता संग्राम सेनानी नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती हाउसिंग बोर्ड शासकीय स्कूल में मनाई गई। आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय छात्रों के बीच में जाकर के नेताजी सुभाष चंद्र बोस के जीवनी पर परिचर्चा किया। बच्चों को नेताजी सुभाष चंद्र बोस द्वारा किए गए स्वतंत्रता संग्राम आंदोलन में साहसिक कार्यों के बारे में बताएं।

किस प्रकार से अंग्रेजों के खिलाफ लड़ने के लिए उन्होंने यात्राएं की अफगानिस्तान होते हुए जर्मनी से जापान आदि देशों के बीच जाकर सैनिकों को संगठित किया। आजाद हिंद फौज की स्थापना की जिससे अंग्रेज भी घबराते थे। सुभाष बाबू ने अपनी सूझबूझ अपनी कुशल से अंग्रेजी हुकूमत को दिला दिए थे। आयुक्त पाण्डेय द्वारा बच्चों को सुभाष चंद्र बोस जी द्वारा स्वतंत्रता संग्राम के दौरान किए गए योगदानों के ऊपर परिचर्चा करके मनाई गई। जनसंपर्क अधिकारी अजय शुक्ला ने बताया तुम हमें खून दो हम तुम्हें आजादी देंगे यह नारा देने वाले सुभाष चंद्र बोस सही थे। उस समय हर भारतीय जवान नौजवानों के मुख पर यह नारा गूंजता था।इसको सुनते ही जोश खरगोश देश के प्रति बलिदान की भावना जागृत हो जाती है। हम सब लोगों को सुभाष बाबू के जीवनी से प्रेरणा लेनी चाहिए।

जोन आयुक्त के साथ मतदान केन्द्रो का निरीक्षण करने पहुंचे : आयुक्त

भिलाईनगर (विश्व परिवार)। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 24 हाउसिंग बोर्ड एवं 35 शारदा पारा केम्प-2 में उपचुनाव होना है। जहां पर आचार संहिता प्रभावशील है। जहां पर शासकीय हायर सेकण्ड्री स्कूल हाउसिंग बोर्ड काली बाड़ी के पास 8 बूथ रहेगे एवं वार्ड 35 शारदा पारा में जनता स्कूल 5 एवं दुर्गा पारा शासकीय स्कूल में 2 बूथ पर मतदान होगा। वहीं पर वार्ड वासी अपने वार्ड के प्रत्यासियो के चयन के लिए मतदान करेगें। आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय सभी बूथो का निरीक्षण करने जोन आयुक्त अजय सिंह राजपूत, सतीश यादव के साथ सुबह 9 बजे पहुंच गये।

आयुक्त पाण्डेय ने उपस्थित अधिकारियो को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये, विशेष रूप से साफ-सफाई, पीने के पानी की व्यवस्था, प्रवेश/ निकासी द्वार, दिव्यांग बुर्जुगो के लिए रैम्प आदि व्यवस्था और ठीक करने के लिए कहे। पर्याप्त लाईट व्यवस्था हो, शौचालयो एवं बोरिंग में पानी पर्याप्त आना सुनिश्चित किया जाये। जिससे मतदान दल एवं मतदान करने वालो को किसी प्रकार की परेशानी न हो। आदर्श आचार संहिता के सभी नियमो का परिपालन होना चाहिए।

निरीक्षण के दौरान कार्यपालन अभियंता संजय अग्रवाल, अभियंता नितेश मेश्राम, सहायक राजस्व अधिकारी शरद दुबे, बसंत देवांगन, जनसम्पर्क अधिकारी अजय कुमार शुक्ला, सहायक स्वास्थ्य अधिकरी वीरेन्द्र बंजारे, स्वच्छता निरीक्षक अंजनी सिंह, विनोद पाण्डेय आदि उपस्थित रहे।

नगरीय निकाय चुनाव-2025 सेक्टर अधिकारियों की बैठक सम्पन्न

दुर्ग (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देश के परिपालन में नगर निगम दुर्ग आम निर्वाचन 2024-25 के निर्वाचन कार्य सुचारू रूप से संचालन के लिए नियुक्त सेक्टर अधिकारियों की बैठक आज कलक्टोरेट सभा कक्ष में सपन्न हुई। दुर्ग नगर निगम के रिटर्निंग ऑफिसर एडीएम अरविन्द एक्का की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में सेक्टर अधिकारियों से मतदान केन्द्रों की व्यवस्थाओं की जानकारी ली गई और आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये। एडीएम श्री एक्का ने कहा कि शहर क्षेत्र के अंतर्गत 265 बूथों का निरीक्षण कर संबंधित सेक्टर अधिकारियों द्वारा समुचित प्रबंध किया जाए। उन्होंने सभी अधिकारियों से चुनाव प्रक्रिया को सुचारू और निष्पक्ष रूप से संपन्न कराने के लिए तत्पर रहने की अपील की। साथ ही उन्होंने सभी सेक्टर प्रभारियों, अधिकारियों को जिम्मेदारी और गंभीरता से कार्य करने के निर्देश दिये हैं।

कैबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त आरंग विधायक गुरु श्री खुशवंत साहेब करेंगे बेमेतरा में ध्वजारोहण

आरंग/बेमेतरा/रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ सरकार में कैबिनेट मंत्री का दर्जा प्राप्त करने के बाद, आरंग विधानसभा क्षेत्र के सम्माननीय युवा विधायक गुरु खुशवंत साहेब पहली बार 26 जनवरी 2025 को बेमेतरा जिला मुख्यालय में गणतंत्र दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय ध्वज फहराएंगे। इस अवसर को लेकर बेमेतरा जिले में खासा उत्साह है, क्योंकि यह जिले के लिए गौरव का ऐतिहासिक क्षण होगा।

गुरु खुशवंत साहेब, जिन्होंने हाल ही में छत्तीसगढ़ सरकार में कैबिनेट मंत्री स्तर का दर्जा प्राप्त किया है, अब अपने क्षेत्र और राज्य के विकास में निर्णायक भूमिका निभा रहे हैं। उनका यह पहला आधिकारिक ध्वजारोहण कार्यक्रम है, जो बेमेतरा जिला मुख्यालय में होगा। वही गुरु खुशवंत साहेब ने कहा है कि गणतंत्र दिवस का यह पावन अवसर हमें हमारे संविधान और लोकतंत्र की ताकत की याद दिलाता है। यह दिन हर भारतीय को अपनी एकता, अखंडता और लोकतांत्रिक मूल्यों पर गर्व करने का अवसर प्रदान करता है। मैं सभी नागरिकों से आग्रह करता हूं कि वे इस राष्ट्रीय पर्व में भाग लें और इस दिन को यादगार बनाएं। गुरु खुशवंत साहेब प्रात: 9 बजे राष्ट्रीय ध्वज फहराकर कार्यक्रम की शुरुआत करेंगे। इसके बाद गणतंत्र दिवस के महत्व पर उनका प्रेरणादायक संबोधन होगा। गुरु खुशवंत साहेब छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं और विकास कार्यों की जानकारी साझा करेंगे। यह सुनिश्चित किया जाएगा कि कार्यक्रम के दौरान चुनाव आयोग द्वारा लागू आदर्श आचार संहिता का पूर्णत: पालन हो।

कार्यक्रम में स्थानीय विद्यालयों के छात्र-छात्राओं द्वारा देशभक्ति गीत, नृत्य और नाटकों की प्रस्तुति दी जाएगी। इसके माध्यम से छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर को प्रदर्शित किया जाएगा एवँ समाज सेवा, शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले व्यक्तियों को विशेष रूप से सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम के बाद जनता से संवाद करेंगे और उनकी समस्याओं व सुझावों को सुनेंगे।

महत्वपूर्ण सूचना- यह ध्यान दिया जाना आवश्यक है कि पूरे छत्तीसगढ़ में आदर्श आचार संहिता लागू है। कार्यक्रम के आयोजन में चुनाव आयोग के सभी दिशा-निर्देशों का सख्ती से पालन किया जाएगा। ध्वजारोहण और संबोधन के दौरान किसी भी राजनीतिक दल का प्रचार नहीं किया जाएगा और किसी प्रकार की नई योजना की घोषणा नहीं की जाएगी।

कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला- रायपुर (छ.ग.)
Email :birgaonmcp@gmail.com, Website : www.nagarnigambirgaon.com

-: निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना :-
नामांतरण प्रकरण क्र. 734 दिनांक 23.01.2025
वार्ड का नाम- हरी ठाकुर वार्ड
वार्ड क्र. 08 वर्ष- 2024-25

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार भवन/भूमि जो कि निगम के संपत्ति कर मांग पंजी में वार्ड क्रमांक 08 मांग **पंजी क्र. 108 युआईडी 13251** अनुसार अधिभोगी का नाम श्री/श्रीमती **बाहरिन बाई / नानकी राम** से दर्ज है, श्री/श्रीमती **बब्लू चतुर्वेदी / स्व. नन्की चतुर्वेदी** अधिभोगी के द्वारा रजिस्ट्री/ लिखत द्वारा/ वंशानुक्रम/ बिक्रीनामा आधार पर अधिभोग प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त अधिभोग परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर/अथवा दिनांक **22-02-2025** तक प्रकरण क्रमांक सहित कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव में लिखित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई दावा-आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में अधिभोगी के द्वारा देय राशि भुगतान उपरांत अधिभोगी के पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम, बीरगांव
जिला-रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-3)
शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर
E-mail ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्र./15906/ न.पा.नि./जोन क्र.-3/2025
रायपुर, दिनांक 22-01-2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 15906
वार्ड का नाम-48- मदर टेरेसा वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड- 48 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR443G00025** जो कि निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **KAPOORCHAND VISHWAKARMA** पिता/पति श्री/श्रीमती **S/O KALURAM VISHWAKARMA** केनाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **श्री पूनम चंद विश्वकर्मा** पिता/पति श्री/श्रीमती **पिता - श्री कपूर चंद विश्वकर्मा** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत हक त्याग विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री विवेकानन्द दुबे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं.- (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-09)
पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुर
E-mail ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्र./17595/ न.पा.नि./जोन क्र.-9/2025
रायपुर, दिनांक 21-01-2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 17595
वार्ड का नाम- 07 - कुशाभाऊ ठाकरे वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 07 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR226E00588** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SAHIL LULLA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **AJIT LULLA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SANTOSH KUMAR SEN** पिता/पति, श्री/श्रीमती **S. KARTIK CHAND SEN** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **NOTARI PEPAR** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री संतोष पाण्डेय
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(09)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-02, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.), फोन नं.- 0771-4903223
Email Id: eocghbzone02@gmail.com

आम-सूचना

सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि सामान्य आवास **योजनान्तर्गत, इंद्रावती कालोनी, राजा तालाब, रायपुर** में स्थित **फ्लैट क्रमांक-एल.आई.जी.-32, श्री अनिल चंद्र राय पिता स्व. श्री सुरेश चंद्र** को इस कार्यालय के नामांतरण **आदेश क्र-138 दिनांक 02.05.2015** के माध्यम से नामांतरित किया गया है। उक्त फ्लैट का पूर्ण मूल्य जमा कर **दिनांक 27.02.2004** को विक्रय विलेख पंजीकृत करा लिया गया है। वर्तमान में नामांतरी **श्री अनिल चंद्र राय पिता स्व. श्री सुरेश चंद्र, निवासी-एल.आई.जी. फ्लैट क्रमांक 32, इंद्रावती कालोनी, राजा तालाब, रायपुर** के द्वारा आवेदन पत्र, विक्रय इकरारनामा तथा अन्य दस्तावेज प्रस्तुत कर उक्त फ्लैट को **क्रेता श्रीमती नीलोफर समीर पति शेख समीर, निवासी फ्लैट नं.-405, विंग नं.-01, कैपिटल पैलेस, कविता विहार, अवंति विहार के पास, सेक्टर-1, रायपुर (छ.ग.)** को विक्रय करने के लिये अनापत्ति प्रमाण पत्र (एन.ओ.सी.) प्राप्त करने हेतु इस कार्यालय में अपना आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अत: उक्त फ्लैट के विक्रय के संबंध में किसी व्यक्ति, शासकीय व अर्द्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक अथवा वित्तीय संस्था को कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर लिखित आपत्ति मय दस्तावेज अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-02, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला- रायपुर (छ.ग.)
Email :birgaonmcp@gmail.com, Website : www.nagarnigambirgaon.com

-: निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना :-
नामांतरण प्रकरण क्र. 739 दिनांक 23.01.2025
वार्ड का नाम- शहीद वीर नारायण सिंह वार्ड
वार्ड क्र. 26 वर्ष- 2024-25

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार भवन/भूमि जो कि निगम के संपत्ति कर मांग पंजी में वार्ड क्रमांक 26 मांग **पंजी क्र. 116 युआईडी 25072** अनुसार अधिभोगी का नाम श्री/श्रीमती **अमर दीप / अमर चंद** से दर्ज है, श्री/श्रीमती **राजा डहरिया / अलेन डहरिया** अधिभोगी के द्वारा रजिस्ट्री/ लिखत द्वारा/ वंशानुक्रम/ बिक्रीनामा आधार पर अधिभोग प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त अधिभोग परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर/अथवा दिनांक **22-02-2025** तक प्रकरण क्रमांक सहित कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव में लिखित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई दावा-आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में अधिभोगी के द्वारा देय राशि भुगतान उपरांत अधिभोगी के पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम, बीरगांव
जिला-रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला- रायपुर (छ.ग.)
Email :birgaonmcp@gmail.com, Website : www.nagarnigambirgaon.com

-: निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना :-
नामांतरण प्रकरण क्र. 740 दिनांक 23.01.2025
वार्ड का नाम- सुभास चंद्र बोस वार्ड
वार्ड क्र. 35 वर्ष- 2024-25

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार भवन/भूमि जो कि निगम के संपत्ति कर मांग पंजी में वार्ड क्रमांक 35 मांग **पंजी क्र. 61 युआईडी 28959** अनुसार अधिभोगी का नाम श्री/श्रीमती **संतोष साहू / काशीराम साहू** से दर्ज है, श्री/श्रीमती **जीतेन्द्र यादव / लालमुनी यादव** अधिभोगी के द्वारा रजिस्ट्री/ लिखत द्वारा/ वंशानुक्रम/ बिक्रीनामा आधार पर अधिभोग प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त अधिभोग परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर/अथवा दिनांक **22-02-2025** तक प्रकरण क्रमांक सहित कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव में लिखित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई दावा-आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में अधिभोगी के द्वारा देय राशि भुगतान उपरांत अधिभोगी के पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम, बीरगांव
जिला-रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला- रायपुर (छ.ग.)
Email :birgaonmcp@gmail.com, Website : www.nagarnigambirgaon.com

-: निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना :-
नामांतरण प्रकरण क्र. 738 दिनांक 23.01.2025
वार्ड का नाम- सुन्दर लाल शर्मा वार्ड
वार्ड क्र. 20 वर्ष- 2024-25

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार भवन/भूमि जो कि निगम के संपत्ति कर मांग पंजी में वार्ड क्रमांक 20 मांग **पंजी क्र. 1067 युआईडी 38545** अनुसार अधिभोगी का नाम श्री/श्रीमती **डी. एम. बिल्डर्स / परेश कुमार मानिक** से दर्ज है, श्री/श्रीमती **विनीता तिवारी / राजेन्द्र तिवारी** अधिभोगी के द्वारा रजिस्ट्री/ लिखत द्वारा/ वंशानुक्रम/ बिक्रीनामा आधार पर अधिभोग प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त अधिभोग परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर/अथवा दिनांक **22-02-2025** तक प्रकरण क्रमांक सहित कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव में लिखित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई दावा-आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में अधिभोगी के द्वारा देय राशि भुगतान उपरांत अधिभोगी के पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम, बीरगांव
जिला-रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला- रायपुर (छ.ग.)
Email :birgaonmcp@gmail.com, Website : www.nagarnigambirgaon.com

-: निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना :-
नामांतरण प्रकरण क्र. 737 दिनांक 23.01.2025
वार्ड का नाम- हरी ठाकुर वार्ड
वार्ड क्र. 08 वर्ष- 2024-25

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार भवन/भूमि जो कि निगम के संपत्ति कर मांग पंजी में वार्ड क्रमांक 08 मांग **पंजी क्र. 108 युआईडी 13251** अनुसार अधिभोगी का नाम श्री/श्रीमती **बाहरिन बाई / नानकी राम** से दर्ज है, श्री/श्रीमती **प्रमिला चतुर्वेदी / मोहन चतुर्वेदी** अधिभोगी के द्वारा रजिस्ट्री/ लिखत द्वारा/ वंशानुक्रम/ बिक्रीनामा आधार पर अधिभोग प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त अधिभोग परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर/अथवा दिनांक **22-02-2025** तक प्रकरण क्रमांक सहित कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव में लिखित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई दावा-आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में अधिभोगी के द्वारा देय राशि भुगतान उपरांत अधिभोगी के पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम, बीरगांव
जिला-रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला- रायपुर (छ.ग.)
Email :birgaonmcp@gmail.com, Website : www.nagarnigambirgaon.com

-: निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना :-
नामांतरण प्रकरण क्र. 736 दिनांक 23.01.2025
वार्ड का नाम- हरी ठाकुर वार्ड
वार्ड क्र. 08 वर्ष- 2024-25

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार भवन/भूमि जो कि निगम के संपत्ति कर मांग पंजी में वार्ड क्रमांक 08 मांग **पंजी क्र. 108 युआईडी 13251** अनुसार अधिभोगी का नाम श्री/श्रीमती **बाहरिन बाई / नानकी राम** से दर्ज है, श्री/श्रीमती **साधन चतुर्वेदी / बब्लू चतुर्वेदी** अधिभोगी के द्वारा रजिस्ट्री/ लिखत द्वारा/ वंशानुक्रम/ बिक्रीनामा आधार पर अधिभोग प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त अधिभोग परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर/अथवा दिनांक **22-02-2025** तक प्रकरण क्रमांक सहित कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव में लिखित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई दावा-आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में अधिभोगी के द्वारा देय राशि भुगतान उपरांत अधिभोगी के पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम, बीरगांव
जिला-रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला- रायपुर (छ.ग.)
Email :birgaonmcp@gmail.com, Website : www.nagarnigambirgaon.com

-: निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना :-
नामांतरण प्रकरण क्र. 735 दिनांक 23.01.2025
वार्ड का नाम- हरी ठाकुर वार्ड
वार्ड क्र. 08 वर्ष- 2024-25

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार भवन/भूमि जो कि निगम के संपत्ति कर मांग पंजी में वार्ड क्रमांक 08 मांग **पंजी क्र. 108 युआईडी 13251** अनुसार अधिभोगी का नाम श्री/श्रीमती **बाहरिन बाई / नानकी राम** से दर्ज है, श्री/श्रीमती **बालाराम चतुर्वेदी / स्व. नन्की चतुर्वेदी** अधिभोगी के द्वारा रजिस्ट्री/ लिखत द्वारा/ वंशानुक्रम/ बिक्रीनामा आधार पर अधिभोग प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त अधिभोग परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर/अथवा दिनांक **22-02-2025** तक प्रकरण क्रमांक सहित कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव में लिखित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई दावा-आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में अधिभोगी के द्वारा देय राशि भुगतान उपरांत अधिभोगी के पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम, बीरगांव
जिला-रायपुर (छ.ग.)

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

बिलासपुर संभाग

रायपुर शुक्रवार 24 जनवरी 2025

जिला सहकारी केंद्रीय बैंक बिश्रामपुर में बैंक कर्मचारियों का अभाव किसानों की परेशानियां बढ़ी

बैंक में पदस्थ तीन कर्मचारियों पर कार्य का बढ़ा बोझ

प्रतिदिन 400 से 500 किसानों का भूखे प्यासे रहकर करते है भुगतान

गोपाल सिंह विद्रोही

जिला सहकारी केंद्रीय बैंक शाखा विश्रामपुर जिला सूरजपुर छत्तीसगढ़ तीन कर्मचारियों के बदौलत 22000 किसानों का धान खरीदी का भुगतान करने में कर्मचारियों का पसीना छूट रहा है तो वही किसानो को भी सुबह 6 बजे से रात्रि 10 बजे तक धान बिक्री का कीमत लेने भूखे प्यासे बैंक में जमावड़ा लगाना पड़ता है।

जानकारी के अनुसार जिला सहकारी केंद्रीय बैंक शाखा विश्रामपुर जिला सूरजपुर छत्तीसगढ़ नगर पंचायत शिवनंदनपुर दक्षिणमुखी हनुमान मंदिर के बाजू स्थित है जिसमें 6 धन खरीदी केंद्रों का 22,000 किसान अपने धान बिक्री का भुगतान लेने पहुंचते। आलम यह है कि बैंक में महज तीन कर्मचारियों की नियुक्ति की गई है। महज तीन कर्मचारियों से संचालित बैंक में काफी अव्यवस्था बनी रहती है। कर्मचारी जो सुबह 10 :30 बजे बैंक ड्यूटी पर पहुंचते हैं वे 10:30 बजे से रात्रि 10:30 बजे तक बिना खाए पिए किसानों को भुगतान के लिए इस कड़ाके की ठंड में भी पसीना बहा रहे हैं। उधर किसान भी धान बिक्री भुगतान के लिए दिन भर परेशान रहते हैं। यह कोई एक दिन की समस्या नहीं है यह प्रत्येक दिन की बड़ी समस्या है, सबसे बड़ी समस्या यही है कि बैंक ने किसानों की धान खरीदी भुगतान का एक लिमिट कर रखा है। प्रतिदिन एक किस को 20,000 रु से ज्यादा का भुगतान नहीं होगा। आपातकाल में यदि किसी किसान कि जरूरत है तो बैंक 20,000 से ज्यादा का भुगतान कर सकता है परंतु सामान्य किसानों को 20,000रु से ज्यादा का भुगतान बैंक नहीं कर पा रहा है जिससे बैंक में जबरदस्त भीड़ लगी रहती है।

बैंक में पार्किंग का अभाव आधा किलोमीटर तक कॉलोनी में खड़ी रहती है किसने की बाइक – बैंक आने वाले किसानों का मोटरसाइकिल आधा किलोमीटर तक सड़क के दोनों किनारे लगी रहती है, यही नहीं किसानों में जल्द भुगतान पाने हेतु आपस में विवाद की स्थिति भी उत्पन्न हो जाती है जिसे संभालने वाला भी कोई नहीं है ।आए दिन किसानों की आपसी विवाद के कारण बैंक को भारी समस्या का भी सामना करना पड़ता है ।किसानों का धान बिक्री भुगतान की अलावा कई कार्यो के लिए किसानों को बैंक में आना पड़ता है। बैंक मात्र तीन छोटे-छोटे कमरा में संचालित है। जिला सहकारी केंद्रीय बैंक शाखा विश्रामपुर परिसर में ठूंस ठूंस कर किसान खड़े रहते हैं। किसानों और कर्मचारी का इन दिनों परेशानियां इतनी बढ़ गई है कि जिला सहकारी केंद्रीय बैंक की उच्च अधिकारियों को इस ओर पहल कर दो-तीन कर्मचारियों की और नियुक्ति करना चाहिए ताकि समस्या कुछ हल हो सके।

बैंक में शाखा प्रबंधक सहित तीन कर्मचारियों की नियुक्ति – जिला सहकारी केंद्रीय बैंक शाखा बिश्रामपुर में शाखा प्रबंधक श्रीमती बिंदु रानी सहित एक फील्ड ऑफिसर एवं एक कैशियर की नियुक्ति है जो धान खरीदी केंद्र के 6 समितियां जिसमें जयनगर, कुरुवा,रामनगर सलका , चंद्रमेढा , कंदरई समितियां के 22,000 किसान अपने धान बिक्री का भुगतान लेने उक्त बैंक में पहुंचते हैं। किसान अपना जल्द भुगतान पाने के उद्देश्य से सुबह 7 बजे बैंक परिसर पहुंचकर अपना कार्ड जमा कर देते हैं जबकि बैंक 10:30 बजे खुलता है ।किसानों का मानना है कि जल्द जाकर कार्ड जमा कर देने से बैंक खुलते ही उनका नंबर आ जाता है और धान का पैसा प्राप्त हो जाता है। इस तरह से पूरा दिन किसानों को धान का भुगतान पाने हेतु ठंड में भी पसीना बहाना पड़ता तो वही बैंक के तीन कर्मचारियों का भी इस कड़ाके की ठंड में भी पसीना बहाना पड़ रहा है।

तीन कर्मचारियों के भरोसे किसानों को संभालना हुआ मुश्किल– उक्त बैंक में बैंक मैनेजर के अलावा एक ऑपरेटर तथा एक फील्ड ऑफिसर कल तीन कर्मचारी सदस्य इन तीन कर्मचारियों के ऊपर 22000 किसानों का धान बिक्री केंद्र का भुगतान सहित धान बोनस कर्ज बांटना नियमित कर्ज की वसूली करना सही बैंक का अन्य कार्य रहता है किसानों का ध एन धान बिक्री भुगतान के साथ-साथ बोनस भुगतान का कार्य भी बैंक कर्मचारियों के ऊपर रहता है दो-तीन छोटे कमरे में स्थित है या बैंक पूर्णता असुरक्षित है सुरक्षा का नाम पर कुछ भी नहीं है किसानों को न बैठने की व्यवस्था है ना पेयजल की व्यवस्था है ना वहां रखने की व्यवस्था है दिनभर किसान भुगतान पाने हेतु सड़क में अपने नंबर का इंतजार करते रहते हैं बैंक की उच्च अधिकारियों को चाहिए कि कम से कम बैंक में तीन अन्य कर्मचारियों की नियुक्ति करें ताकि पदस्थ यहां तीन कर्मचारियों को ऊपर बोझ न पड़े और ना ही किसानों को किसानों को परेशानियों का सामना करना पड़े।

संक्षिप्त समाचार

एक के बाद एक पलटे तीन वाहन, जनहानि नहीं

कोरबा(विश्व परिवार)। सडक हादसों का दौर थमने का नाम नहीं ले रहा। रोजाना हादसे हो रहे हैं और रोज लोग घायल हो रहे है। उरगा और कनकी के बीच कुदूरमाल पुल के उपर एक के बाद एक तीन भारी वाहन पलट गए। हादसे में किसी तरह की जनहानी तो नहीं हुई है,लेकिन वाहन में मौजूद राख और गिट्टी के सडक पर फैलाव होने के कारण जाम की स्थिति निर्मित जरुर हो गई। कोरबा शहर की सडकों पर दौडने वाले भारी वाहनों के कारण लगातार हादसे हो रहे है। वाहनों की रफ्तार अधिक हाने के कारण इस तरह की स्थिती निर्मित हो रही है। उरगा थानांतर्गत कुदूरमाल पुल के उपर बीती रात तीन ट्रक एक के बाद एक पलट गए। बताया जा रहा है,कि अकलतरा से गिट्टी लेकर कोरबा आ रही ट्रक पुल के उपर पलट गई,जिससे गिट्टी का बिखराव सडक पर हो गया। हादसे के बाद पुल पर रास्ता संकरा हो गया। एक एक कर संकरे रास्ते से वाहन निकलने लगी,इसी बीच राख लोड दो ट्रक भी मौके पर पलट गई और राख सडक पर बिखर गया। सुबह जब ग्रामीणों ने इस नजारे को देखा तो उनके होश उड़ गई। हादसे के कारण मार्ग पर लंगा जाम लगा हुआ था। इस दुर्घटना में किसी तरह की जनहानी तो नहीं हुई है लेकिन आने जाने में लोगों को काफी परेशान होना पड़ा।

24 घंटे के भीतर दो हाथियों की मौत

रायगढ़(विश्व परिवार)। जिले में 24 घंटे के भीतर दो हाथियों की मौत होने से वन विभाग में हड़कंप मच गया है. रायगढ़ में आज फिर एक हाथी की मौत हुई है. डेम के दलदल में फंसने से हाथी की जान जाने की आशंका जताई जा रही है. यह घटना रायगढ़ वन मंडल के घरघोड़ा वन परिक्षेत्र के ग्राम पानीखेत स्टापडेम की है. घटना की सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची है. बताया जारहा कि पानी पीने के लिए हाथियों का दल डैम के पास पहुंचा था, तभी एक हाथी के दलदल में फंसने की आशंका जताई जा रही, जिससे उसकी मौत हो गई. सोमवार को भी धर्मजयगढ़ वन मंडल के कोंध्रा गांव में करंट की चपेट में आने से एक हाथी की मौत हुई थी.

डिप्टी कलेक्टर का बेटा डेम में डूबा

रायगढ़(विश्व परिवार)। रात में अपने दोस्तों से मिलने टीपा खोल डेम में पहुंचा डिप्टी कलेक्टर का बेटा अचानक संतुलन बिगड़ने से पानी में गिरने से डूब गया. मृतक जॉय लकड़ा के शव को देर रात तक खोजने का प्रयास किया, लेकिन सुबह जाकर बचाव दल शव को ढूंढ पाया. कोतरा रोड पुलिस मामले में जॉय लकड़ा के दोनों दोस्तों से पूछताछ कर रही है.

गुपचुप वाले के पास उमड़े ग्राहक तो ईर्ष्यावश डोसा वाले ने कर दी मारपीट

कोरबा(विश्व परिवार)। कोरबा अंचल में आरोप लगाया गया हैं की व्यापारिक ईर्ष्या के चलते एक पानीपुरी विक्रेता की जमकर पिटाई दोसा वाले द्वारा कर दी गई। बताया जा रहा हैं की मध्यप्रदेश के ग्वालियर नगर से कोरबा के रामपुर क्षेत्र में आकर बसे व्यक्ति द्वारा अपने परिवार के साथ किराए के मकान में रहकर पानीपुरी का ठेला लगाता हैं। जानकारी के अनुसार पिछले 6 महीने में उसकी दुकान में ग्राहकों की भीड़ बढ़ने लगी, जिससे पास में दोसा की दुकान चलाने वाले व्यवसायी का व्यवसाय प्रभावित होने लगा।

शोक समाचार : गीता सिंह

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)-विश्रामपुर सतपता निवासी सेवा निवृत प्रधान आरक्षक हरि नारायण सिंह की 65 वर्षीय धर्म पत्नी एवं जयनगर पुलिस थाना में पदस्थ सहायक उप निरीक्षक रघुवंश सिंह ,क्षत्रिय समाज बिश्रामपुर के युवा अध्यक्ष राहुल सिंह एवं श्रीमती रेनू सिंह की माता श्री का आज दुखद निधन हो गया। आज रिंहद नदी तट स्थित मुक्तिधाम में सजातीय एवं प्रतिष्ठित नागरिकों की उपस्थिति में स्वर्गीय गीता सिंह देवी का मुखानी छोटा पुत्र राहुल सिंह ने दी । उल्लेखनीय है कि स्व श्रीमती गीता सिंह का अचानक तबीयत खराब हो गया जिन्हें रायपुर स्थित शासकीय मेकाहारा हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था जो आज रात्रि अपनी अंतिम सांस मली ।इस दु:खद खबर से पूरे शहर में शोक का वातावरण है ।बताया जाता है कि स्व गीता सिंह का पति हरिनारायण सिंह विश्रामपुर पुलिस थाना सहित सूरजपुर जिले के विभिन्न पुलिस थानों में पदस्थ रहे हैं तो वहीं उनके पुत्र सहायक उप निरीक्षक रघुवंश सिंह जिले के विभिन्न थानों में अपनी सेवाएं दे रहे हैं तो छोटा पुत्र राहुल सिंह विश्रामपुर क्षत्रिय समाज का युवा विंग का अध्यक्ष है

स्वयंसेवी संस्था शिवानी महिला समिति ने आवश्यकता जनों को किया कंबल वितरण

गोपाल सिंह विद्रोही

सूरजपुर ब्यूरो(दैनिक विश्व परिवार)- ठंड से बचाव के लिए जरूरत मंदों को कंबल एवं खाद्य पदार्थ का पैकेट का किया वितरण । एस ई सी एल श्रद्धा महिला मंडल की अध्यक्ष एवं सीएमडी बिलासपुर की धर्मपत्नी पूनम मिश्रा और उनके सहयोगी के द्वारा किये जा रहे सामाजिक कार्यों से प्रेरणा लेकर एस ई सी एल विश्रामपुर क्षेत्र के महाप्रबंधक अजय तिवारी की धर्मपत्नी एवं शिवानी महिला समिति की अध्यक्ष ममता तिवारी द्वारा , जरूरतमंदों के बीच में कंबल एवं खाद्य पदार्थ के पैकेज का वितरण किया। समिति अध्यक्ष एवं सदस्यों का मानना है कि कड़ाके की ठंड में हमें अपनी सेवाएं प्रदान करते हैं तो उनके लिए हमें भी कुछ करना चाहिए क्योंकि वो हैं तो हम हैं, इसी उद्देश्य से शिवानी महिला समिति जरूरतमंद अति गरीब कामगार लोगों को जो आफिस में,अस्पताल में, ट्रेनिंग सेंटर में, कालोनी के प्रत्येक घरों में काम करने वाले स्त्री पुरुष सफाई कर्मचारीयों और ड्राइवरों को 60 कंबल एवं 60 फूड पैकेटों का वितरण किया । इस कल्याणकारी कार्य में ममता तिवारी अध्यक्षा शिवानी महिला समिति एवं समिति के सदस्य श्रीमती मानिक झा, श्रीमती मधु सिंह, श्रीमती गायत्री शर्मा, श्रीमती अर्चना शिंदे, श्रीमती जया रमत्रा, श्रीमती राजश्री नारायण, श्रीमती मोनिका दास,एवं श्रीमती बलजिंदर सैनी ने अपना योगदान दिया।

बैंक ने इंदौर स्वीट्स को किया सील कर्जा न चुकाने पर हुई कार्रवाई

कोरबा(विश्व परिवार)। पंजाब नेशनल बैंक ने मंगलवार को टीपी नगर चैक में स्थित होटल मारुति और इंदौर स्वीट्स को सील ला दिया है। सूत्रधार की माने तो 15 करोड़ रुपए का लोन न चुकाने पर कार्रवाई की गई है। बैंक अधिकारी भारी पुलिस बल के साथ होटल सील करने पहुंचे थे। बता दें कि मंगलवार दोपहर पीएनबी के लीगल टीम ने ट्रांसपोर्ट नगर में संचालित इंदौर स्वीट्स को अपने कब्जे में ले लिया। जब होटल सील किया गया तो वहां लोगों की भीड़ लग गई। बैंक अब अपना कर्ज चुकाने के लिए अगले महीने इंदौर स्वीट्स की नीलामी कर सकता है।

सुभाष चंद्र बोस जी की जयंती पर द बोस नामक फिल्म छात्राओं ने देखी

देश भक्ति का दूसरा नाम है नेताजी सुभाष चंद्र बोस- आशीष भट्टाचार्य

विद्यालय प्रबंधन ने प्रोजेक्टर के माध्यम से फिल्म का किया प्रदर्शन

सूरजपुर ब्यूरो(दैनिक विश्व परिवार) नेता जी सुभाष चंद्र बोस कि जयंती के अवसर पर शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय विश्रामपुर में आज सुभाष चंद्र बोस की जयंती मनाई गई। विद्यालय के प्राचार्य एवं सभी शिक्षक शिक्षिकाओं मैं नेताजी सुभाष चंद्र बोस की छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर पुष्प वर्षा की गई। इस अवसर पर नेता जी के जीवन पर बनी फिल्म द बोस का प्रदर्शन प्रोजेक्टर के माध्यम से बच्चों के समक्ष किया गया। विद्यालय के प्राचार्य आशीष कुमार भट्टाचार्य ने छात्रों को नेताजी के बारे में बताते हुए कहा कि सुभाष चन्द्र बोस का जन्म 23 जनवरी 1897 को ओड़िसा के कटक में हुआ था। नेताजी का जीवन संघर्ष, साहस व देशभक्ति का प्रतीक माना जाता है। बताया कि आज हम सभी को नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की जीवन से प्रेरणा लेने की आवश्यकता है। श्री भट्टाचार्य ने कहा कि देश भक्ति का दूसरा नाम है नेताजी सुभाष चंद्र बोस ।जीवन पर्यंत नेता जी ने मातृभूमि की रक्षा के लिए संघर्ष किया। इस अवसर पर विद्यालय के सभी शिक्षक शिक्षिकाएं जन शिक्षक और छात्र छात्राएं उपस्थित थे।

स्वच्छता दीदियों का मानदेय बढने पर मनाया जश्र

आरती विकास अग्रवाल ने स्वच्छता दीदियों के साथ काटा केक, बांटी गई मिठाईयां

कोरबा(विश्व परिवार)। जिले की भाजपा नेत्री सह नगर पालिक निगम कोरबा वार्ड क्रमांक 2 साकेत नगर की पार्षद तथा मिनीमाता गर्ल्स कॉलेज जनभागीदारी समिति की अध्यक्ष आरती विकास अग्रवाल ने आचार संहिता लागू होने से ठीक पूर्व कैबिनट की एक बैठक में महत्वपूर्ण निर्णय लेकर प्रदेश की 9252 स्वच्छता दीदियों का मानदेय बढ़ाकर महिलाओं का सम्मान किया। इस अवसर पर नगर पालिक निगम कोरबा के वार्ड क्रमांक 2 साकेत नगर के तुलसी नगर क्षेत्र में स्थित एसएलआरएम सेंटर में जश्र का माहौल दिखा। जश्र की खबर आसपास भी फैली, तो पता चला कि स्वच्छता दीदियां जश्र मना रही हैं। जानकारी के अनुसार पूर्व पार्षद एवं भाजपा नेत्री आरती अग्रवाल एसएलआरएम सेंटर पहुंची यहां वार्ड क्रमांक-2,3,13,14,15 की दीदियां यहां बड़ी संख्या में उपस्थित थीं, जहां पर अपनी पार्षद को देख सभी दीदियां पहले चैकी और उनके हाथ में बड़ा सा डिब्बा देखकर दीदियों के बीच उत्सुकता भी फैली। उन्होंने बताया की विष्णु कैबिनेट ने स्वच्छता दीदियों के मानदेय में प्रतिमाह 800 रूपए की बढ़ोतरी की और अब उन्हें 8000 रूपए मानदेय मिलेगा। इसके अलावा उन्होंने अंत्योदय की भावना को आगे बढ़ाते हुए भूमिहीन किसानों की समृद्धि के लिए बड़ा कदम उठाया। अग्रवाल ने कहा कि विष्णु देव सरकार गरीब भूमिहीन मजदूरों को 10 हजार प्रतिमाह देगी। यह बहुत बड़ी बात है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और नगरीय निकाय मंत्री तथा कोरबा जिला प्रभारी मंत्री एवं प्रदेश के उपमुख्यमंत्री अरूण साव के हम आभारी हैं कि उन्होंने शहर की स्वच्छता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली स्वच्छता दीदियों का मान देय बढ़ाया।

स्माल गार्डनिंग से शहर सौदंर्यीकरण को मिल रहा नया लुक

जगह-जगह मुस्कुरा रहे नयनाभिराम रंग बिरंगे फूल

कोरबा(विश्व परिवार)। ऊर्जाधानी औद्योगिक नगरी कोरबा के शहर सौदंर्यीकरण को स्माल गार्डनिंग के द्वारा मनमोहक नया लुक दिया जा रहा है, चौक-चौराहों व सड़कों के किनारे स्माल गार्डनिंग कर विभिन्न प्रजातियों के फूलदार पौधे रोपित किए गए हैं, जिन में नयनाभिराम रंग बिरंगे फूल मुस्कुरा रहे हैं, इनसे चौक-चौराहों की सुंदरता बढ़ रही है, वहीं लोगों की सकारात्मक प्रतिक्रियाएं भी लगातार सामने आ रही हैं, वे शहर सौदंर्यीकरण की दिशा में निगम के इस कदम की प्रशंसा कर रहे हैं। नगर पालिक निगम कोरबा के प्रशासक व कलेक्टर श्री अजीत वसंत के मार्गदर्शन एवं निगम आयुक्त श्री आशुतोष पाण्डेय के दिशा निर्देशन में निगम द्वारा विभिन्न चौक-चौराहों, सड़कों किनारे तथा विविध स्थानों पर स्माल गार्डनिंग की जा रही है। निगम द्वारा सीएसईबी चौक, अप्पू गार्डन, निगम कार्यालय साकेत, कलेक्ट्रेट एटीएम के पास, डी-1, डी-2 आवासगृह के समीप स्माल गार्डनिंग की गई हैं, वहीं सुभाष चौक, घंटाघर सहित अन्य स्थानों में स्माल गार्डनिंग का कार्य प्रगति पर है, इसके अंतर्गत विभिन्न थीम व डिजाईन पर विभिन्न प्रजातियों के फूलदार पौधे रोपित किए गए हैं, जिनमें रंग-बिरंगे फूल मुस्कुरा रहे हैं, इससे शहर व स्थल की सुंदरता को नया लुक मिल रहा है, वहाँ से आने जाने वाले लोग अनायास ही इनसे आकर्षित हो रहे हैं। निगम का सराहनीय कदम – कोरबा निवासी श्याम मित्र मंडल के पूर्व अध्यक्ष श्री नरेश अग्रवाल कहते हैं कि निगम ने जगह-जगह स्माल गार्डनिंग कर फूलदार पौधे रोपित किए हैं, साकेत भवन परिसर में भी इन पौधों का रोपण किया गया है, वहाँ पर एक ओर जहाँ रंग-बिरंगे फूल मुस्कुरा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर शाम के समय वाटर फाउंटेन चलने से वहाँ पर मनोहारी दृश्य उपस्थित होता है। श्री अग्रवाल ने यह भी कहा कि वर्तमान में निगम की साफ-सफाई व्यवस्था में अच्छी कसावट लाई गई है तथा शहर साफ-सुथरा दिखता है, मैं निगम के इस कदम की सराहना करता हूँ। बढ़ रही शहर की सुंदरता – कोरबा के सीतामणी निवासी श्री सरजूप्रसाद सारथी का कहना है कि चौक-चौराहों में स्माल गार्डनिंग कर रंग-बिरंगे फूलदार पौधे निगम द्वारा लगाए गए हैं, इससे शहर की सुंदरता बढ़ रही है, आने-जाने वाले लोग अनायास ही इनसे आकर्षित हो रहे हैं। उन्होने कहा कि शहर के और अधिक स्थलों व चौक-चौराहों में यह कार्य होगा, मैं यह उम्मीद करता हूँ। विभिन्न प्रजातियों के फूलदार पौधे रोपित – निगम के उद्यान अधीक्षक श्री आनंद राठौर ने बताया कि निगम प्रशासक व कलेक्टर श्री अजीत वसंत से प्राप्त मार्गदर्शन व निगम आयुक्त श्री आशुतोष पाण्डेय के दिशा निर्देशन में शहर के विभिन्न चौक-चौराहों व सड़कों के किनारे विभिन्न प्रजातियों के फूलदार पौधे आकर्षक डिजाईनों में रोपित किए गए हैं, अभी भी कुछ स्थानों पर यह कार्य प्रगति पर है।

दैनिक
विश्व परिवार

विचार-पक्ष

रायपुर शुक्रवार 24 जनवरी 2025

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

संपादकीय

महिलाओं के खिलाफ अपराधों पर लगाम कैसे

भारत के शीर्ष तीन शहरों में बेंगलूरु को महिलाओं के लिए सामाजिक व औद्योगिक समावेश में उत्कृष्टता प्राप्त करने वाला माना गया है। तमिलनाडु के आठ शहरों को इस सूची में स्थान प्राप्त हुआ, जिसमें कामकाजी महिलाओं के लिए सबसे सुरक्षित, समावेशी शहरों में दूसरे नंबर में राज्य की राजधानी चेन्नई है। जो बीते साल के सर्वेक्षण में पहले पायदान पर थी। लिंग समावेशी क्षेत्र के तौर पर 25 में से 16 शहर दक्षिण भारत के हैं। यह सर्वेक्षण महिलाओं के कामकाज, उनकी रहने की जगहों, आगे बढऩे के तरीकों के आधार पर किया गया। कोयंबटूर, तिरुचिरापल्ली, वेल्लोर, मदुरै, सेलम, इरोड, तिरुप्पुर भी इस सूची में शामिल हैं। देश में महिलाओं के लिए शीर्ष शहरों के सूचकांक, आदर्श शहरों व सवरेत्तम चलन की पहचान करता है। महिलाओं की प्रगति और उन्हें आग बढऩे के मार्ग प्रशस्त करने में शहरों के मूल सिद्धांतों व सांस्कृतिक ताने-बाने की भूमिका महत्वपूर्ण है। मुख्मंत्री एमके स्टालिन का दावा है कि भारत की औद्यौगिक महिला कार्यबल का चालीस प्रतिशत हिस्सा तमिलनाडु से आता है। देश में महिलाओं के खिलाफ होने वाले अपराधों पर लगाम कसने में बुरी तरह असफल सरकारों के लिए इस तरह के अध्ययन फौरी तौर पर राहत दे सकते हैं। मगर हकीकत यही है कि देश भर में प्रतिवर्ष तकरीबन चार लाख से अधिक मामले महिलाओं के खिलाफ होने वाले अपराधों के दर्ज होते हैं। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो के अनुसार हर पंद्रहवें मिनट में बलात्कार की घटना दर्ज होती है, जिसमें राजस्थान शीर्ष पर है, उप्र-मप्र क्रमशः दूसरे-तीसरे स्थान पर हैं। कामकाजी महिलाओं के खिलाफ कार्यस्थल पर होने वाले शोषण के खिलाफ कानून लागू होने के बावजूद सुरक्षित वातावरण मिलना बेहद दुष्कर है। हालांकि उक्त सर्वेक्षण में अध्ययन के लिए चुने गए शहरों के परिवेश व सांस्कृतिक महत्त्व को भी देखा जाना जरूरी है। क्योंकि दक्षिण के राज्यों में उत्तर की बनिस्पत शिक्षा अधिक है और लैंगिक विषमता भी कम है। असल सवाल यह होना चाहिए कि महिलाओं के लिए सुरक्षित शहरों के तौर-तरीकों को अन्य राज्य सरकारें भी अपनाने का प्रयास करें। इससे महिला कार्य-बल की क्षमता भी बढ़ सकती है, वे उत्कृष्टतापूर्ण नतीजे देने में सफल होंगी, जो राष्ट्र की उन्नति व समृद्धि में महती भूमिका निभा सकता है।

कश्मीर से पंडितों के पलायन के चार दशक

प्रवीण गुगनानी

हिजबुल और अलगाववादियों का अप्रत्यक्ष समर्थन कर रहे फारुख अब्दुल्ला तब भी चुप रहे थे या कार्यवाही करनें का अभिनय मात्र कर रहे थे जब भाजपाई और कश्मीरी पंडितों के नेता टीकालाल टपलू की 14 सितम्बर 1989 को दिनदहाड़े हत्या कर दी गई थी। कश्मीर के सर्वाधिक नए जन सांख्यिकीय आंकड़ों पर नजर डाले तो स्वतंत्रता के समय वहां घाटी में 15% कश्मीरी पंडितों की आबादी थी जो आज 1% से नीचे होकर 0% की ओर बढ़ गई है। हाल ही के इतिहास में कश्मीर के ज.स. सांख्यिकी में यदि परिवर्तन का सबसे बड़ा कारक खोजें तो वह एक दिन, यानि 19 जनवरी 1990 के नाम से जाना जाता है। कश्मीरी पंडितों को उनकी मातृभूमि से खदेड़ देनें की इस घटना की यह भीषण और वीभत्स कथा 1989 में आकार लेनें लगी थी। पाकिस्तान प्रेरित और प्रायोजित आतंकवादी और अलगाववादी यहाँ अपनी जड़ें बैठा चुके थे। भारत सरकार आतंकवाद की समाप्ति में लगी हुई थी तब के दौर में वहां रह रहे ये कश्मीरी पंडित भारत सरकार के मित्र और इन आतंकियों और अलगाववादियों के दुश्मन और खबरी सिद्ध हो रहे थे। इस दौर में कश्मीर में अलगाववादी समाज और आतंकवादियों ने इस शांतिप्रिय हिन्दू पंडित समाज के विरुद्ध चल रहे अपनें धीमे और छदम संघर्ष को घोषित संघर्ष में बदल दिया। इस भयानक नरसंहार पर फारुक अब्दुल्ला की रहस्यमयी चुप्पी और कश्मीरी पंडित विरोधी मानसिकता केवल इस घटना के समय ही सामने नहीं आई थी। तब के दौर में तत्कालीन मुख्यमंत्री फारुख अब्दुल्ला अपने पिता शेख अब्दुल्ला के क़दमों पर चलते हुए अपना कश्मीरी पंडित विरोधी आचरण कई बार सार्वजनिक कर चुके थे। 19 जनवरी 1990 के मध्ययुगीन, भीषण और पाशविक दिन के पूर्व जमात-ए-इस्लामी द्वारा कश्मीर में अलगाववाद को समर्थन करने और कश्मीर को हिन्दू विहीन करनें के उद्देश्य से हिज्बुल मुजाहिदीन की स्थापना हो गई थी। इस हिजबुल मुजाहिदीन नें 4 जनवरी 1990 को कश्मीर के स्थानीय समाचार पत्र में एक एक विज्ञप्ति प्रकाशित कराई जिसमें स्पष्टत: सभी कश्मीरी पंडितों को कश्मीर छोड़ने की धमकी दी गई थी। इस क्रम में उधर पाकिस्तानी प्रधानमन्त्री बेनजीर नें भी टीवी पर कश्मीरियों को भारत से मुक्ति पानें का एक भड़काऊ भाषण दे दिया। घाटी में खुले आम भारत विरोधी नारे लगनें लगे। घाटी की मस्जिदों में अजान के स्थान पर हिन्दुओं के लिए धमकियां और हिन्दुओं को खदेड़ने या मार-काट देने के जहरीले आव्हान बजनें लगे। एक अन्य स्थानीय समाचार पत्र अल-सफा ने भी इस विज्ञप्ति का प्रकाशन किया था। इस भड़काऊ, नफरत, धमकी, हिंसा और भय से भरे शब्दों और आशय वाली इस विज्ञप्ति के प्रकाशन के बाद कश्मीरी पंडितों में गहरें तक भय, डर घबराहट का संचार हो गया। यह स्वाभाविक भी था क्योंकि तब तक कश्मीरी पंडितों के विरोध में कई छोटी बड़ी घटनाएं वहां सतत घाट ही रही थी और कश्मीरी प्रशासन और भारत सरकार दोनों ही उन पर नियंत्रण नहीं कर पा रहे थे। 19जन. 1990 की भीषणता को और कश्मीर और भारत सरकार की विफलता को इससे स्पष्ट समझा जा सकता है कि पूरी घाटी में कश्मीरी पंडितों के घर और दुकानों पर नोटिस चिपका दिए गए थे कि 24 घंटो के भीतर वे घाटी छोड़ कर चले जाएँ या इस्लाम ग्रहण कर कड़ाई से इस्लाम के नियमों का पालन करें। घरों पर धमकी भरें पोस्टर चिपकाने की इस बदनाम घटना से भी भारत और कश्मीरी सरकारें चेती नहीं और परिणाम स्वरुप पूरी घाटी में कश्मीरी पंडितों के घर धूं-धूं जल उठे। तत्कालीन मुख्यमंत्री फारुक अब्दुल्ला इन घटनाओं पर रहस्यमयी आचरण अपनाए रहे, वे कुछ करनें का अभिनय करते रहे और कश्मीरी पंडित अपनी ही भूमि पर ताजा इतिहास की सर्वाधिक पाशविक- बर्बर-क्रूरतम गतिविधियों का खुले आम शिकार होते रहे, घाटी में पहले से फैली अराजकता चरम पर पहुँच गई।

कश्मीरी पंडितों के सर काटे गए, कटे सर वाले शवों को चौक-चौराहों पर लटकाया गया। बलात्कार हुए, कश्मीरी पंडितों की स्त्रियों के साथ पाशविक-बर्बर अत्याचार हुए। गर्म सलाखों शरीर में दागी गई और इज्जत आबरू के भय से सैकड़ों कश्मीरी पंडित स्त्रियों ने आत्महत्या करनें में ही भलाई समझी। बड़ी संख्या में कश्मीरी पंडितों के शवों का समुचित अंतिम संस्कार भी नहीं होनें दिया गया था, कश्यप ऋषि के संस्कारवान कश्मीर में संवेदनाएं समाप्त हो गई और पाशविकता-बर्बरता का वीभत्स नंगा नाच दिखा था। जम्मू कश्मीर लिबरेशन फ्रंट और हिजबुल मुजाहिदीन ने जाहिर और सार्वजनिक तौर पर इस हत्याकांड का नेतृत्व किया था। ये सब एकाएक नहीं हुआ था, हिजबुल और अलगाववादियों का अप्रत्यक्ष समर्थन कर रहे फारुख अब्दुल्ला तब भी चुप रहे थे या कार्यवाही करनें का अभिनय मात्र कर रहे थे जब भाजपाई और कश्मीरी पंडितों के नेता टीकालाल टपलू की 14 सित. 1989 को दिनदहाड़े हत्या कर दी गई थी। अलगाववादियों को कश्मीर प्रशासन का ऐसा वरद हस्त प्राप्त रहा कि बाद में उन्होंने कश्मीरी पंडित और श्रीनगर के न्यायाधीश एन. गंजू की भी हत्या की और प्रतिक्रया होनें पर 320 कश्मीरी स्त्रियों, बच्चों और पुरुषों की हत्या कर दी थी। ऐसी कितनी ही हृदय विदारक, अत्याचारी और बर्बर घटनाएं कश्मीरी पंडितों के साथ घटती चली गई और दिल्ली सरकार लाचार देखती भर रही और उधर श्रीनगर की सरकार तो जैसे खुलकर इन आतताइयों के पक्ष में आ गई थी। इस पृष्ठभूमि में हिजबुल और जेकेएलएफ़ का दुस्साहस बढ़ना स्वाभाविक ही था और वह निर्णायक तौर पर कश्मीरी पंडितों की दुकानों-घरों पर 24 घंटे में घाटी छोड़ देनें या मार दिए जानें की धमकी के नोटिस चस्पां करनें की हद तक बढ़ गया। इसके बाद जो हुआ वह एक दुखद, क्षोभजनक, वीभत्स, दर्दनाक और इतिहास को दहला देनें वाले काले अध्याय के रूप में सामनें आया। अन्ततोगत्वा वही हुआ जो वहां के अलगाववादी, आतंकवादी हिजबुल और जेकेएल?फ़ चाहते थे। कश्मीरी पंडित पूर्व की घटनाओं, घरों पर नोटिस चिपकाए जानें और बेहिसाब कत्लेआम से घबराकर 19 जन. 1990 को हिम्मत हार गए। फारुख अब्दुल्ला के कुशासन में आतंकवाद और अलगाववाद चरम पर आकर विजयी हुआ और इस दिन साढ़े तीन लाख कश्मीरी पंडित अपनें घरों, दुकानों, खेतों, बागो और संपत्तियों को छोड़कर विस्थापित होकर दर-दर की ठोकरें खानें को मजबूर हो गए। कई कश्मीरी पंडित अपनों को खोकर गए, अनेकों अपनों का अंतिम संस्कार भी नहीं कर पाए, और हजारों तो यहाँ से निकल ही नहीं पाए और मार-काट डाले गए। विस्थापन के बाद का जो दौर आया वह भी किसी प्रकार से आतताइयों द्वारा दिए गए कष्टों से कम नहीं रहा कश्मीरी पंडितों के लिए। वे सरकारी शिविरों में नारकीय जीवन जीनें को विवश हुए। हजारों कश्मीरी पंडित दिल्ली, मेरठ, लखनऊ जैसे नगरों में सनस्ट्रोक से इसलिए मृत्यु को प्राप्त हो गए क्योंकि उन्हें गर्म मौसम में रहनें का अभ्यास नहीं था। 40 वर्ष पूर्ण हुए किन्तु कश्मीरी पंडितों के घरों पर हिजबुल द्वारा नोटिस चिपकाए जानें से लेकर विस्थापन तक और विस्थापन से लेकर आज तक के समय में मानवाधिकार, मीडिया, सेमीनार, तथाकथित बुद्धिजीवी, मोमबत्ती बाज और संयुक्त राष्ट्र संघ सभी इस विषय में कमोबेश बोले या नहीं यह तो नहीं पता किन्तु इन कश्मीरी पंडितों की समस्या का कोई ठोस हल अब तक नहीं निकला। यह समूचे विश्व को पता है ये सच से मूंह मोड़ने और शुतुरमुर्ग होनें का ही परिणाम है कि कश्मीरियों के साथ हुई इस घटना को शर्मनाक ढंग से स्वेक्च्छा से पलायन बताया गया! इस घटना को राष्ट्रीय मनावाधिकार आयोग ने सामूहिक नर संहार माननें से भी इंकार किया; ये घोर अन्याय और तथ्यों की असंवेदी अनदेखी है!! नरेन्द्र मोदी सरकार कश्मीरी पंडितों के पुनर्वास हेतु प्रतिबद्ध है ।

आलेख

स्वामित्व योजना के तहत बनाए गए संपत्ति कार्ड द्वारा सह-स्वामित्व के माध्यम से महिलाओं का सशक्तिकरण

सुशील कुमार लोहानी

18 जनवरी, 2025 को लगभग 65 लाख स्वामित्व संपत्ति कार्डों का वितरण, ग्रामीण सशक्तिकरण और आर्थिक परिवर्तन की दिशा में भारत की यात्रा में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर है। यह पहल, संपत्ति के अधिकारों को मजबूत करने और समावेशी ग्रामीण विकास को बढ़ावा देने के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है। यह नागरिकों, विशेष रूप से महिलाओं और समाज के वंचित वर्गों को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो एक समृद्ध और विकसित भारत के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाता है। ऐतिहासिक रूप से, भारत में ग्रामीण महिलाएँ कृषि, घरेलू प्रबंधन और सामुदायिक जीवन का केंद्र रही हैं। उनके महत्वपूर्ण योगदान के बावजूद, प्रणालीगत बाधाओं ने उन्हें उस भूमि की कानूनी मान्यता से वंचित कर दिया है, जिस पर वे खेती करती हैं और जिसकी देखभाल करती हैं। इस असमानता ने महिलाओं की वित्तीय संसाधनों, अवसरों और स्वतंत्रता तक पहुँच को बाधित कर दिया है, जिससे आर्थिक और लैंगिक असमानताएँ अभी तक मौजूद हैं। स्वामित्व योजना आधिकारिक तौर पर महिलाओं को भूमि के सह-स्वामी के रूप में मान्यता देकर इस आख्यान को नया रूप दे रही है। यह परिवर्तनकारी पहल, महिलाओं को पारिवारिक संपत्ति में समान हिस्सेदारी की सुविधा देती है तथा उन्हें आर्थिक और सामाजिक रूप से सशक्त बनाती है। यह लैंगिक समानता को आगे बढ़ाने और ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं की वित्तीय स्वतंत्रता को बढ़ावा देने में एक महत्वपूर्ण कदम है। ग्रामीण भारत में, भूमि स्वामित्व वित्तीय मूल्य से परे है – यह सामाजिक स्थिति और सुरक्षा का प्रतिनिधित्व करता है। संपत्ति के अधिकार के बिना, महिलाओं को अक्सर वित्तीय अस्थिरता, विस्थापन और घरेलू हिंसा का सामना करना पड़ता है। कानूनी भूमि अधिकार प्रदान करके, स्वामित्व योजना महिलाओं को भूमि उपयोग, पहुँच और संसाधनों के संबंध में सुरक्षा और निर्णय लेने की शक्ति प्रदान करती है। योजना के सबसे प्रभावशाली परिणामों में से एक है – महिलाओं को मिली वित्तीय स्वतंत्रता। भूमि स्वामित्व ऋण, क्रेडिट और बीमा जैसी वित्तीय सेवाओं तक पहुँच को सक्षम बनाता है, जो पहले औपचारिक भू-स्वामित्व के बिना संभव नहीं थे। यह पहुँच महिलाओं को अपने परिवार के भविष्य में निवेश करने और वित्तीय स्थिरता स्थापित करने की सुविधा देती है। संपत्ति में महिलाओं को सह-स्वामियों के रूप में शामिल करने से, ग्रामीण महिलाओं के पास अब ऋण प्राप्ति के लिए गिरवी के रूप में अपनी भूमि का उपयोग करने की क्षमता है। उदाहरण के लिए, महाराष्ट्र के पुणे जिले में स्थानीय अधिकारियों ने महिलाओं को संपत्तियों का सह-स्वामी बनने के लिए सक्रिय रूप से प्रोत्साहित किया। परिणामस्वरूप, महिलाओं द्वारा संयुक्त रूप से या पूर्ण स्वामित्व वाली आवासीय संपत्तियों का प्रतिशत आश्चर्यजनक रूप से 16% से बढ़कर 88% हो गया। इस बदलाव ने महिलाओं को ऋण प्राप्त करने, व्यवसाय शुरू करने और वित्तीय स्वतंत्रता प्राप्त करने के साथ-साथ संपत्ति विवादों को कम करने और आर्थिक स्थिरता को बढ़ाने के प्रति सशक्त बनाया है। इसी तरह, मध्य प्रदेश में, राज्य के भू राजस्व संहिता के तहत सह-स्वामी के रूप में महिलाओं को शामिल करने के परिवर्तनकारी प्रभाव हुए हैं। हरदा की श्रीमती शालिया सिद्दीकी जैसी महिलाओं ने बताया कि स्वामित्व योजना के तहत संपत्ति कार्ड प्राप्त करने से कैसे उनकी भूमि सुरक्षित हुई और उनके अधिकारों की रक्षा के लिए कानूनी समर्थन प्राप्त हुआ। इस सशक्तिकरण ने ऋण, कृषि सहायता और अन्य वित्तीय संसाधनों तक पहुँच को सक्षम किया है, जिससे उनके जीवन की गुणवत्ता में काफी सुधार हुआ है। वित्तीय और कानूनी सशक्तिकरण से परे, यह योजना एक महत्वपूर्ण सामाजिक उपलब्धि है। कई महिलाओं के लिए, संपत्ति का स्वामित्व परिवारों और समुदायों में सुरक्षा, मान्यता और अपनेपन की भावना को बढ़ावा देता है। यह उन सांस्कृतिक मानदंडों को चुनौती देता है, जिन्होंने ऐतिहासिक रूप से महिलाओं को संपत्ति से संबंधित निर्णय लेने की प्रक्रिया से बाहर रखा है। इस योजना के जरिये महिलाओं को घरेलू और सामुदायिक शासन में सक्रिय भूमिका निभाने में सक्षम बनाया गया है। भूमि अधिकारों को सुरक्षित करके, स्वामित्व योजना गहरी जड़ें जमाए लैंगिक पूर्वाग्रहों का समाधान करती है ।

जैव विविधता का महत्त्वपूर्ण हिस्सा पेंगुइन

योगेश कुमार गोयल

पेंगुइन ऐसा खूबसूरत पक्षी है जो पंखों के बावजूद उड़ नहीं पाता लेकिन पानी में बेहद तेज तैराक होता है। माना जाता है कि पेंगुइनों ने लाखों वर्ष पहले उडऩे की क्षमता खो दी थी। शक्तिशाली फ्लिपर्स और सुव्यवस्थित शरीर उन्हें बहुत अच्छा तैराक बनाते हैं। यह सबसे तेज तैरने और सबसे गहरा गोता लगाने वाली पक्षी प्रजाति है। वर्तमान में जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण तथा मानव गतिविधियों के कारण इस खूबसूरत पक्षी की कई प्रजातियां भी संकटग्रस्त हैं। दुनिया भर में पेंगुइन की कुल 18 प्रजातियां पाई जाती हैं, जो स्फेनिस्कीनाई उप-परिवार के अंतर्गत आती हैं। इनमें एडेली पेंगुइन', दक्षिणी रॉकहॉपर पेंगुइन' और मैकरोनी पेंगुइन' प्रमुख रूप से शामिल हैं। पेंगुइन की 18 प्रजातियों में से 11 प्रजातियां अब संकटग्रस्त अथवा विलुप्तप्राय- की श्रेणी में आती हैं। पेंगुइन की आबादी प्रति वर्ष खतरनाक दर से घट रही है, और दुनिया के अधिकांश लोग इस बात से इसीलिए अनजान हैं क्योंकि उन्हें अपने प्राकृतिक आवास में पेंगुइन देखने को नहीं मिलते। पेंगुइन की 72 प्रतिशत प्रजातियों की आबादी घट रही है, और 5 प्रजातियां लुप्तप्राय मानी जाती हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि बेहतर सुरक्षा और संरक्षण उपायों को लागू नहीं किया गया तो इन प्रजातियों के विलुप्त होने का खतरा है। आईयूसीएन ने पेंगुइन की अनेक प्रजातियों को संकटग्रस्त की श्रेणी में सूचीबद्ध किया है। यही कारण है कि पेंगुइन की सुरक्षा के लिए विभिन्न अंतरराष्ट्रीय और स्थानीय संगठन प्रयासरत हैं, और 2000 से प्रति वर्ष 20 जनवरी को पेंगुइन जागरूकता दिवस' भी मनाया जा रहा है, जिसका उद्देश्य पेंगुइन के संरक्षण और उनके आवासों की सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। यह दिवस पेंगुइन संरक्षण को बढ़ावा देने के प्रयास में पेंगुइन के आवासों की सुरक्षा पर जोर देता है। जलवायु परिवर्तन के चलते बर्फ की चादर पिघलने और समुद्री तापमान में वृद्धि होने के कारण पेंगुइन के प्रजनन स्थल और भोजन के स्रोत प्रभावित हो रहे हैं। विषाक्त प्लास्टिक, मछली पकडऩे, तेल रिसाव, आवास विनाश और पर्यटन जैसी तेजी से बढ़तीं मानवीय गतिविधियों के कारण भी पेंगुइन के आवासों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। समुद्र में लेर्पड सील' और ऑर्का जैसे शिकारी भी पेंगुइन के लिए खतरा बनते हैं। पेंगुइन अपने बच्चों को अंटार्कटिका की बर्फ पर पालते हैं, लेकिन जलवायु परिवर्तन के कारण वे खतरे में हैं। अमेरिका में %सेंटर फॉर बायोलॉजिकल डायर्वसटि' के जलवायु विज्ञान निदेशक शाय वुल्फ का कहना है कि पेंगुइन का अस्तित्व इस पर निर्भर करता है कि जलवायु परिवर्तन के खिलाफ सरकार क्या ठोस कदम उठाती है। अमेरिकी सरकार का मानना है कि जलवायु परिवर्तन इन पक्षियों के असफल प्रजनन का बड़ा कारण बन रहा है। वेडेल सागर में हैलीबे कॉलोनी दुनिया में एम्परर पेंगुइन की दूसरी सबसे बड़ी कॉलोनी है। इस कॉलोनी ने कई वर्षों तक समुद्री बर्फ की खराब स्थिति का सामना किया है। ऐसे में 2016 में सभी नवजात चूजे डूब गए थे, जिससे इनकी कॉलोनी को बहुत नुकसान हुआ था। इसीलिए अमेरिकी सरकार चेतावनी दे चुकी है कि एम्परर पेंगुइन को %अर्जेंट क्लाइमेट एक्शन' की सख्त जरूरत है। हालांकि वाइल्ड लाइफ एजेंसी' का कहना है कि पिछले 40 वर्षों के उपग्रह डेटा और अन्य सबूतों की जांच से सामने आया है कि पेंगुइन पर फिलहाल विलुप्त होने का तो खतरा नहीं है, लेकिन यदि तापमान इसी तरह बढ़ता रहा तो वह दिन भी दूर नहीं है। %वाइल्ड लाइफ एजेंसी' द्वारा इस पक्षी को पर्यावरण समूह, सेंटर फॉर बायोलॉजिकल डायर्वसटि द्वारा 2011 में लगाई गई एक याचिका की मदद लेकर %ए डेंर्जड स्पीशीज एक्ट' के तहत रखा गया है। बहरहाल, बढ़ते तापमान के कारण समुद्री बर्फ पिघल रही है, जिससे पेंगुइन की प्रजनन और भोजन खोजने की क्षमता प्रभावित हो रही है। समुद्रों में प्लास्टिक और अन्य प्रदूषण पेंगुइन के लिए बड़ा खतरा बन रहे हैं। पेंगुइन अक्सर प्लास्टिक को भोजन समझ कर निगल लेते हैं, जिससे उनकी मृत्यु हो जाती है। अत्यधिक मछली पकडऩे के कारण पेंगुइन के लिए भोजन की उपलब्धता कम हो रही है। पर्यावरणविद् जलवायु परिवर्तन के कारण अंटार्कटिका में रहने वाले एम्परर और एडेली पेंगुइन को लेकर तो बेहद चिंतित हैं क्योंकि उनका मानना है कि दो डिग्री तापमान परिवर्तन के साथ इन्हें आवास की गंभी समस्या का सामना करना पड़ सकता है। जलवायु परिवर्तन के चलते बर्फ की चादर पिघलने और समुद्री तापमान में वृद्धि होने के कारण पेंगुइन के प्रजनन स्थल और भोजन के स्रोत प्रभावित हो रहे हैं। विषाक्त प्लास्टिक, मछली पकडऩे, तेल रिसाव, आवास विनाश और पर्यटन जैसी तेजी से बढ़तीं मानवीय गतिविधियों के कारण भी पेंगुइन के आवासों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। समुद्र में लेर्पड सील' और ऑर्का जैसे शिकारी भी पेंगुइन के लिए खतरा बनते हैं। पेंगुइन अपने बच्चों को अंटार्कटिका की बर्फ पर पालते हैं, लेकिन जलवायु परिवर्तन के कारण वे खतरे में हैं। अमेरिका में %सेंटर फॉर बायोलॉजिकल डायर्वसटि' के जलवायु विज्ञान निदेशक शाय वुल्फ का कहना है कि पेंगुइन का अस्तित्व इस पर निर्भर करता है कि जलवायु परिवर्तन के खिलाफ सरकार क्या ठोस कदम उठाती है। अमेरिकी सरकार का मानना है कि जलवायु परिवर्तन इन पक्षियों के असफल प्रजनन का बड़ा कारण बन रहा है। वेडेल सागर में हैलीबे कॉलोनी दुनिया में एम्परर पेंगुइन की दूसरी सबसे बड़ी कॉलोनी है। इस कॉलोनी ने कई वर्षों तक समुद्री बर्फ की खराब स्थिति का सामना किया है।पेंगुइन न केवल पृथ्वी की जैव विविधता का महत्त्वपूर्ण हिस्सा हैं, बल्कि समुद्री खाद्य श्रृंखला का भी महत्त्वपूर्ण अंग हैं, जो समुद्री पारिस्थितिक तंत्र का स्वास्थ्य बनाए रखने में मदद करते हैं। काले और सफेद रंग के उडऩे में असमर्थ पंख वाले खूबसूरत पेंगुइन पृथ्वी के सबसे प्यारे और अद्भुत जीवों में शुमार हैं, इसलिए उनकी सुरक्षा के लिए सामूहिक प्रयास किए जाने जरूरी हैं ताकि आने वाली पीढियां भी इन अद्वितीय पक्षियों की सुंदरता और विशिष्टता का आनंद ले सकें।

आप पार्टी तो अपना रिपोर्ट कार्ड पेश नहीं करेगी

नीरज कुमार दुबे

आप देख रहे होंगे कि आजकल अरविंद केजरीवाल रोज प्रेस के सामने आकर बड़ी बड़ी बातें कर रहे हैं लेकिन आंकड़े बता रहे हैं कि पिछले पांच सालों में इन्होंने कुछ काम नहीं किया और सारा वक्त प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा से लड़ने में बर्बाद कर दिया। दिल्ली विधानसभा चुनावों को एक बार फिर जीतने के लिए आम आदमी पार्टी पूरा जोर लगा रही है। आम आदमी पार्टी वोट मांगने के दौरान अपनी मुफ्त की रेवड़ियों के बारे में तो जनता को बता ही रही है साथ ही वह संविधान और लोकतंत्र की दुहाई भी दे रही है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि आम आदमी पार्टी की सरकार की ओर से दी गयी मुफ्त की सौगातें बड़ा छलावा साबित हुई हैं और लोकतंत्र तथा संविधान की मर्यादा का भी इस पार्टी की सरकार ने बिल्कुल ध्यान नहीं रखा। आप देख रहे होंगे कि आजकल अरविंद केजरीवाल रोज प्रेस के सामने आकर बड़ी बड़ी बातें कर रहे हैं लेकिन आंकड़े बता रहे हैं कि पिछले पांच सालों में इन्होंने कुछ काम नहीं किया और सारा वक्त प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा से लड़ने में बर्बाद कर दिया। जिस विधानसभा को दिल्ली के लोगों की समस्याओं का हल निकालना था उसको आम आदमी पार्टी ने मोदी सरकार के खिलाफप्रस्ताव पास करने का मंच बनाकर रख दिया। दिल्ली विधानसभा को किस तरह आम आदमी पार्टी ने अपने राजनीतिक स्वार्थों की पूर्ति का मंच बना कर रखा इसे आप इसी से समझ सकते हैं कि निवर्तमान विधानसभा ने पूरे पांच साल में मात्र 74 दिन ही कार्य किया। पांच साल में 1825 दिन होते हैं मगर इनमें से काम हुआ मात्र 74 दिन। हम आपको बता दें कि यह दिल्ली की विधानसभा के अब तक के सबसे कम कार्य दिवस का रिकॉर्ड है। इसके अलावा बड़ी-बड़ी बातें करने वाली आम आदमी पार्टी की सरकार ने पूरे पांच साल में मात्र 14 विधेयक पारित किये। यानि दिल्ली की विधानसभा ने अपने इतिहास में पांच साल में सबसे कम विधेयक पारित करने का रिकॉर्ड भी बनाया है। खास बात यह रही कि यह जो 14 विधेयक पारित हुए उनमें से पांच विधायकों के भत्ते, सुविधाएं और उन्हें मिलने वाली सैलरी से संबंधित थे। साथ ही दिल्ली के विधायकों के कामकाज का आकलन इसी से लगाया जा सकता है कि 2020 से 2025 तक विधायकों ने विधानसभा में सालाना आधार पर औसत 219 प्रश्न ही पूछे। इसके अलावा आम आदमी पार्टी के शासन में विधानसभा में जिस दिन भी कार्यवाही हुई वह औसतन मात्र तीन घंटे तक चली। इसके अलावा विधानसभा के 74 कार्य दिवसों में से मात्र नौ दिन ही प्रश्नकाल हुआ। यही नहीं, आम आदमी पार्टी की सरकार ने कभी विधानसभा का सत्रावसान भी नहीं किया ताकि जब चाहें विधानसभा की बैठक बुला सकें और वहां से राजनीतिक बयानबाजी कर सकें। दरअसल विधानसभा का सत्रावसान होने पर सत्र को दोबारा आहूत करने के लिए उपराज्यपाल की अनुमति चाहिए होती है और उन्हें सदन की बैठक बुलाने का कारण भी बताना होता है। आम आदमी पार्टी को लगता था कि यदि उपराज्यपाल ने बैठक बुलाने की अनुमति नहीं दी तो कैसे अपने राजनीतिक हित सधेंगे इसलिए वह कभी सत्रावसान करते ही नहीं थे। यही नहीं, विधानसभा में सीएजी की जो रिपोर्टें प्रस्तुत की जानी थीं वह भी नहीं की गयीं। जहां तक आम आदमी पार्टी की सरकार की ओर से बांटी जाने वाली मुफ्त रेवड़ियों की बात है तो उसकी सच्चाई यह है कि जनता को जितना दिया नहीं गया उतना हर योजना में घोटाला हो गया है। यह घोटाले भी प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष तरीके के हैं। मसलन एक दारू की बोतल पर दूसरी बोतल फ्री दी गयी लेकिन शराब नीति के जरिये घोटाला करके दिल्ली के सरकारी खजाने को हजारों करोड़ रुपए का चूना लगा दिया गया। जनता को 200 यूनिट बिजली फ्री देने की बात की गयी लेकिन एक यूनिट फालतू होते ही भारी भरकम बिजली बिल भेजे गये। जनता को 700 लीटर पानी फ्री देने की बात हुई लेकिन लोगों के भारी भरकम पानी के बिल आये। खास बात यह रही कि पानी का बिल तो हर महीने आ गया लेकिन नल से जल हर रोज नहीं आया और जहां जहां नल से जल आया वह गंदा आया। इसके अलावा प्रदूषण से निबटने की कोई स्थायी और प्रभावी योजना नहीं होने के चलते दिल्ली इतनी प्रदूषित हो गयी कि लोगों को तमाम तरह की स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां हो गयी हैं। अक्सर बुजुर्गों को होने वाली सांस की बीमारी दिल्ली के बच्चों को भी हो गयी है। दिल्ली में पवित्र यमुना नदी को गंदा नाला बनने से रोकने में आम आदमी पार्टी की सरकार पूरी तरह विफल रही। दिल्ली में यमुना का जल इतना प्रदूषित है कि त्योहारों पर श्रद्धालु अगर पानी में चले जायें तो उन्हें चर्म रोग हो जाते हैं और इस पानी का शोधन करने में मशीनों के हाथ पांव फूल जाते हैं। यही नहीं, दिल्ली की सरकार अपने शिक्षा मॉडल का ढिंढोरा खूब पीटती है लेकिन अपने अब तक के कार्यकाल में वह एक भी नया स्कूल, एक भी नया कॉलेज या एक भी नया अस्पताल नहीं बना सकी है। दिल्ली में जल निकासी की व्यवस्था इतनी खराब है कि बारिश आने पर बेसमेंट में पानी भर जाने से छात्र डूब कर मर जाते हैं।

दैनिक
विश्व परिवार
रायपुर/धर्म समाज/देश
रायपुर, शुक्रवार 24 जनवरी 2025
www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

अंर्तयात्री महापुरुष आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज का जीवन परिचय

जन्म का नाम	-	विद्याधर अष्टगे
जन्म स्थान	-	सदलगा, जिला- बेलगांव (कर्नाटक)
जन्म तिथि	-	शरद पूर्णिमा 10 अक्टूबर 1946
पिता	-	श्री मल्लप्पा अष्टगे
माता	-	श्रीमती श्रीमंती जी अष्टगे
मातृभाषा	-	कन्नड़
शिक्षा माध्यम	-	कन्नड़

1 से 6 फरवरी 2025 तक मनाया जाएगा आचार्य श्री का प्रथम स्मृति पर्व

आपने 22 वर्ष की युवा अवस्था में आषाढ़ शुक्ल पंचमी 30 जून 1968 अजमेर (राजस्थान) में महाकवि दिगम्बराचार्य श्री 108 ज्ञानसागर जी महाराज से दिगम्बर मुनि की दीक्षा धारण की, आपने अल्प समय में ही ज्ञान आराधना, तप आराधना कर एक उत्कृष्ट आदर्श प्रस्तुत किया। आपकी श्रेष्ठ साधना एवं चर्या को देखकर गुरु आचार्य श्री 108 ज्ञानसागर जी महाराज ने 22 नबम्बर 1972 को नसीराबाद (अजमेर) राजस्थान में अपना आचार्य पद प्रदान किया।

आप कन्नड़, मराठी, हिन्दी, प्राकृत संस्कृत, अपभ्रंश, अंग्रेजी, बांग्ला भाषाओं के ज्ञाता एवं साहित्यकार हैं। आपने 56 वर्षीय साधनाकाल की स्वर्णिम यात्रा में अनेकों मील के पत्थर स्थापित किये हैं। आपने आत्म साक्षात्कार की गहन समाधि में 24, 30, 36, 44 घंटे तक लीन रहकर आत्म शक्तियों को जागृत किया है। आप आत्मानुशासन में दत्तचित्त और चर्या में केन्द्रित लोकानुशासन के आदर्श महापुरूष हैं। आप सर्व के प्रति एक निर्लक्ष्य, निस्वार्थ, आत्महिती, प्रेम दृष्टि रखते हैं। आपके चुम्बकीय व्यक्तित्व से प्रभावित होकर महामहिम राष्ट्रपति एवं प्रधानमंत्री से लेकर गृहमंत्री, रक्षामंत्री, मानव संसाधन मंत्री, लोक सभा अध्यक्ष आदि और अनेक राज्यपाल, मुख्यमंत्री आदि सानिध्य पा कर आपके उपदेश संदेश राष्ट्रहित चितंन से उपकृत हुये हैं।

आप आचार्यत्व की साधना से अहंकार को गलाकर आत्मकाम में लीन तथा आप्तकाम के ध्येयी गुरूवर के प्रशांत प्रसन्न सहज स्वरूप के दर्शन कर अनेक भव्य आत्मायें भौतिकता की चकाचौंध से उदासीन हुई हैं, और जिनकी युवा देह की देहली पर भोग हार कर लौट गया। ऐसे 131 आधुनिक ज्ञान डिग्रीधारियों ने आपसे बाल ब्रह्मचारी का प्राकृतिक रूप दिगम्बर श्रमण पढ़ को धारण कर लिया एवं 172 युवतियों ने लौकिक डिग्रियों को तिलान्जली देकर बाल ब्राह्मी साध्वी स्वरूप को स्वीकारा है और लगभग 1000 बाल ब्रह्मचर्य को धारण करने वाले युवक-युवतियां आपको अपना गुरु मानकर मोक्ष मार्ग में साधना रत हुये हैं। आपने मूकमाटी महाकाव्य रचना की है और 22 प्राचीन प्राकृत एवं संस्कृत ग्रंथों का हिन्दी में पद्यानुवाद किया है, 6 संस्कृत शतक एवं 12 हिन्दी शतक की रचना की है। एक चम्पू काव्य संस्कृत में लिखा है। आपने संस्कृत एवं हिन्दी में सहस्राधिक जापानी काव्य हाइकु की रचना की है।

आप राष्ट्र हित चिन्तक संत शिरोमणि के रूप में प्रसिद्ध हुये हैं। आपके प्रसिद्ध चिंतन इस प्रकार है (1) भारत में भारतीय शिक्षण पद्धति लागू हो (2) अंग्रेजी नहीं भारतीय भाषा में व्यवहार हो (3) छात्र-छात्राओं की शिक्षा पृथक-पृथक हो (4) विदेशी गुलामी का प्रतीक इंडिया नहीं हमें गौरव का प्रतीक भारत नाम देश का चाहिये (5) नौकरी नहीं व्यवसाय करो (6) चिकित्सा व्यवसाय नहीं सेवा है (7) स्वरोजगार को संवर्धित करो (8) बैंकों के भ्रम जाल से बचो और बचाओ (9) जैविक खेतीबाड़ी सर्वश्रेष्ठ (10) हथकरघा स्वावलम्बी बनने का सोपान है (11) भारत की मर्यादा साड़ी है (12) गौशालाएं जीवित कारखाना हैं (13) मांस निर्यात देश पर कलंक है (14) शत प्रतिशत मतदान हो (15) भारतीय प्रतिभाओं का पलायन रोका जाये आदि।

आचार्य श्री जी की प्रेरणा से 5 तीर्थों की स्थापना हुई, 12 पाषाण जिनालयों का निर्माण हुआ एवं 5 तीर्थों का जीर्णोद्धार हुआ। आपकी दिव्य दया के अनेकों सत्कार्य समाज में प्रतिफलित हो रहे हैं।

ऐसे युग श्रेष्ठ संत आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज ने अपने जीवन की संध्या में मृत्यु को जीतने के लिए चन्द्रगिरि तीर्थ डोंगरगढ़, छत्तीसगढ में 27 दिसम्बर 2023 को सल्लेखना साधना प्रारंभ की और 17 फरवरी 2024 की रात्रि 2:35 पर मृत्युंजयी बनकर समाधी में लीन हो गए।

मुनि श्री समता सागर जी महाराज ससंघ का समाधि स्थल चंद्रगिरी डोंगरगढ़ की ओर विहार

गोंदिया (विश्व परिवार)। संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागरजी महामुनिराज के निर्यापक श्रमण मुनि श्री समतासागर जी महाराज ससंघ के कदम आचार्य गुरुदेव के प्रथम समाधि स्थल चंद्रगिरी डोंगरगढ़ की ओर लगातार बड़ रहे हैं। प्रवक्ता अविनाश जैन विद्यावाणी ने बताया कि वारासिवनी में पंचकल्याणक के पश्चात उनका आगमन महाराष्ट्र के गोंदिया नगर में हुआ। यहां पर रामदेवनगर में दो दिवसीय वेदीप्रतिष्ठा महोत्सव दिनांक 23 एवं 24 जनवरी को संपन्न होंने जा रहा है। तत्पश्चात मंगल विहार चंद्रगिरी डोंगर गड़ की ओर होगा यंहा पर आचार्य गुरुदेव का प्रथम समाधि स्मृति महा महोत्सव 1 फरवरी 2025 से 6फरवरी 2025 तक श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान के साथ आचार्य भगवन् श्री समयसागर जी महा मुनिराज के आशीर्वाद से निर्यापक श्रमण मुनिश्री समतासागर महाराज, मुनि श्री पवित्रसागर महाराज, मुनिश्री आगमसागर महाराज, मुनिश्री पुनीतसागर महाराज, ऐलक श्री निश्चयसागर महाराज ऐलक श्री धैर्यसागर महाराज, ऐलक श्री निजानंदसागर महाराज सहित अन्य मुनि गण तथाआर्यिका श्रैष्ठ गुरुमति माताजी स संघ, आर्यिका रत्न दृढ़मति माताजी ससंघ, आर्यिका रत्न आदर्शमति माताजी ससंघ आर्यिका रत्न वैराग्यमति माताजी ससंघ आर्यिका रत्न विलक्षणमति माताजी ससंघ आर्यिका अंतरमती माता जी ससंघ, आर्यिका आराध्यामति माता जी ससंघ एवं अन्य मुनिसंघ एवंआर्यिका संघ के साथ मंगल सानिध्य मिलने जा रहा है।

-अविनाश जैन

भारतवर्षीय तीर्थक्षेत्र कमेटी को गुल्लक तैयार कर रही है आपका गुडलक : भावलिंगी संत श्रमणाचार्य श्री विमर्श सागर जी मुनिराज

दिल्ली के जिन मंदिरों की वन्दनार्य निकल चुके हैं भावलिंगी संत ससंघ (37 फीढ़ी

दिल्ली (विश्व परिवार)। मनुष्य जीवन अंगूरों का बगीचा है, इसे सच्चे देव-शास्त्र-गुरु के भक्ति रूपी जल से सिंचित किया जाता है। जो विवेकी जीव इस बगीचे को सींचते रहते हैं उनकी अनादि की क्षुदा शांत हो जाती है। बन्धुओ। अभी तो आप भोजन की क्षुदा को ही क्षुदा मानते हैं इसीलिए आप उसे ही शान्त करने का पुरुषार्थ करते रहते हो, लेकिन मैं सच कहूँ यह जीव अनादि से जिस क्षुदा से पीड़ित है वह क्षुदा है सिद्धत्व को प्राप्त करने की क्षुदा निर्ग्रन्थ मुनिराज आपको सिद्धत्व की इस असली क्षुदा से परिचय कराते हैं। राजधानी दिल्ली महानगर के ऋषभविहार में प्रवासरत आचार्य भगवन श्री विमर्श सागर जी महामुनिराज ने विशाल जनसमुदाय के मध्य अपने मांगलिक उद्बोधन में कहा ।

आचार्य श्री ने कहा - यदि हम अपने जीवन बगीचे को भक्ति जल से अभिसिंचित नहीं करेंगे तो निश्चित ही हमारा यह बगीचा सूखकर मुरझा जाएगा, नष्ट हो जाएगा। आज भले ही हम कृष्णानगर को छोड़कर यहाँ आ गये हैं लेकिन आप भी पक्के माली हो, जो अपने जीवन बगीचे को गुरुभक्ति जल से सींचने चले आ रहे हो।

मैं आज कहना चाहूँगा कि आप स्वयं तीर्थ बनें और इस धरती पर स्थित अचेतन तीर्थ एवं चलते-फिरने चेतन तीर्थ निर्ग्रंथ नपोधनों की रक्षा में आगे आयें। आपका एक छोटा-सा प्रयास ही इस धरा को तीर्थ बनाये रखने के लिए बहुत बड़ा योगदान होगा ।

भारत वर्षीय तीर्थक्षेत्र कमेटी के द्वारा गुल्लक योजना चलायी जा रही है। ध्यान रहे, यह गुल्लक योजना आपको आर्थिक सहयोग के साथ-साथ तीर्थों के प्रति भावनात्मक दृष्टि से भी जोड़ने सरल - सहज उपाय है। हमें चाहिए कि हम अधिक से अधिक संख्या में तीर्थों की वंदना करें तीर्थों पर स्वयं पहुंचे और गुल्लक योजना के तहत पहुंचाये। तीर्थक्षेत्र कमेटी की यह गुल्लक आपके भाग्य को गुड-लक बनाने कारगार सिद्ध होगी। देखा जाए तो यह सम्पूर्ण धरा ही तीर्थ भूमि है क्योंकि ढ़ाईद्वीप का कोई भी स्थान ऐसा नहीं है जहाँ से किसी भव्यात्मा ने सिद्ध पद प्राप्त न किया हो। **-हर्ष जैन**

22वें जैन तीर्थंकर नेमि मोक्षस्थल गिरनार की धर्म पदयात्रा में 22 कदम चलोगे तो 22 लाख कदम की भावना बनेगी : पूज्य आचार्य श्री वसुनंदी जी महाराज

दिल्ली से टूंडला और फिरोजाबाद होकर गिरनार जी जाने वाली 101 दिवसीय 1500 किमी लंबी धर्म पद यात्रा के लिए श्री दिगंबर जैन परिषद, फिरोजाबाद और टूंडला जैन समाज का पूर्ण समर्थन: विश्व जैन संगठन

दिल्ली (विश्व परिवार)। बलबीर नगर, दिल्ली से आदिनाथ भगवान के जन्म तप कल्याणक के अवसर पर 23 मार्च 2025 को आरंभ होने वाली 1500 किमी लंबी प्रथम धर्म पद यात्रा के लिए 23 जनवरी 2025 को फिरोजाबाद के जलसा बैंकेट हाल में प्रमुख संस्था श्री दिगंबर जैन परिषद कार्यकारिणी द्वारा विश्व जैन संगठन के पदाधिकारियों की उपस्थिति में विशेष समर्थन सभा का आयोजन।

संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय जैन ने समर्थन सभा को संबोधित करते हुए धर्म पद यात्रा के माध्यम से जैन समाज को आपस में जोड़ने और नेमि मोक्षकल्याणक दिवस पर 2 जुलाई 2025 को गिरनार जी के दर्शन के उद्देश्य के साथ बताया कि बड़ा मंदिर जी, बड़ा मोहल्ला, फिरोजाबाद में पंचकल्याणक के लिए ससंघ विराजमान पूज्य आचार्य श्री वसुनंदी जी महाराज ने संगठन को मंगल आशीर्वाद और मार्गदर्शन दिया और समस्त जैन समाज को 22वे जैन तीर्थंकर नेमिनाथ भगवान की मोक्ष स्थल के लिए पद यात्रा में 22 कदम चलकर 22 हजार और 22 लाख की भावना बनाने के लिए प्रेरित किया।

संगठन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष यश जैन, कोषाध्यक्ष मयंक जैन और सम्मानित सदस्य निपुण जैन, लक्ष्मी नगर, महिला प्रकोष्ठ संयोजिका रुचि जैन और सजग सेवा संस्थान, दिल्ली की राष्ट्रीय अध्यक्षा प्रिया जैन ने फिरोजाबाद जैन समाज की सर्वोच्च संस्था श्री दिगंबर जैन परिषद द्वारा जलसा बैंकेट हाल में आयोजित विशेष समर्थन सभा में परिषद के अध्यक्ष श्री विनोद जैन मिलेनियम को संगठन की और से पत्र सौंपा।

समर्थन सभा को संबोधित करते हुए परिषद के अध्यक्ष श्री विनोद जैन मिलेनियम, ललतेश जैन अध्यक्ष श्री चंद्रप्रभ अतिशय क्षेत्र कमेटी और महावीर जैन मुन्ना बाबू छदमी लाल धर्मशाला ट्रस्टी और अजय जैन एडवोकेट ने पद यात्रा में पूर्ण समर्थन के लिए आश्वासन दिया जिसकी अनुमोदना करते हुए मुकेश जैन वैभव नगर, अरुण जैन पीली कोठी, प्रमोद जैन सोनल, राहुल जैन सिटीजन, राजेंद्र प्रसाद जैन (राजू डेकोरेटर), राजेश जैन चौधरी, सम्भव प्रकाश जैन, अमित जैन राजा, विशेष जैन और आगरा से आए अनंत जैन व अन्य सदस्यों ने सुझाव दिए और सभी ने विस्तृत चर्चा की।

संगठन की महिला प्रकोष्ठ संयोजिका रुचि जैन और सजग सेवा संस्थान से प्रिया जैन ने महिलाओं को पद यात्रा में शामिल होने का आह्वान किया। संगठन के संरक्षक श्री अचल जैन, मंत्री राजीव जैन, सम्मानित सदस्य अमित जैन, बलबीर नगर दिल्ली ने बताया कि आज 23 जनवरी को टूंडला में जैन समाज के मंत्री पाण्डेय श्री जयंत कुमार जैन और राजा का ताल जैन मंदिर जी, फिरोजाबाद में कार्यकारिणी द्वारा धर्म पद यात्रा के लिए समर्थन सभा का आयोजन कर संगठन के पदाधिकारियों को सुझाव देते हुए यात्रा में पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। **-आकाश जैन**

शान्ति विधान जीवन में कल्याणकारी-ब्र. मनोज भैया

जैन मंदिरों में हुआ सम्पूर्ण अनिष्ट निवारण शान्तिविधान, श्रद्धालुओं ने किए अर्घ समर्पित

ललितपुर (विश्व परिवार)। नगर के जैन मंदिरों में सम्पूर्ण विश्व में अनिष्ट निवारण सुख समृद्धि की कामना को लेकर शान्तिविधान का आयोजन हुआ जिसमें सैकड़ों की संख्या में श्रावकों ने पूजन अभिषेक कर अर्घ समर्पित किए।

मुख्य आयोजन पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन नया मंदिर में बालब्रहमचारी मनोज भैया के सानिध्य में हुआ जहां प्रभु अभिषेक के उपरान्त शान्तिधारा का पुर्याजन मनोज जैन जडीबूटी, अरविन्द कुमार अमित जैन चौधरी, अंकित चौधरी, पंकज जैन सुनवाहा, संतोष जैन धिसौली, मनोज जैन पंसारी, नवीन जैन जडीबूटी, सुमत जैन बडेरा, आनंद जैन कुडावनी, रवीन्द्र जैन चंदावली, पुष्पेन्द्र जेन मोदी, अशोक जैन भावननगर, चकेश जैन सिंघई, अरविन्द जैन पारौन परिवार, द्वारा किया गया। इस मौके पर ब्रहमचारी मनोज भैया ने शान्ति विधान को कल्याणकारी बताते हुए कहा यह विधान सुख के प्रसंग में सुख समद्धि की चिर स्थाई स्थिति के लिए कारण होता है वहीं दुख संकट में अनिष्ट निवारण के रूप में मार्ग प्रशस्त करता है। शान्ति विधान करने से श्रावक को कल्याण का मार्ग प्रशस्त होता है। जैन शास्त्रों में शान्तिविधान को जीवन में शान्ति का कारण बताया और इससे आत्मिक शान्ति की अनुभूति होती है। विधान में द्रव्य का पुर्ष्याजन अनिल अलया नवीन कुमार आशीष टडैया, विकास जैन खजुरिया, मनोज जैन चूडी, विमल जैन डुगारसा सौरभ टडैया परिवार ने किया। इस मौके पर प्रमुख रूप से जैन पंचायत अध्यक्ष डा0 अक्षय टडैया, महामंत्री आकाश जैन, मंदिर प्रबंधक जिनेन्द्र जैन रजपुरा मनीष जैन मीडिया प्रभारी अक्षय अलया मौजूद रहे।

नगर के अभिनंदनोदय तीर्थ क्षेत्रपाल मंदिर में पं. जयकुमार जैन सेरोन, जैन अटामंदिर में पं0 खेमचंद शास्त्री के मार्गदर्शन में शान्तिविधान का आयोजन हुआ इसके अतिरिक्त नगर के आदिनाथ जैन बडा मंदिर सरदारपुरा, आदिनाथ जैन मंदिर नईवस्ती, पार्श्वनाथ समोवशरण जैन मंदिर नईवस्ती, शान्तिनाथ मंदिर गांधीनगर, पार्श्वनाथ जैन मंदिर कालौनी, इलाइट जैन मंदिर, आदिनाथ मंदिर सिविल लाइन, चन्द्रप्रभु जैन मंदिर डोढाघाट, जैन मंदिर वाहुवलिनगर, मुनिसुव्रतनाथ जैन मंदिर ज्ञानोदय में शान्ति विधान का आयोजन हुआ जिसकी व्यवस्थाओं को संयोजित करने में जैन पंचायत के संयोजक सनत जैन खजुरिया, मंत्री कैप्टन राजकुमार जैन, कोषाध्यक्ष सौरभ जैन सीए मंदिर प्रबंधक मनोज जैन बबीना, अजय जैन गंगचारी, आनंद जैन भागनगर, अजित जैन गदयाना, विकास जैन सोरई. वीरचंद सराफ, प्रमोद जैन पाय, अभय जैन कैलगुवा, राजेन्द्र जैन सराफ, डी0के0जैन पवन जैन, संजय जैन ककडारी, सुवोध जैन मडावरा, सुनील सराफ, जितेन्द्रजैन राजू, सुवेन्दु जैन, विमल जैन पाय आदि प्रमुख रूप से संलग्न रहे।

पुणे पंच कल्याणक मार्च महीने में होगा धूमधाम से : डॉ. गंगवाल

पुणे/महाराष्ट्र (विश्व परिवार)। पुण्य नगरी पुणे का पंच कल्याणक मार्च महिने में बडी धूम धामसे संपन्न होने जा रहा हैं। इस पावन महोत्सव में प्रमुख द्वादश इंद्र के रूप मे शरीक होने का सौभाग्य मुझे डॉ कल्याण गंगवाल और मेरी धर्म पत्नी डॉ चंद्रकला कल्याण गंगवाल जी को मिला हैं। मैं पूरे जैन समाजका और चयन समिती का हृदयसे कृतज्ञ हू। साडे चारसो साल पुरानी पारस प्रभू की यह मुर्ती आतिशयकारी हैं। यह मेरे पुण्यका उदय था, मै प्रभू को पुराने गंज पेठ मंदिरसे पारस खाजा सोन्या मारुती मंदिर में सम्मान और आदर के साथ ले आया। यह वही पारस प्रभु है जिनके मैने दर्शन पहली बार पुणे में 1964 में यहा आने के बाद किये थे। मुझे विश्वास हैं यह पवित्र मंगल पंचकल्याणक महान आचार्य देवनंदी महाराज जी के निर्देशन में संपूर्ण विधीवत धार्मिकता और भक्तिमय वातावरण मे संपन्न होगा। मैं डॉ. कल्याण गंगवाल (पुणे) एक श्रावक के नाते करबद्ध बिनती करता हू आप सभी तन मन धन से जुड जाये। यह पवित्र महोत्सव ऐतीहासिक बनाने में सहयोग दें। **-अभिषेक अशोक पाटील**

आचार्य श्री विशुद्धसागर जी महाराज के आदर्श शिष्य विचित्र बातें प्रणेता मुनिश्री सर्वार्थ सागर जी महाराज का 34वॉ अवतरण दिवस

पंढरपूर/महाराष्ट्र (विश्व परिवार)। चर्या शिरोमणी आचार्य भगवन श्री विशुद्धसागर जी महाराज ससंघ के सानिध्य में 1 फरवरी 2025 से आढीव पंढरपूर में पंचकल्याणक महोत्सव प्रारंभ होने वाला हैं। नांदणी के युवा और मुनि श्री सर्वार्थसागर जी महाराज के परमभक्त श्री प्रथम मरसुते ने अवगत कराया कि, आचार्य विशुद्ध सागर जी महाराज द्वारा दीक्षित विचित्र बाते प्रणेता मुनी श्री सर्वार्थ सागर जी की प्रेरणा से विचित्र बातें आज जैन धर्म की अभूतपूर्व प्रभावना सोशल मीडिया के माध्यम से हो रही हैं। 34वें अवतरण दिवस के उपलक्ष्य में मुनिश्री सर्वार्थ सागर जी महाराज के गुणों के साथ उनके व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डालते हैं।

युवाओं के प्रेरणा पुंज, धरती के ऐसे देवता जो तन से विशुद्ध, मन से विशुद्ध, चर्या से विशुद्ध और चर्चा से विशुद्ध ऐसे वितराग आचार्य भगवन विशुद्ध सागरजी महाराज है। आचार्य विशुद्धसागरजी महाराज ये एक ऐसे संत है जिनकी आध्यात्म की गेहराई से सत्यार्थ का बोध होता है। ये ये एक ऐसे संत है जिनके चरणो में शीतलता मिलती है। जिनकी एक मुस्कुराहट से सारी थकान मीट जाती है। ये ऐसे संत है जिनके रोम रोम में णमोकार मंत्र की मेहक है।

विचित्र बाते प्रणेता श्रमण मुनी श्री सर्वार्थ सागर महाराज जी के आवतरण दिवस पर आइए जानते हैं उनके जीवन की कुछ खास बातें मुनि श्री सर्वार्थ सागर जी- आज से 34 वर्ष पूर्व वसंत की बहार में एक भावी संत का जन्म हुआ था, जिसको पाकर परिजन ही नही नगर का जन जन मुस्कुराया था और वह वसुधा थी पन्ना नगर के समीप बसे ग्राम सलेहा (मप्र) की। सौभाग्य शाली दंपत्ति श्रीमान प्रमोद जी जैन एवं श्रीमति सुशीला जी जैन के आंगन में फिर एक बार खुशियां छाई थी। 1 फरवरी 1991 को जब तीसरी संतान के रूप में पुत्र रत्न की प्राप्ति हुई थी, और उस सुंदर बालक का माता पिता ने नाम रखा अर्पित, भला उस समय कौन जानता था कि एक दिन अर्पित जिनशासन को समर्पित हो जाएगा, बड़े भाई और बड़ी बहिन का लाडला प्यारा छोटा भाई अर्पित बाल्यकाल से ही अत्यंत कुशाग्र बुद्धि का धनी था। घर के सभी काम अग्रणी होकर जो करते थे, चारों भाई बहन के खेल कूद हल चल से घर का वातावरण खुशियों से भरा रहता था।

यूं तो बालक अर्पित मंदिर जाता था लेकिन ज्यादा विशेष रुचि नहीं रहती थी, यूं ही समय बीतता गया और अर्पित के पिताश्री ने पढ़ाई के साथ धार्मिक संस्कारों से जुड़े रहें इसलिए ग्रेजुएशन करने खुरुई गुरुकुल में भेज दिया जहां से बीएस सी की लौकिक शिक्षा ग्रहण की और बड़े ही अच्छे से मित्र मंडली के मस्ती मजाक करते कॉलेज की पढ़ाई की।

पुन: घर आकर जो अपने पिता का व्यवसाय में सहयोग बड़े ही जिम्मेदारी से करने लगे लेकिन काल तो कुछ और सोच रहा थाज पुण्योदय से सलेहा (म. प्र)नगर जो प्रख्यात तीर्थ श्रेयांश गिरी सीरा पहाड़ की तलहटी भी कहलाता है। जहां विराजित है चतुर्थ कालीन श्री आदिनाथ भगवान जिनकी ऊर्जामई आभा जन जन के लिए मंगलकारी है। ऐसे तीर्थ राज पर गुरुओं का आगमन होता ही रहता था। और एक बार वहाँ पधारे आचार्य भगवन श्री विशुद्ध सागर जी महाराज। जिनकी वात्सल्य मई छवि और उनकी वाणी सुनकर धर्म की ओर मन मुड़ गया। युवा बालक अर्पित धर्म पथ का अनुकरण करने लगे। पहले जो कोई ज्यादा मंदिर आदि में रुचि नहीं रखता था अब वह बदल गया। शुभ योग से मुनि विनिस्चल सागर जी महाराज का चातुर्मास कराने का सौभाग्य सलेहा नगर को मिला और महाराज के नगर में होने से अर्पित की लगन और मजबूत होती चली गई और फल स्वरूप मुनि श्री की पुरानी पिच्छिका भी प्राप्त हो गई। फिर कुछ दिन का विहार कराने जो मुनिराज के साथ चल दिए और मुनि संघ पहुंचता है टीकमगढ़। जहां एक माह की ग्रंथ राज रत्नकरण्डक श्रावकाचार की वाचना हुई और अर्पित भाई ने गाथाओं को कंठस्थ किया। तभी वीरभूमि राजस्थान में विशाल युग प्रतिक्रमण का आयोजन हो रहा था जहां आचार्य विराग सागर जी महाराज सहित 250 पिच्छी विराजमान थी। **-अभिषेक अशोक पाटील**

राम और श्याम की नगरी रही है आरंग : ईश्वर प्रसाद मिश्रा

मोरध्वज की मार्मिक कथा सुनकर भावविभोर हुई महिलाएं

आरंग (विश्व परिवार)। आरंग के श्याम बाजार, भंडारी तालाब किनारे देवांगन परिवार द्वारा आयोजित श्रीमद्भागवत महापुराण ज्ञान यज्ञ सप्ताह में प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचकर कथा श्रवण कर रहे हैं। वही गुरुवार को कथावाचक ईश्वर प्रसाद मिश्रा ने राजा परीक्षित मोक्ष, तुलसी वर्षा की कथा बताया। साथ ही पौराणिक नगरी आरंग की महिमा बताते हुए कहा यह नगर प्राचीन काल से ही दानशीलता के लिए सुविख्यात है। मान्यता अनुसार त्रेता में भगवान श्रीराम और द्वापर में भगवान श्रीकृष्ण का यहां आगमन हुआ था।यह एक ऐसा पावन नगरी है जहां दोनो युगों में भगवान का आगमन हुआ।उन्होंने राजा मोरध्वज की मार्मिक कथा सुनाते हुए कहा कि द्वापर युग में महादानी राजा मोरध्वज की परीक्षा लेने स्वयं भगवान श्रीकृष्ण और अर्जुन इस नगर में पधारे थे। परीक्षा में राजा मोरध्वज और रानी पद्मावती द्वारा अपने पुत्र ताम्रध्वज को आरा से चिरकर भगवान श्रीकृष्ण को भेंट करने की मार्मिक कथा सुनकर महिलाएं भावविभोर हो गई।संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा पश्चात नगर भ्रमण के लिए शोभायात्रा निकाली गई। जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं व देवांगन परिवार के लोग शामिल हुए।

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

बस्तर संभाग

रायपुर शुक्रवार 24 जनवरी 2025

संक्षिप्त समाचार

नामांकन कक्षों का कलेक्टर जयवर्धन ने किया निरीक्षण

सूरजपुर(विश्व परिवार)। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री एस जयवर्धन ने आज नगरीय निर्वाचन 2025 अंतर्गत आवश्यक तैयारियों के संबंध में नाम-निर्देशन हेतु निर्धारित कक्षों का अवलोकन किया। इस दौरान कलेक्टर ने सभी कक्ष में रिटर्निंग अधिकारी और कार्य में लगे सहायक अधिकारियों-कर्मचारियों से निर्वाचन की तैयारियों की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने नाम-निर्देशन कक्ष में आवेदन जमा करने के दौरान प्रत्याशियों और आर.ओ. के बीच सुविधाजनक दूरी निर्धारित करने, सहयोगी कर्मचारियों द्वारा निर्धारित रजिस्टर का संधारण करने तथा प्रस्तावकों के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कलेक्टर ने नाम निर्देशन से जुड़े दस्तावेजों का बारीकी से जांच करने और पावती देने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देशित किया कि शपथ पत्र में कोई भी कालम न छुटे। कलेक्टर ने नाम-निर्देशन कक्ष में रिटर्निंग अधिकारी, सहायक रिटर्निंग अधिकारी तथा सहयोग हेतु अन्य अधिकारियों-कर्मचारियों के बैठने की व्यवस्था एवं उनके कार्यों का जायजा लिया। उन्होंने नामांकन के लिए आने वाले प्रत्याशियों और प्रस्तावकों को दी जाने वाली जानकारी तथा उनसे आवेदन प्राप्त करने की प्रक्रिया को स्वयं जांच कर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। कलेक्टर ने नाम-निर्देशन प्रक्रिया से पूर्व कलेक्ट्रेट परिसर से 100 मीटर की दूरी पर बैरिकेडिंग, पार्किंग व्यवस्था, अधिकारियों-कर्मचारियों के आने-जाने की व्यवस्था के संबंध में भी आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने नाम निर्देशन कक्ष की जानकारी के लिए बाहर पोस्टर चस्पा करने के भी निर्देश दिए। नगर पालिक परिषद सूरजपुर एवं नगर पंचायत (बिश्रामपुर, जरही, भटगांव, प्रतापपुर) में निर्वाचन हेतु नाम-निर्देशन की प्रक्रिया आज 22 जनवरी से प्रारंभ हो गई है। नगर पालिका परिषद सूरजपुर के लिए न्यायालय डिप्टी कलेक्टर व नगर पंचायत बिश्रामपुर के लिए न्यायालय उप तहसील पिलखा (बिश्रामपुर), नगर पंचायत जरही के लिए कार्यालय नगर पंचायत जरही, नगर पंचायत भटगांव के लिए न्यायालय उप तहसील भटगांव, नगर पंचायत प्रतापपुर के लिए न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) प्रतापपुर में प्रत्याशियों के नामांकन के लिए कक्ष निर्धारित किए गए हैं।

नियद नेल्लानार गाँव में लगा स्वास्थ्य शिविर

सुकमा(विश्व परिवार)। नियद नेल्लानार योजना अंतर्गत चयनित कैंपो में महिला बाल विकास विभाग के रोस्टर के अनुसार स्वास्थ्य विभाग और महिला बाल विकास विभाग के संयुक्त तत्वाधान में परिया, लखापाल और पूर्वर्ती कैंप में बाल संदर्भ और स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किया गया। मंगलवार को आयोजित शिविर में गर्भवती व शिशुवती महिलाओं का संपूर्ण स्वास्थ्य जांच किया गया। इसके साथ ही उनका टीकाकरण भी किया गया। शिविर के माध्यम से 155 बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण, टीकाकरण, वजन तथा ऊंचाई किया गया और 14 चिन्हित गंभीर कुपोषित बच्चों को योजना से लाभान्वित किया गया। परिया कैंप में जिला महिला बाल विकास अधिकारी, परियोजना अधिकारी, पर्यवेक्षक और स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी उपस्थित थे।

यूपी की शराब के साथ दो लोग गिरफ्तार

बलरामपुर(विश्व परिवार)। आचार संहिता लगते ही संभागीय आबकारी उड़नदस्ता सरगुजा की टीम एक्शन मोड में आ गई है। टीम ने बलरामपुर जिले के दो आरोपियों से उत्तर प्रदेश राज्य की अंग्रेजी शराब जप्त किया है। बलरामपुर रामनुजगंज उपायुक्त आबकारी विजय सेन शर्मा के मार्गदर्शन में तथा सहायक जिला आबकारी अधिकारी रंजीत गुप्ता के नेतृत्व में आबकारी उड़नदस्ता टीम लगातार कार्यवाही कर रही है। नगरीय निकाय एवं पंचायत चुनाव के लिए आचार संहिता लगते ही उपायुक्त आबकारी विजय सेन शर्मा ने अवैध शराब के कारोबार पर रोकथाम लगाने के लिए उड़नदस्ता टीम को सख्त निर्देश दिए हैं तथा सरगुजा संभाग के सभी जिलों के बार्डर पर सघन गस्त करने के निर्देश दिये है। उसी क्रम में आज आबकारी उड़नदस्ता की टीम सहायक जिला आबकारी अधिकारी रंजीत गुप्ता के नेतृत्व में बलरामपुर जिले के बलंगी आबकारी अंतर्राज्यीय चेक पोस्ट जांच के लिए निकली थी। इस दौरान मुखबीर की सूचना पर थाना रघुनाथ नगर निवासी रामनारायण साहू के कब्जे से उत्तर प्रदेश राज्य की किंगफि शर स्ट्रांग बीयर 8 नग, लेमन ब्लू देसी मसाला 8 नग तथा मैकडॉवेल नंबर वन तीन नग तथा 5 लीटर हाथ भट्टी महुआ शराब इस प्रकार कुल 11.14 लीटर अंग्रेजी एवं महुआ शराब जप्त किया गया। वहीं बलंगी चौकी अंतर्गत बलंगी निवासी आदित्य कुशवाहा के घर से उत्तर प्रदेश राज्य की 18 नग आफ्टर डार्क का पौवा, 20 नग नंबर वन का पौवा तथा 23 नग किंगफिशर स्ट्रॉन्ग कैन बियर जप्त कुल 18.340 लीटर उत्तर प्रदेश राज्य की विदेशी मदिरा जप्त किया गया है। दोनों आरोपियों को आबकारी अधिनियम की धारा 34(1)34(2) 36 एवं 59 (क) के तहत अपराध पंजीकृत कर न्यायालय रामानुजगंज में पेश किया गया जहां से आदेश के बाद जेल दाखिल किया गया है।

ट्रैक्टर में लोड मिक्सर मशीन, हो रहा सफर

केवल फिटनेस जांच तक सीमित है परिवहन विभाग

कोरबा(विश्व परिवार)। 42 वा सडक सुरक्षा मांह 31 जनवरी तक मनाया जा रहा है। इस दौरान विभिन्न कार्यक्रम करते हुए लोगों को बताने की कोशिश की जा रही है कि सडक पर चलने के दौरान किस प्रकार से नियम कानून का पालन करना जरूरी है और उपेक्षा करने के क्या नतीजा हो सकते हैं। लगातार जागरूकता का वातावरण निर्माण करने के बावजूद कोरबा जिले में नियम तोडने के उदाहरण सामने आ रहे हैं। कोरबा उरगा रोड पर कुछ लोगों को दोस्त साहसिक अंदाज में देखा गया जो ट्रैक्टर पर लोड मिक्सर मशीन में चढकर सफर करते नजर आए। अपनी तस्वीर कैमरे में कैद होने पर ट्रैक्टर चालक और लोगों ने सफाई दी कि इस प्रकार का काम पहली बार किया गया है। 1 जनवरी से 31 जनवरी तक कोरबा जिले में ट्रैफिक पुलिस अभियान चल रही हैं जिसके अंतर्गत स्कूल, कॉलेज, व्यावसायिक प्रतिष्ठान और चैक चैराहों पर कैंपेन करते हुए लोगों को बताने की कोशिश की जा रही है कि ट्रैफिक रूल्स उनके लिए क्यों जरूरी है और जरा सी भी मनमानी किस कदर महंगी पड़ सकती है। अभियान के अलग-अलग सोपान में पूरा फोकस इसी बात पर है कि ट्रैफिक रूल्स वाहन चालकों के साथ-साथ लोगों के लिए काफी मायने रखते हैं और उन्हें हर हाल में इसका पालन करना है । लेकिन बहुत सारे लोगों को ऐसे अभियान से कोई लेना-देना नहीं है और वह अपनी मनमानी पर उतारू है। जिले में बढ़ते सडक हादसों को रोकने यातायात पुलिस द्वारा सडक सुरक्षा माह चलाया जा रहा है,जहां पुलिस द्वारा अभियान चलाकर लोगों से यातायात नियमों का पालन करने की अपील की जा रही है। इतना ही नहीं कार्रवाई का डंडा भी चलाया जा रहा है। बावजूद इसके नियमों का उल्लंघन करने से बाज नहीं आ रहे है। कोरबा-उरगा मार्ग पर ऐसा ही नजारा देखने को मिला जहां पर मिक्कर मशीन को ट्रेक्टर से जोड़ दिया गया ,और उस पर लोगों को बिठाकर परिवहन किया जा रहा है,जिससे हादसों की आशंका काफी बढ़ गई है। मीडिया ने इस नजारे को देखा और इसके वीडियो तैयार करने के साथ गाड़ी को रुकवाया। ट्रैक्टर चला रहे चालक और उसमे बैठे लोगों से इस बारे में पूछताछ की गई तो उन्होंने उदासीनता से भरा जवाब दिया। उनका तर्क था कि पास में ही काम करने जा रहे हैं इसलिए दूसरी गाड़ी की सवारी करने का मतलब रुपए खर्च करना है इसलिए मजदूरों को मिक्सर मशीन में ही बैठा लिया गया है। क्या ऐसा करना जोखिम से भरा नहीं है? यह पूछने पर मजदूरों का जवाब था- उनके लिए यह नई बात नहीं है बल्कि वे जहां कहीं भी काम करने जाते हैं यही तरीका अपनाते हैं। ऐसा करने से समय बच जाता है और रुपए भी। लेकिन इतना जरूर है कि इस तरह के सफर में जोखिम तो रहती है और फिर डर भी बना रहता है कि कोई पीछे से आकर ठोक ना दे। बातचीत के दौरान लोगों ने इस बात को स्वीकार किया कि इस प्रकार की हरकतें उचित नहीं ठहराए जा सकती लेकिन वह मजबूरी बस ऐसा करते हैं। लोगों ने यह भी बताया कि कई बार मुख्य मार्ग पर चलने के दौरान हादसे हो चुके हैं और इसकी उन्हें जानकारी है।

पीठाधीश्वर श्री श्री प्रेमसाईं महाराज जी को अमेरिका से डॉक्टरेट उपाधि

त्रिकालदर्शी चमत्कारी मां मातंगी दिव्य धाम, छत्तीसगढ़ का गौरव

छत्तीसगढ़ के सुप्रसिद्ध आध्यात्मिक केंद्र त्रिकालदर्शी चमत्कारी मां मातंगी दिव्य धाम के पीठाधीश्वर श्री श्री प्रेमसाईं महाराज जी को उनकी अद्वितीय आध्यात्मिक उपलब्धियों और मानव सेवा के क्षेत्र में योगदान के लिए अमेरिकी सीडरब्रूक यूनिवर्सिटी ने ऑनोरिस कौसा डॉक्टरेट (PhD) की उपाधि से सम्मानित किया है।

आध्यात्मिकता और चमत्कारों का अद्भुत संगम- श्री श्री प्रेमसाईं महाराज जी, जिन्हें लाखों भक्त त्रिकालदर्शी और चमत्कारी गुरु के रूप में जानते हैं, ने अपने दिव्य चमत्कारों और आध्यात्मिक ज्ञान से अनगिनत लोगों के जीवन को रूपांतरित किया है। उनके प्रवचनों और आशीर्वाद से न केवल भारत, बल्कि विश्वभर में भक्त आध्यात्मिक जागरूकता और मानसिक शांति प्राप्त कर रहे हैं।

दिव्य धाम का महत्त्व- छत्तीसगढ़ में स्थित मां मातंगी दिव्य धाम एक ऐसा आध्यात्मिक केंद्र है, जो भक्तों के लिए प्रेरणा और दिव्यता का प्रतीक है। यह धाम न केवल साधना और ध्यान का केंद्र है, बल्कि यहां पर अनेक सामाजिक और धार्मिक गतिविधियां संचालित की जाती हैं, जो समाज के उत्थान में सहायक हैं।

अंतरराष्ट्रीय पहचान- सीडरब्रूक यूनिवर्सिटी ने इस बात को स्वीकार किया कि महाराज जी की शिक्षाएं और उनके कार्य न केवल आध्यात्मिकता को बढ़ावा देते हैं, बल्कि समाज में नैतिक मूल्यों और सांस्कृतिक धरोहर को भी सशक्त करते हैं। यही कारण है कि उन्हें इस प्रतिष्ठित डॉक्टरेट उपाधि से नवाजा गया।

गौरव का क्षण- यह सम्मान समारोह 18 जनवरी 2025 को दिल्ली के टिवोली रिसॉर्ट्स एंड होटल में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में अनेक गणमान्य व्यक्ति, धार्मिक नेता और महाराज जी के अनुयायी उपस्थित हुए।

महाराज जी का संदेश- इस उपलब्धि पर श्री श्री प्रेमसाईं महाराज जी ने कहा: यह सम्मान मेरे लिए नहीं, बल्कि उन सभी भक्तों और अनुयायियों के लिए है, जो सच्चे मन और श्रद्धा से धर्म और मानवता की सेवा में लगे हुए हैं। यह उपाधि हमारे धाम और छत्तीसगढ़ के सम्मान को विश्व स्तर पर स्थापित करती है।

धाम का विश्व स्तर पर गौरव बढ़ा- मां मातंगी दिव्य धाम के भक्तों के लिए यह पल गौरव और आनंद का है। यह सम्मान छत्तीसगढ़ की भूमि और भारत की आध्यात्मिक परंपराओं को वैश्विक स्तर पर एक नई पहचान प्रदान करता है।

निर्वाचन सेक्टर अधिकारियों के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण का हुआ आयोजन

मतदान दलों हेतु सुविधाएं सुनिश्चित करने सहित मतदान एवं मतगणना संबंधित बताई गई बारीकियां

जशपुर(विश्व परिवार)। नगरीय निकायों एवं त्रिस्तरीय पंचायतों हेतु अधिसूचना जारी होने के साथ जिले में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी रोहित व्यास के मार्गदर्शन में निर्वाचन हेतु तीव्र गति से तैयारियां की जा रही हैं। जिसके तहत बुधवार को जिले के सभी नगरीय निकायों एवं त्रिस्तरीय पंचायतों के सेक्टर अधिकारियों हेतु एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन जिला पंचायत सभाकक्ष में जिला पंचायत सीईओ अभिषेक कुमार की अध्यक्षता में किया गया। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ ने कहा कि मतदान एवं मतगणना में सेक्टर अधिकारियों की भूमिका अहम होती है सभी सेक्टर अधिकारियों को सफल निर्वाचन संचालन हेतु सतर्कतापूर्वक अपनी भूमिका के निर्वहन आवश्यक है। इस अवसर पर मास्टर ट्रेनरों द्वारा सभी सेक्टर अधिकारियों को नामांकन प्रक्रिया, विस्तारपूर्वक जानकारी देते हुए नगरीय निकायों के निर्वाचन हेतु ईव्हीएम तथा पंचायत निर्वाचन हेतु मतपत्र द्वारा मतदान प्रक्रिया, मतदान के समय रखी जाने वाली सावधानी एवं मतगणना प्रक्रिया के संबंध में जानकारी दी गयी। इसके साथ ही आदर्श आचार संहिता की अवधि के दौरान की जाने वाली कार्यवाहियों के संबंध में बताया गया। इस कार्यक्रम में उप जिला निर्वाचन अधिकारी विश्वास राव मस्के ने सभी सेक्टर अधिकारियों को मतदान और मतगणना के संबंध में जानकारी देते हुए सेक्टर अधिकारियों को मतदान केंद्रों की व्यवस्था एवं सुविधाएं सुनिश्चित करने, मतदान दलों हेतु रूट चार्ट निर्माण, मतदान दलों को निर्वाचन सामग्री वितरण, मतदान पूर्व सभी तैयारियों, मतदान एवं मतगणना प्रक्रिया, परिणामों की घोषणा के संबंध में विस्तृत जानकारी दी।

नक्सलियों का सफाया करने अभियान लगातार जारी

बीजापुर(विश्व परिवार)। मार्च 2026 तक छत्तीसगढ़ से नक्सलियों का सफाया करने सुरक्षा बल के जवान लगातार कार्रवाई कर रहे. इसके चलते बस्तर में लगातार नक्सली संगठन कमजोर होता नजर रहा है. सुरक्षा बलों ने नक्सलियों के हाईटेक ट्रेनिंग कैंप पर भी कब्जा कर लिया है.बीजापुर और तेलंगाना सीमा पर स्थित भट्टिगुड़ा के जंगलों में नक्सलियों ने हाईटेक ट्रेनिंग कैंप बना रखा था. मंगलवार को कोबरा बटालियन के जवानों ने ट्रेनिंग कैंप में धावा बोलकर कैंप को अपने कब्जे में लिया. साथ ही ट्रेनिंग कैंप में बने स्मारक को भी ध्वस्त कर दिया. नक्सलियों ने गंगनचुम्बी पेड़ों को भी ट्रेनिंग के लिए तैयार कर रखा था. ट्रेनिंग के लिए पक्के बैरक और झोपड़ियां बनाए गए थे, जिसे सुरक्षा बल के जवानों ने ध्वस्त किया.

गर्भवती महिला, विकलांग एवं गंभीर बीमारी से पीड़ित अधिकारी/कर्मचारियों को चुनाव कार्य से पृथक रखा जावे- फेडरेशन

गरियाबंद (विश्व परिवार)। अधिकारी/कर्मचारी फैडरेशन के संयोजक व सक्रिय सदस्यों द्वारा आगामी माह फरवरी 2025 में होने वाले जिला पंचायत,जनपद पंचायत, ग्राम पंचायत तथा नगरीय निकाय चुनाव में 60 वर्ष से अधिक, गंभीर बीमारी से पीड़ित, विकलांग, गर्भवती महिला तथा मातृत्व अवकाश में रहने वाली महिला कर्मी, जिनके स्वयं के तथा पुत्र-पुत्री के विवाह हेतु तिथि पूर्व से निर्धारित हो गई है एवं जिनके धार्मिक यात्रा (कुंभ) हेतु टिकट निश्चित हो गया है ऐसे अधिकारी कर्मचारियों को चुनाव कार्य से पृथक रखने हेतु आग्रह करते हुए जिलाधीश दीपक अग्रवाल के नाम अपर कलेक्टर अरविंद पांडे को ज्ञापन सोपा!

राजपत्रित अधिकारी संघ के जिला अध्यक्ष आर तलवारे एवं फेडरेशन के महामंत्री बसंत त्रिवेदी द्वारा अवगत कराया कि पिछले लोकसभा एवं विधानसभा चुनाव में अनुभव रहा है कि कुछ विकलांग, गर्भवती महिला तथा गंभीर बीमारी से पीड़ित अधिकारी कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई थी जिसके कारण उक्त समस्या से पीड़ित अधिकारी/कर्मचारियों को चुनाव कार्य से नाम कटवाने हेतु अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ा था साथ ही शासन प्रशासन का समय भी अनावश्यक बर्बाद हुआ था ! वर्तमान में ऐसी स्थिति उत्पन्न ना हो इस हेतु चुनाव कार्य में ड्यूटी लगाने के पूर्व ऐसे अधिकारी/कर्मचारियों को पूर्व से ही चिन्हित कर चुनाव कार्य से पृथक रखने हेतु ज्ञापन सोपा गया है! जिसे अपर कलेक्टर अरविंद पांडे ने गंभीरता से लेते हुए आश्वस्त किया कि इस विषय पर कलेक्टर से आवश्यक चर्चा किया जाएगा तथा इस प्रकार की स्थिति उत्पन्न ना हो इस हेतु आवश्यक कार्रवाई किया जाएगा ज्ञापन सौपे जाते समय प्रमुख रूप से आर के तलवरे, के पी श्रीवास , सुदामा ठाकुर बसन्त त्रिवेदी, बसंत मिश्रा गौतम ठाकुर, सत्यम कुम्भकार राजपत्रित अधिकारी संघ के सदस्य उपस्थित रहे।

ई-बाईक पर सवार हो शहर की सफाई व्यवस्था का जायजा लेने निकले आयुक्त

कोरबा(विश्व परिवार)। आयुक्त श्री आशुतोष पाण्डेय प्रात: 08 बजे ई-बाईक पर सवार होकर शहर की साफ-सफाई व्यवस्था व स्वच्छता कार्यो का जायजा लेने नगर का भ्रमण किया, साफ-सफाई कार्यो को देखा तथा स्वच्छता कार्यो में और अधिक कसावट लाने के निर्देश अधिकारियों को दिए, वहीं सुनालिया चौक स्थित डोसा सेंटर में डस्टबिन न रखने व कचरा फैलाने पर 1000 रूपये का अर्थदण्ड लगाया गया तथा कोयला की सिगडी जलाकर प्रदूषण फैलाने पर कार्यवाही करते हुए 05 कोयला सिगड़ियों को जप्त भी किया गया। आयुक्त श्री पाण्डेय ने ई-बाईक से भ्रमण कर पर्यावरण संरक्षण हेतु कोरबा जैसे शहरो में छोटी दूरी की यात्रा के लिए ई-वाहन के उपयोग को एक अच्छे विकल्प होने का संदेश भी आमजनों के दिया। आयुक्त श्री पाण्डेय शहर की साफ-सफाई व्यवस्था का जायजा लेने ई-बाईक (स्कूटी) पर सवार होकर सुबह-सुबह समूचे शहर का भ्रमण किया। उन्होने शास्त्री चौक, सुभाष चौक, कोसाबाड़ी क्षेत्र, बुधवारी बाजार क्षेत्र, घंटाघर निहारिका रोड, टी.पी.नगर, पावर हाउस रोड, सुनालिया चौक, लक्ष्मणबन बस्ती, रामसागरपारा, कोरबा पुराना शहर सहित शहर के विभिन्न स्थानों का भ्रमण कर साफ-सफाई कार्यो का सघन निरीक्षण किया। आयुक्त श्री पाण्डेय लक्ष्मणबन बस्ती के बनिया तालाब पहुंचे, उन्हेने तालाब की साफ-सफाई कराए जाने एवं अधूरे निर्माण कार्य को पूरा किए जाने के निर्देश अधिकारियों को दिए। इसी प्रकार रामसागरपारा स्थित नाले का निरीक्षण किया तथा उसकी भी सफाई कराने अधिकारियों को निर्देशित किया। भ्रमण के दौरान आयुक्त श्री पाण्डेय ने सफाई कार्यो में संलग्न स्वच्छता कर्मचारियों एवं स्वच्छता दीदियों से चर्चा कर उनके द्वारा संपादित साफ-सफाई कार्यो की सघन जानकारी ली। जोन कमिश्नर विनोद शांडिल्य, स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.संजय तिवारी, सहायक अभियंता राहुल मिश्रा एवं पीयूष राजपूत, उप अभियंता अश्वनी दास आदि के साथ अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे। लोगों को दी समझाईश, कचरा डस्टबिन में ही रखें - आयुक्त श्री पाण्डेय ने लक्ष्मणबन बस्ती, रामसागरपारा सहित अन्य बस्तियों में पहुंचकर वहाँ के रहवासियों से आग्रह किया कि वे घरों व दुकानों से निकले अपशिष्ट को सड़क, नाली व सार्वजनिक स्थानों पर न डालें। उन्होने सूखे व गीले कचरे हेतु पृथक-पृथक डस्टबिन रखें तथा इन डस्टबिन में ही पृथक-पृथक कचरा डालें, निगम की स्वच्छता दीदियॉ डोर-टू-डोर अपशिष्ट संग्रहण हेतु जब आपके यहाँ पहुंचे तो उनके वाहन में ही कचरे को दें तथा नगर की साफ-सफाई व्यवस्था व शहर की स्वच्छता में अपना सहयोग दें। कचरा फैलाने पर 1000 रू. का अर्थदण्ड - सुनालिया चौक के समीप स्थित डोसा सेंटर संचालक द्वारा अपनी दुकान में डस्टबिन नहीं रखा गया था तथा उनके द्वारा आसपास कचरा फैलाया जा रहा था, भ्रमण के दौरान आयुक्त श्री पाण्डेय ने उक्त स्थल का भी निरीक्षण किया, उन्होने दुकान में डस्टबिन न रखने व कचरा फैलाने को गंभीरता से लेते हुए सेंटर संचालक पर 1000 रूपये का अर्थदण्ड लगाए जाने के निर्देश अधिकारियों के दिए।

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

खेल-व्यापार

रायपुर शुक्रवार 24 जनवरी 2025

व्यापार समाचार

सैमसंग ने लॉन्च की गैलेक्सी एस25 सीरीज, आपका सच्चा AI साथी

बेंगलुरु। सैमसंग ने आज अपने नवीनतम गैलेक्सी एस25 अल्ट्रा, गैलेक्सी एस25+ और गैलेक्सी एस25 स्मार्टफोन को लॉन्च कर दिया, जो सैमसंग के अब तक के सबसे नैचुरल और कॉन्टेक्स्ट-अवेयर मोबाइल अनुभवों के साथ एक वास्तविक एआई सहयोगी के रूप में नए मानक को स्थापित करता है। सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स में मोबाइल एक्सपीरिएंस बिजनेस के हेड और प्रेसिडेंट टी एम रो ने कहा, सबसे बेहतरीन इनोवेशन यूजर्स के अनुभव का प्रतिबिंब होता है और यही वजह है कि हमने गैलेक्सी एआई विकसित किया है ताकि हर कोई अपने डिवाइस के साथ अधिक स्वाभाविक और सहजता से बातचीत कर सके और यह भरोसा रख सके कि उनकी निजता सुरक्षित है। उन्होंने कहा, गैलेक्सी एस25 सीरीज एआई-एकीकृत ओएस की तरफ लेकर जाती है, जो टेक्नोलॉजी का उपयोग करने के तरीके और हम अपना जीवन कैसे जीते है, को लेकर हमारे नजरिए को बदल देता है। गैलेक्सी एस25 सीरीज वन यूआई 7 के साथ आने वाला पहला स्मार्टफोन है, जो सैमसंग का एआई-फर्स्ट प्लेटफॉर्म है। इसे सबसे सहज नियंत्रण प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है, जो एआई-संचालित व्यक्तिगत मोबाइल अनुभव को सक्षम बनाता है। मल्टीमॉडल क्षमताओं वाले एआई एजेंट गैलेक्सी एस25 को टेक्स्ट, स्पीच, इमेज और वीडियो को इंटरप्रेट करने में सक्षम बनाते हैं, जिससे बातचीत स्वाभाविक लगती है। गैलेक्सी एस25 नैचुरल लैंग्वेज समझने में भी एक बड़ी सफलता है, जिससे रोजाना की बातचीत आसान हो जाती है।

कीवे इंडिया ने एक्सक्लूसिव लॉन्च ऑफर के साथ K300 SF लॉन्च किया

नईदिल्ली। आदिश्वर ऑटो राइड इंडिया (AARI) के तहत संचालित कीवे इंडिया ने अपनी लोकप्रिय K300 मोटरसाइकिल सीरीज के एक विशेष संस्करण कीवे K300 SF (स्ट्रीट फाइटर) को लॉन्च किया है। लॉन्च ऑफर के तहत पहले 100 ग्राहकोंको यह शानदार बाइक मात्र 1.69 लाख (एक्स-शोरूम) की विशेष कीमत पर उपलब्ध होगी। K300 SF, K300N का उन्नत संस्करण है और सीमित समय के लिए यह ऑफर परफॉर्मेंस मोटरसाइकिल के शौकीनों के लिए इसे एक आकर्षक विकल्प बनाता है। 300CC सेगमेंट में तेजी से बढ़ती प्रतिस्पर्धा के बीच, K300 SF की यह विशेष कीमत पहले 100 ग्राहकों को प्रीमियम 300CC सेगमेंट में कदम रखने का एक अनूठा अवसर प्रदान करती है, जिससे वे भारतीय बाजार में दूसरों से अलग दिख सकें। लॉन्च पर बोलते हुए कीवे इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर, श्री विकास झाबख ने कहा, कीवे K300 SF हमारी उस सोच को दर्शाती है, जिसमें हम भारतीय राइडर्स की जरूरतों के अनुसार वर्ल्ड-क्लास प्रोडक्ट्स तैयार करते हैं। पहले 100 ग्राहकों के लिए विशेष कीमत पर K300 SF पेश कर, हम उन शुरुआती ग्राहकों को एक विशेष अनुभव देना चाहते हैं, जो हमारे इनोवेशन और परफॉर्मेंस के प्रति उत्साह साझा करते हैं। यह पहल K300 SF को एक मूल्यवान और आकर्षक विकल्प बनाती है। हमें पूरा विश्वास है कि यह मोटरसाइक्लिंग के शौकीनों को खूब पसंद आएगी। K300 SF एक स्पोर्टी डिजाइन और बेहतरीन प्रदर्शन का बेहतरीन मेल है, जो एक अद्वितीय राइडिंग अनुभव का वादा करती है। इसके नए नाम, अत्याधुनिक फीचर्स और विशेष कीमत के साथ, यह उन राइडर्स के लिए सबसे बेहतरीन विकल्प है, जो अपने राइड में एडवेंचर और अलग पहचान चाहते हैं।

सचिन तेंदुलकर फाउंडेशन के आधा दशक का परिवर्तनकारी प्रभाव

मुंबई। वंचितों और ज़रूरतमंदों की सेवा करने और उन्हे विश्वास करने व नेतृत्व करने में सक्षम बनाने का आधे दशक का सफर पूरा होने पर सचिन तेंदुलकर फाउंडेशन (एसटीएफ) ने 22 जनवरी 2025 को मुंबई के बॉम्बे क्लब में एक सामूहिक समारोह आयोजित किया। दोस्तों, परिवार, शुभचिंतकों और गैर-लाभकारी भागीदारों की श्रद्धांजलि और आभार ने इस कार्यक्रम को और भी खास बना दिया, क्योंकि एसटीएफने बच्चों के लिए स्वास्थ्य, शिक्षा और खेल के प्राथमिक फोकस क्षेत्रों के साथ बेहतर जीवन सुनिश्चित करने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की। एक साथ चमकें थीम ने फाउंडेशन के जीवन को प्रभावित करने के मूल विचार पर प्रकाश डाला, विशेष रूप से खेल, स्वास्थ्य और शिक्षा के माध्यम से बच्चों को। हाल ही में फाउंडेशन में निदेशक का पद संभालने वाली सारा तेंदुलकर के लिए यह शाम उनकी पहली आधिकारिक भागीदारी थी। इतनी कम उम्र में अपने माता-पिता की दिखाई राह पर चलते हुए, सारा युवाओं से जुड़ने और उनकी आकांक्षाओं को उड़ान भरने में उनकी मदद करने का एक नया दृष्टिकोण लेकर आई हैं। जीवन को बेहतर बनाने के लिए अपने परिवार की प्रतिबद्धता और फाउंडेशन की पहलों की परिवर्तनकारी क्षमता पर विचार करते हुए, सारा ने कहा, बड़े होते हुए, मैं हमेशा अपने परिवार से प्रेरित रही, जिसने देने की शक्ति के बारे में मेरी समझ को आकार दिया। मुझे फाउंडेशन के काम को देखने और उम्मीद की चिंगारी को देखने का अवसर मिला, जो न केवल बच्चों बल्कि पूरे परिवारों के जीवन में रोशनी लाती है। पिछले पाँच वर्षों में, सचिन तेंदुलकर फाउंडेशन ने एक लाख से अधिक युवा जीवन को छुआ है, और यह चलते रहने के लिए एक लाख कारण हैं। मैं उन सभी का आभारी हूँ जिन्होंने हम पर विश्वास किया और इस यात्रा को संभव बनाने के लिए हमारे साथ खड़े रहे। एक निदेशक के रूप में, मैं अपने माता-पिता द्वारा शुरू की गई पहलों को आगे बढ़ाने और यह सुनिश्चित करने के लिए इंतजार नहीं कर सकता कि हर छोटे सपने पर ध्यान दिया जाए और उसका पोषण किया जाए।

केंट आरओ सिस्टम्स लिमिटेड ने सेबी के पास दायर किया डीआरएचपी

केंट आर ओ सिस्टम्स लिमिटेड (कंपनी) ने बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किया है। कंपनी आरंभिक सार्वजनिक पेशकश के ज़रिये इक्विटी शेयर पूंजी की पेशकश के माध्यम से धन जुटाने की योजना बना रही है। कुल पेशकश में प्रमोटर सेलिंग शेयरहोल्डर्स द्वारा 1 रुपये प्रति शेयर अंकित मूल्य वाले 10,094,568 इक्विटी शेयरों तक की 'बिक्री के लिए पेशकश' शामिल है। ब्रांड 'केंट' अच्छी तरह से स्थापित है और भारत में वाटर प्यूरीफायर उत्पाद श्रेणी में रिवर्स ऑस्मोसिस (आरओ) तकनीक शुरू करने में अग्रणी के रूप में पहचाना जाता है।

घरेलू मुकाबले में हमें युवाओं को तैयार करने में मदद मिलेगी: राजपाल

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारत के डेविस कप कप्तान रोहित राजपाल के अनुसार, भविष्य के डेविस कप सितारों को तैयार करने के लिए घरेलू मुकाबले से बेहतर कुछ नहीं है और टोगो के खिलाफ आगामी मुकाबला ऐसा करने का एक अच्छा अवसर है। डेविस कप, जो 1-2 फरवरी को खेला जाएगा, की पांच सदस्यीय टीम में शशिकुमार मुकुंद, रामकुमार रामनाथन, करण सिंह, एन.श्रीराम बालाजी और ऋत्विक चौधरी बोलिपल्ली शामिल हैं। भारत के शशिकुमार मुकुंद 368वें नंबर पर इस मुकाबले में सर्वोच्च रैंकिंग वाले खिलाड़ी होंगे। लखनऊ में मोरक्को के खिलाफ खेलने के बाद वे टीम में वापसी कर रहे हैं। कप्तान राजपाल इस बात से खुश हैं कि भारत को 2024 के अपने दोनों मैच घर से बाहर खेलने के बाद घर पर खेलने का मौका मिलेगा। भारत के पिछले पांच मुकाबलों में से चार मुकाबले घर से बाहर खेले गए हैं, जिसमें इस्लामाबाद में पाकिस्तान के खिलाफ ऐतिहासिक मैच भी शामिल है। राजपाल, जो डीएलटीए के अध्यक्ष भी हैं, ने कहा, घरेलू परिस्थितियों में खेलना हमेशा फायदेमंद होता है। हमने पिछले दो-तीन सत्रों में बहुत यात्रा की है। अगर सुमित नागल खेलते तो डीएलटीए के धीमे, कठोर कोर्ट आदर्श होते, लेकिन फिर भी, परिस्थितियाँ हमारे अनुकूल होंगी। अगर हमें पहले से पता होता कि सुमित इससे बाहर हो जाएगा, तो शायद घास के कोर्ट का विकल्प चुना जा सकता था। थॉमस स्टोडजी इस प्रतियोगिता में टोगो के प्रमुख खिलाड़ी होंगे, टोगो ने लातविया, इंडोनेशिया और बेनिन के खिलाफ तीन जीत दर्ज की हैं। राजपाल ने आगे कहा, मैं यह नहीं कहूंगा कि यह हमारे लिए आसान होगा, लेकिन यह मुकाबला हमें डेविस कप के माहौल में अगली पीढ़ी के खिलाड़ियों को तैयार करने का विकल्प देगा और घर पर खेलते हुए, हम निश्चित रूप से घरेलू लाभ और घरेलू समर्थन का फायदा उठा सकते हैं। भारतीय डेविस कप टीम 23 जनवरी से डीएलटीए कॉम्प्लेक्स,जो प्रतियोगिता का स्थल है, में होने वाले आगामी विश्व ग्रुप ढ्ढ प्ले-ऑफ मुकाबले के लिए अपनी तैयारी शुरू करेगी।

एआई का इस्तेमाल करेगा सेबी, 2 साल में 1,000 आईपीओ होंगे प्रोसेस

मुंबई(एजेंसी)। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) अब कंपनियों द्वारा दायर किए जाने वाले इनिशियल पब्लिक ऑफर (आईपीओ) आवेदनों को प्रोसेस करने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का इस्तेमाल करेगा। सेबी की चेयरपर्सन माधबी पुरी बुच ने मंगलवार को कहा कि आईपीओ के आवेदनों की समीक्षा के लिए नियामक एआई को अपना रहा है। इससे अगले दो साल में 1,000 के करीब आईपीओ प्रोसेस होने की संभावना है। एसोसिएशन ऑफ इन्वेस्टमेंट बैंकर्स ऑफ इंडिया (एआईबीआई) के वार्षिक सम्मेलन में बोलते हुए बुच ने कहा कि सेबी कंपनियों और उनके मर्चेंट बैंकरों के लिए फाइलिंग प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए एक स्टैंडर्ड आईपीओ टेम्पलेट पर काम कर रहा है। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि नया टेम्प्लेट रिक्त स्थान भरें फॉर्मेट में होगा। कोई भी जानकारी जो स्टैंडर्ड फॉर्मेट में फिट नहीं होगी, उसकी बारीकी से समीक्षा के लिए अलग से चिह्नित किया जाएगा। इस सिस्टम का उद्देश्य आईपीओ दस्तावेजों को दो भागों में विभाजित करना है, जिसमें स्टैंडर्ड और विशेष जानकारी शामिल होगी। सेबी को उम्मीद है कि इससे उसके अधिकारियों के लिए अनियमितताओं की पहचान करना और उनका समाधान करना आसान हो जाएगा। इस पहल से कंपनियों और विनियामकों दोनों के लिए समय की बचत होने की उम्मीद है। एआई तीन प्रमुख तरीकों से मदद करेगा, जिसमें दस्तावेज समीक्षा, ऑनलाइन सर्च और सामग्री जांच शामिल है। बुच के मुताबिक, इससे न केवल समय बचेगा, बल्कि आईपीओ दस्तावेजों और उनकी समीक्षा करने की दक्षता भी बढ़ेगी। सेबी की विशेष जानकारी रिपोर्टिंग प्रणाली कार्यकुशलता में और सुधार लाएगी। स्टैंडर्ड और नॉन-स्टैंडर्ड सेक्शन का पालन करके अधिकारी अपनी जांच में प्राथमिकता तय कर सकते हैं जहां इसकी सबसे अधिक आवश्यकता है। इससे समीक्षा प्रक्रिया सुव्यवस्थित हो जाएगी।

इगा स्वीयाटेक ने नवारो को हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया

मेलबर्न,(एजेंसी)। विश्व की दूसरे नंबर की खिलाड़ी इगा स्वीयाटेक बुधवार को 2022 यूएस ओपन जीतने के बाद से रौलां गैरो के बाहर अपने पहले ग्रैंड स्लैम सेमीफाइनल में पहुंच गईं। पांच बार की प्रमुख चैंपियन ने ऑस्ट्रेलियन ओपन क्वार्टर फाइनल में 89 मिनट में नंबर 8 एम्मा नवारो को 6-1, 6-2 से आसानी से हराया। स्वीयाटेक ने 2022 में ऑस्ट्रेलियन ओपन में अपना पहला हार्ड-कोर्ट ग्रैंड स्लैम सेमीफाइनल खेला, जहां वह डेनियल कोलिन्स से हार गईं। स्वीयाटेक ने रैली को नियंत्रित करने और नवारो को कोर्ट के चारों ओर घुमाने के लिए अपने आक्रामक खेल का उपयोग किया। पहला सेट केवल 35 मिनट में जीतने के बाद, स्वीयाटेक को दूसरे सेट की शुरुआत में अधिक लगातार दबाव का सामना करना पड़ा। नवारो, जो लगातार तीसरे ग्रैंड स्लैम क्वार्टरफाइनल में प्रतिस्पर्धा कर रही थीं, ने मैच का पहला ब्रेक प्वाइंट अर्जित किया, जबकि स्वीयाटेक 2-2 पर सर्विस कर रही थीं। हालांकि, स्वीयाटेक ने उस अवसर को मिटा दिया और अगले गेम में वापसी की। कुल मिलाकर, नवारो दूसरे सेट में स्वीयाटेक को उनके तीन सर्विस गेम में ड्यूस करने में सक्षम थीं, लेकिन पूर्व विश्व नंबर 1 ने दृढ़ निश्चय किया और अपनी सर्विस पर एक भी अंक गंवाए बिना मैच पूरा किया। फाइनल में जगह बनाने के लिए उनका सामना एक अन्य अमेरिकी खिलाड़ी नंबर 14 मैडिसन कीज़ से होगा, जिन्होंने मेलबर्न में यूक्रेन की नंबर 28 सीड एलिना स्वितोलिना पर 3-6, 6-3, 6-4 से जीत के साथ अपने सातवें ग्रैंड स्लैम सेमीफाइनल और अपने तीसरे सेमीफाइनल में जगह बनाई थी।

बजट 2025: रेलवे पर रहेगा खास फोकस जनता को मिल सकते हैं कई तोहफे

नई दिल्ली(एजेंसी)। देश का आम बजट 1 फरवरी को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा पेश किया जाएगा। मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल के इस दूसरे बजट से आम जनता को काफी उम्मीदें हैं। माना जा रहा है कि इस बार बजट में रेलवे पर विशेष ध्यान दिया जाएगा और आम जनता के लिए भी कई घोषणाएं हो सकती हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इस बार के बजट में रेलवे को 2.93 लाख करोड़ से 3 लाख करोड़ रुपये तक का आवंटन किया जा सकता है। यह पिछले साल के मुकाबले 15-20 प्रतिशत अधिक होगा। इस राशि का उपयोग रेलवे के बुनियादी ढांचे को और बेहतर बनाने में किया जाएगा। स्टेशनों के आधुनिकीकरण पर विशेष ध्यान दिया जाएगा, जिसके तहत यात्रियों को बेहतर सुविधाएं प्रदान करने के लिए स्टेशनों का नवीनीकरण किया जाएगा। देश भर में नई रेलवे लाइनें बिछाई जाएंगी, जिससे रेल कनेक्टिविटी में सुधार होगा और यात्रा समय कम होगा। आधुनिक ट्रेनों की शुरुआत भी बजट की प्राथमिकताओं में शामिल है, जिससे यात्रियों को आरामदायक और तेज यात्रा का अनुभव मिलेगा। सरकार का लक्ष्य 2027 तक 68,000 किलोमीटर रेलवे ट्रैक का विस्तार करना और 400 वंदे भारत ट्रेनों को चलाना है, और बजट में मिलने वाले फंड का उपयोग इन महत्वाकांक्षी लक्ष्यों को पूरा करने में किया जाएगा। देश में वर्तमान में रेलवे के आधुनिकीकरण और विस्तार के लिए कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं पर काम चल रहा है। इनमें सबसे प्रमुख है देश की पहली बुलेट ट्रेन परियोजना, जिस पर तेजी से काम हो रहा है और इस महत्वाकांक्षी परियोजना के लिए बजट में आवश्यक प्रावधान किए जाने की संभावना है। ट्रेनों की सुरक्षा को और अधिक सुदृढ़ करने के लिए 'कवच' नामक स्वदेशी स्वचालित ट्रेन सुरक्षा प्रणाली को लगाने का कार्य भी प्रगति पर है, जिसके लिए बजट से अतिरिक्त राशि आवंटित की जा सकती है। शहरों में सार्वजनिक परिवहन को बेहतर बनाने के उद्देश्य से कई शहरों में मेट्रो रेलवे लाइनों के विस्तार का कार्य भी जारी है और इस विस्तार को बढ़ावा देने के लिए भी बजट में पर्याप्त प्रावधान किए जाने की उम्मीद है।

एमआई से निकाले गए बल्लेबाज ने आईएलटी20 में मचाया गदर

नईदिल्ली(एजेंसी)। इस समय दुनियाभर में 3 टी 20 लीग खेली जा रही है. ऑस्ट्रेलिया में बीबीएल, साउथ अफ्रीका में एसएटी20 लीग लीग खेली जा रही है. इस के साथ ही यूएई में इंटरनेशनल टी 20 लीग खेली जा रही है. इस लीग में एमआई के एक पूर्व खिलाड़ी ने धुआंधार बल्लेबाजी की है और सिर्फ 5 गेंद पर 26 रन ठोक तहलका मचा दिया है. 21 जनवरी को आईएलटी20 का 14 वां मैच एमआई अमीरात और अबूधाबी नाइट राइडर्स के बीच खेला गया. इस मैच में अमीरात को 28 रन से जीत मिली. अमीरात की तरफ से पारी के आखिरी ओवर में वेस्टइंडीज के ऑलराउंडर रोमारियो शेफर्ड ने तूफानी पारी खेली और सिर्फ 5 गेंद में 26 रन बना दिए. शेफर्ड ने अली खान के ओवर की दूसरी गेंद पर छक्का, तीसरी और चौथी गेंद पर चौका लगाया. इसके बाद आखिरी 2 गेंदों पर भी इस बल्लेबाज ने 2 छक्के लगाए. कुल 5 गेंदों पर उन्होंने 26 रन बनाए. पहले बैटिंग करते हुए निकोलस पूरन के 49 और रोमारियो शेफर्ड के 13 गेंद में 3 छक्के और 4 चौके की मदद से बनाए नाबाद 38 रन की मदद से 6 विकेट पर 186 रन बनाए. अबूधाबी नाइट राइडर्स 9 विकेट पर 158 रन बना सकी और मैच 28 रन से हार गई. शेफर्ड ने दमदार बल्लेबाजी के बाद 2 विकेट भी झटके और प्लेयर ऑफ द मैच रहे. आईएलटी20 में एमआई अमीरात का हिस्सा रोमारियो शेफर्ड आईपीएल में भी मुंबई इंडियंस का हिस्सा थे लेकिन आईपीएल 2025 से पहले एमआई ने उन्हें रिलीज कर दिया था. मेगा ऑक्शन में 1.5 करोड़ में इस विस्फोटक ऑलराउंडर को आरसीबी ने खरीदा था. शेफर्ड पूर्व में मुंबई इंडियंस के लिए भी तूफानी पारियां खेल चुके हैं.

एंकॉर-आल्कॉम ने भारत का सबसे बड़ा एल्यूमिनियम दरवाजों का प्लांट स्थापित किया

नई दिल्ली : एंकॉर-आल्कॉम, जो हैदराबाद की एक प्रमुख एल्यूमिनियम दरवाजे और खिड़कियों की निर्माता कंपनी है, ने घोषणा करते हुए बताया की उसकी नई मैन्युफैक्चरिंग फैसिलिटी, जो ऑटो रोबोटिक तकनीक से लैस भारत की पहली फैक्ट्री है, सूरत, गुजरात में शुरू हो गई है। भारत की यह सबसे बड़ी एल्यूमिनियम दरवाजे और खिड़कियां बनाने वाली फैसिलिटी 1,84,000 वर्ग फुट में फैली हुई है और 500 लोगों को रोजगार दे रही है। कंपनी इस प्लांट में कई फेज में 60 करोड़ रुपये का निवेश कर रही है। एंकॉर वुडक्राफ्ट्स के फाउंडर और चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर, अवथू शिवा कोटी रेड्डी ने कहा, हमने इस अत्याधुनिक नए प्लांट के लिए जर्मन तकनीक का उपयोग किया है, जिसकी प्रोडक्शन कैपेसिटी 35,000 वर्ग फुट प्रति दिन है। हम अपने नए और आधुनिक प्रोडक्ट्स को 24 जनवरी से हैदराबाद के हाइटेक्स में आयोजित होने वाले ऐसटेक ट्रेड फेयर में प्रदर्शित करेंगे। जयंती भाई पटोला, आल्कॉम के डायरेक्टर ने कहा, अब तक, कंपनी ने अमेरिका, ब्रिटेन, दुबई और यूरोप सहित 3,500 प्रोजेक्ट्स को सफलतापूर्वक पूरा किया है। हमारे प्रोडक्ट्स इस सेगमेंट में दुनिया की लीडिंग कंपनियों के बराबर हैं, क्योंकि हमारे पास अपनी विश्वस्तरीय अनुसंधान एवं विकास टीम है और हमने इटालियन डिजाइनरों के साथ मिल कर काम किया है। सबसे बड़ा स्लाइडिंग दरवाजा.. एंकॉर-आल्कॉम ने 20 फुट ऊंचा स्लाइडिंग दरवाजा बनाकर एक रिकॉर्ड स्थापित किया, जो ऊंचाई और चौड़ाई के मामले में भारत में सबसे बड़ा है, शिवा कोटी रेड्डी ने बताया। हमने एक प्रोजेक्ट में 3.6 टन वजनी स्लाइडिंग दरवाजा भी स्थापित किया। हमारी कंपनी ऐसे स्लाइडिंग दरवाजे डिजाइन करती है, जिन्हें तीन साल का बच्चा भी आसानी से चला सके। हमारे द्वारा निर्मित दरवाजे और खिड़कियां भारत और विदेशों में स्थापित नए रेस्तरां, कैफे और आउटलेट्स को विशेष आकर्षण प्रदान करती हैं, उन्होंने बताया। नए मैकेट्स में प्रवेश.. एंकॉर-आल्कॉम जल्द ही ऑस्ट्रेलिया और मध्य पूर्व में अपने मार्केट का विस्तार करने की तैयारी कर रहा है।

क्रोमा की रिपब्लिक डे 2025 सेल में कीमतों में भारी गिरावट, इस बचत को आप कभी नहीं भूल पाएंगे

रायपुर। इस गणतंत्र दिवस पर, क्रोमा दे रहा है इलेक्ट्रॉनिक्स और घरेलू उपकरणों पर भारी छूट के साथ यादगार बचत करने का मौका। नया साल शुरू होते ही उपभोक्ता क्रोमा की रिपब्लिक डे सेल का बेसब्री से इंतज़ार करते रहते हैं, इस साल 16 से 26 जनवरी, 2025 तक चलने वाली इस सेल में, www.croma.com और Tata Neu पर इन-स्टोर और ऑनलाइन दोनों जगह पर आकर्षक, अविश्वसनीय डील दी जा रही है। क्रोमा की रिपब्लिक डे सेल में उपभोक्ताओं को मिलता है इलेक्ट्रॉनिक्स और घरेलू उपकरणों की विशाल श्रेणी पर बेहद आकर्षक छूट के साथ अपनी जीवनशैली को उन्नत करने का सही अवसर। 23 जनवरी से, गर्मी को मात दें क्रोमा 1.5ङ्क 3 स्टार एसी के साथ, कीमतें 25,690 से आगे, अपनी रसोई में लाएं नयी ताज़गी, क्रोमा 303रु फ्रॉस्ट फ्री रेफ्रिजरेटर के साथ, कीमतें 24,590 से आगे। अब लॉन्ड्री करना होगा और भी आसान, क्योंकि क्रोमा ह्यद्द टॉप लोड वॉशिंग मशीन मिलने वाली 14,390 से शुरू होने वाली कीमतों में, या चुनें 21,690 से शुरू होने वाली कीमतों में क्रोमा 7Kg फ्रंट लोड वॉशिंग मशीन। होम एंटरटेनमेंट के शौकीनों के लिए क्रोमा दे रहा है 30,990 से शुरू होने वाली कीमतों में 55-इंच ॥ष्ठ ङ्कङ्क या सिर्फ़ 42,990 में प्रीमियम 65-इंच HD Google TV भी आप खरीद सकते हैं। टेक-सैवी खरीदारों के लिए इंटेल i3 लैपटॉप के साथ बेहतरीन डील 26,530 से शुरू होने वाली कीमतों में मिल रही हैं। लेटेस्ट गैजेट की तलाश कर रहे हैं तो आपके लिए सैमसंग गैलेक्सी फोल्ड 5 की शुरूआती कीमत सिर्फ़ 98,990 है, जबकि Apple iPhone 16 की कीमत 39,490 है। आपको ज़्यादा से ज़्यादा फ़ायदेमंद खरीदारी की खुशियां देने के लिए चुनिंदा बैंक कार्डों पर 26,000 तक के इंस्टेंट कैशबैक दिए जा रहे हैं। आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफ़सी बैंक, एमेक्स, बॉब कार्ड्स, फेडरल बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, साउथ इंडियन बैंक और एचएसबीसी के साथ विशेष ऑफ़र का लाभ उठा सकते हैं। इसके अलावा, बजाज फ़िनसर्व, एचडीबी फ़ाइनेंशियल सर्विसेस, एचडीएफ़सी बैंक और आईडीएफ़सी फ़र्स्ट बैंक जैसे कंज़्यूमर फ़ाइनेंस प्रोवाइडर्स के ज़रिए 26,000 तक के कैशबैक का लाभ भी उठा सकते हैं।

दैनिक
विश्व परिवार
महानगर

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

रायपुर, शुक्रवार 24 जनवरी 2025

खाद्य मंत्री दयालदास बघेल महासमुंद जिले में करेंगें ध्वजारोहण

रायपुर (विश्व परिवार)। खाद्य मंत्री एवं महासमुंद जिले के प्रभारी मंत्री दयाल दास बघेल जिला मुख्यालय के मिनी स्टेडियम में आयोजित होने वाले 76वें गणतंत्र दिवस के मुख्य समारोह में ध्वजारोहण करेंगे और परेड की सलामी लेंगे। खाद्य मंत्री बघेल इस मौके पर जनता के नाम मुख्यमंत्री के संदेश का वाचन करेंगे।

संक्षिप्त समाचार

रायपुर रेल मंडल में तनाव प्रबंधन के संबंध में कार्यशाला का आयोजन किया गया

रायपुर (विश्व परिवार)। दिनांक 21.01.2025, 22.01.2025 एवं 23.01.2025 को रेलवे उल्हास भवन, डब्ल्यूआरएस रायपुर में तनाव प्रबंधन के संबंध में कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें श्री अरविंद झा, हार्टफूलनेस, इन्स्टीट्यूट रायपुर के मेम्बर एवं सहयोगी श्री रोहित बजाज के द्वारा आमतौर पर आधुनिक जीवन की भागदौड़, काम का दबाव, पारिवारिक जिम्मेदारियाँ से जीवन में तनाव का कारण बनना बताया गया। तनाव प्रबंधन के तकनीकों को अपनाकर स्वस्थ, खुशहाल जीवन जीने के संबंध में अपनी देखभाल स्वंय कर शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता से ध्यान रखना जैसे महत्वपूर्ण और उपयोगी जानकारी बताया गया। उक्त कार्यशाला में रेलवे सुरक्षा बल के विभिन्न यूनिटों से कुल 136 अधिकारी एवं स्टाफ उपस्थित होकर तनाव प्रबंधन के संबंध में उपयोगी जानकारी लिया गया।

मुंबई रेल मंडल के सीएसटी व कुर्ला सेक्शन के मध्य ब्रिज पुनर्निर्माण कार्य के फलस्वरुप कुछ गाड़ियों का परिचालन रहेगा प्रभावित

बिलासपुर (विश्व परिवार)। रेलवे प्रशासन द्वारा संरक्षा से संबन्धित सभी कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जा रहा है। इसी संदर्भ में मध्य रेलवे के मुंबई मंडल के अंतर्गत सीएसटी व कुर्ला सेक्शन के मध्य रोड ओवरब्रिज का पुनर्निर्माण कार्य किया जा रहा है। इसके फलस्वरूप कुछ गाड़ियों का परिचालन प्रभावित रहेगा। दिनांक 24 जनवरी 2025 को हावड़ा से चलने वाली 12870 हावड़ा-सीएसएमटी एक्सप्रेस दादर स्टेशन में समाप्त होगी तथा दादर-सीएसएमटी के मध्य रद्द रहेगी। दिनांक 24 जनवरी 2025 को हावड़ा से चलने वाली 12810 हावड़ा-सीएसएमटी एक्सप्रेस दादर स्टेशन में समाप्त होगी तथा दादर-सीएसएमटी के मध्य रद्द रहेगी।

कमल कुमार जैन का निधन

रायपुर (विश्व परिवार)। प्रियदर्शनी नगर रायपुर निवासी, राजेंद्र कुमार (छक्कू) राकेश कुमार जैन (सत्तू) के पिता श्री कमल कुमार जैन जी (मंडी बामोरा वाले) का दिनांक 22.01.2025 रात 10 बजे देवलोक गमन हो गया है। शोक सभा निज निवास में सुबह 11 बजे रखा गया था उसके तत्पश्चात अंतिम यात्रा 11:30 निज निवास से मैकाहारा मेडिकल कॉलेज में देहदान (अंतिम इच्छा) हेतु ले जाया जाएगा। शोकाकुल- राजेंद्र कुमार राकेश कुमार जैन (पुत्र), ज्योति जैन (पुत्री), संजय जैन केबिन पिथालिया (दामाद), हनी, आदित्य, आर्जव (पौत्र पौत्री), 390 प्रियदर्शनी नगर गार्डन के सामने रायपुर।

अब और खूबसूरत हुआ अपना ऑटो एक्सपो, मिला विस्तारित स्वरूप

22 जनवरी तक कुल 5964 वाहनों की हो चुकी है बिक्री, शुक्रवार से शुरु हो रही है नए माडलों की लांचिंग

रायपुर (विश्व परिवार)। अब और खूबसूरत नजारा साइंस कालेज मैदान में ऑटो एक्सपो का नजर आ रहा है जब राडा की टीम ने दो दिन तक कड़ी मेहनत करके सभी स्टाल होल्डर्स के साथ मिलकर स्टालों को सजाया-संवारा। रौशनी की ऐसी हाईमास्ट व्यवस्था दी गई है दूर तक लाइट बिखर रही है। स्टॉल की न केवल साइज बढ़ गई बल्कि अब पूरा एक्सपो स्थल विशाल नजर आ रहा है। जिससे वाहनों का बढिय़ा डिसप्ले हो पा रहा है और कस्टमर के साथ डीलर्स को वाहनों के प्रेजेंटेशन में सुविधा हो रही है। एक्सपो में गुरुवार को पहुंचे विजिटर्स ने स्वंय इसे महसूस भी किया और सराहना भी की। कई सारे नए माडलों की लांचिंग शुक्रवार से शुरु हो रही है और इसके लिए भी बड़ा डिस्प्ले बोर्ड तैयार किया गया है। ऑटोमोबाइल कंपनियों के उच्च अधिकारियों के आने का सिलसिला भी शुरु हो जायेगा। वहीं जिला प्रशासन, नगर निगम के उच्च अधिकारियों को भी आमंत्रित किया गया है। एसबीआई के डीजीएम शुक्रवार को विशेष तौर पर एक्सपो में उपस्थित रहेंगे। 22 जनवरी की तारीख तक एक्सपो में कुल 5964 वाहनों की बिक्री हो चुकी है।

रायपुर ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसियेशन (राडा) के अध्यक्ष श्री रविन्द्र भसीन, उपाध्यक्ष कैलाश खेमानी, सचिव विवेक अग्रवाल, कोषाध्यक्ष मुकेश सिंघानिया ने बताया कि देश के बड़े ऑटो एक्सपो में शुमार रायपुर का नाम ऑटोमोबाइल सेक्टर में लिया जाने लगा है। कस्टमर को ही नहीं बल्कि अपने राज्य की अर्थव्यवस्था में सहभागी बनते हुए सरकार को भी बड़ा फायदा वे दे रहे हैं। सरकार ने भी सहयोग करते हुए आजीवन रोड टैक्स पर 50 फीसदी की छूट देकर बड़ी सौगात दी है और यही वजह है नित नए रिकार्ड को एक्सपो की बुकिंग व बिक्री के आंकड़े छू रहे हैं। पहला एक्सपो होगा जहां पर 200 से भी अधिक स्टाल एक जगह पर मौजूद हैं।

शुक्रवार से शुरु होगा नए मॉडलों की लॉचिंग : शुक्रवार से छत्तीसगढ़ के लोगों को भी विभिन्न ऑटोमोबाइल कंपनियों के नए माडलों से रूबरू होने का मौका मिलेगा। अलग-अलग दिन इन वाहनों की लॉचिंग होगी। पहली कड़ी में - एस्सेस 125, अपाचे 160 4 व्ही(यूएसडी) यूपी साइड डाउन, टी.व्ही.एस. आई क्यूब इलेक्ट्रिक न्यू वेरियंट, टीवीएस किंग ईव्ही मैक्स, रायल इनफील्ड स्क्रैम 440, रायल इनफील्ड वियर 650 जैसे शामिल हैं। आयशर प्रो 2080 डीएसडी को लांच करेंगे रीजनल मैनेजर शिरीष बोरकर।

अब तक बिक चुकी हैं 5964 गाड़ियां

ऑटो एक्सपो में 22 जनवरी तक की स्थिति में कुल 5964 गाडियों की बिक्री हो चुकी है। जिसमें 22 जनवरी को ही 722 गाडियां बिकीं। इससे टैक्स के रूप में देखें तो 30188661 रूपए का फायदा मिल चुका है। 22 जनवरी को एक्सवेटर 5, गुड्स 34, मैक्सी कैब 2, मोटर साइकल 222, मोपेड 2, मोटर कैब 11, मोटर कार 427, ओमनी बस 18 व थ्री व्हीलर 1 शामिल रहे। सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी लोग जमकर आनंद उठा रहे हैं, गुरुवार शाम को रॉक बैंड व फैशन शो का आयोजन किया गया था। परिवार सहित लोग इन कार्यक्रमों में हिस्सा ले रहे हैं।

श्री महावीर जन्म कल्याणक उत्सव समिति द्वारा मुमुक्षु बहन सुश्री राखी जी सांखला का अभिनंदन समारोह श्री जिनकुशल सुरी जैन दादा बाड़ी में संपन्न

रायपुर (विश्व परिवार)। मुमुक्षु बहन सुश्री राखी जी सांखला निवासी डौंडीलोहारा प्रवासी का श्री जिनकुशल सुरी जैन दादाबाड़ी में हार्दिक स्वागत व अभिनन्दन श्री महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव समिति 2025 रायपुर द्वारा किया गया। श्री जिनकुशल सुरी जैन दादा बाड़ी में जैन समाज के श्रावक-श्राविकाओं एवं भगवान महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव समिति 2025 के पदाधिकारीगण ने इस अवसर पर उपस्थित रहकर अपना वक्तव्य रखा, व दीक्षा की अनुमोदना की।

भगवान महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव समिति 2025 के अध्यक्ष श्री महावीर कोचर ने बताया कि नवकार मंत्र के मंगलाचरण के साथ कार्यक्रम का शुभारम्भ हुआ। नवकार मंत्र की महिमा गाते हुए सभी ने मुमुक्ष बहन राखी जी सांखला की अनुमोदना की। कार्यक्रम में महेंद्र कोचर एवं भगवान महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव समिति 2025 के अध्यक्ष महावीर कोचर महासचिव सिद्धार्थ डागा एवं कोषाध्यक्ष वीरेंद्र डागा ने अपना वक्तव्य रखा। उपस्थित महिला मंडल ने स्वागत गीत के माध्यम से अपनी अभिव्यक्ति दी। सभी संघ एवं मंडल द्वारा मंच पर विराजित सभी का तिलक लगाकर स्वागत किया गया, महासचिव सिद्धार्थ डागा ने मुमुक्षु बहन का परिचय पढ़कर सुनाया व उत्सव समिति के सभी सदस्यों ने दीक्षार्थी बहन को अभिनन्दन पत्र व स्मृति चिन्ह भेंट किया। मुमुक्षु बहन सुश्री राखी जी सांखला का भगवती दीक्षा समारोह प.पु.आचार्य भगवन 1008 श्री रामलाल जी मा.सा. के मुखारविंद से दिनांक 7 फरवरी 2025 को राजस्थान के नोखामंडी में होना तय हुआ है।

इस अवसर पर उपस्थित मुमुक्षु बहन सुश्री राखी जी सांखला के पिता श्री मुखेश जी सांखला एवं माताजी श्रीमती ललिता जी सांखला निवासी डौंडीलोहारा पूरे परिवार के साथ उपस्थित थे। मुमुक्षु बहन ने सभी का आभार प्रकट किया व भगवती दीक्षा दिनांक 7 फरवरी के दिन सभी को नोखामंडी राजस्थान पधारकर आशीर्वाद देने की भावभरी विनती की। इस अवसर पर विशेष रूप से महेंद्र कोचर, मनोज कोठारी एवं उत्सव समिति के अध्यक्ष महावीर कोचर महासचिव सिद्धार्थ डागा, कोषाध्यक्ष वीरेंद डागा के साथ समाज के धर्म प्रेमी बंधु बड़ी संख्या में उपस्थित थे। -**प्रणीत जैन**

छत्तीसगढ़ चेंबर तथा एमएसएमई के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित मैनेजमेंट डेवलपमेंट प्रोग्राम में गवर्मेंट ई मार्केटप्लेस GeM पोर्टल को लेकर हुई कार्यशाला

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रदेश अध्यक्ष अमर पारवानी ने बताया कि चेंबर भवन में आज छत्तीसगढ़ चेंबर तथा एमएसएमई के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित मैनेजमेंट डेवलपमेंट प्रोग्राम में आज गवर्मेंट ई मार्केटप्लेस GeM पोर्टल को लेकर कार्यशाला रखी गई जिसमे श्री प्रवीण साहू जी, जेम पोर्टल विशेषज्ञ, एमएसएमई विभाग, प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। मैनेजमेंट डेवलपमेंट प्रोग्राम के संयोजक और युवा चेंबर महामंत्री श्री कांति पटेल ने बताया कि आज चौधरी देवीलाल उद्योग भवन में छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज तथा एमएसएमई विभाग के संयुक्त तत्वाधान में मैनेजमेंट डेवलपमेंट प्रोग्राम का आयोजन किया जा रहा है जिसके अंतर्गत आज कार्यक्रम के तीसरे दिन गवर्मेंट ई मार्केटप्लेस त्रद्गरू पोर्टल को लेकर कार्यशाला रखी गई। कार्यक्रम की जानकारी देते हुए श्री पटेल जी ने बताया कि आज कार्यशाला में श्री प्रवीण साहू जी, जेम पोर्टल विशेषज्ञ, एमएसएमई विभाग, द्वारा गवर्मेंट ई मार्केटप्लेस त्रद्गरू पोर्टल से संबधित विभिन्न जानकारियां जैसे सेलर रजिस्ट्रेशन कैसे किया जाए, प्रोडक्ट लिस्टिंग, पेमेंट प्रोब्लम में टिकट रेस कैसे करें, प्रोडक्ट कैटेगरी कैसे सर्च करे, ऑथराईजेशन एवं नॉन ऑथराईजेशन तथा एल-1 पर्चेस पैरामीटर इत्यादि विषय पर विस्तृत जानकारियां दी गई।

पॉवर कंपनी में नेत्र एवं चर्म रोग शिविर सम्पन्न

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज के डंगनिया स्थित औषधालय में रायपुर नेत्र चिकित्सालय एवं मिश्राज हॉस्पिटल के सहयोग से नेत्र एवं चर्म रोग शिविर का आयोजन किया गया। वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ निलेश सिंह व डॉ इंदु साहू के नेतृत्व में शिविर संपन्न हुआ। जिसमें लगभग 110 से अधिक रोगी लाभान्वित हुए।

डॉ सिंह ने बताया कि डॉ मिश्राज हॉस्पिटल नयापारा फूलचैक रायपुर के अंतर्गत नेत्र, दांत, बाल चिकित्सा, कान-नाक-गला, चर्म और बालों के रोग के डॉक्टरों की विशेष टीम है। यहां सर्वसुविधायुक्त सभी आधुनिक तकनीकी की मशीनें उपलब्ध हैं।यह चिकित्सालय पॉवर कंपनीज में सूचीबद्ध है। जिसकी सुविधा पॉवर कंपनी के अधिकारी-कर्मचारी ले सकते हैं। उल्लेखनीय है कि जनवरी माह में यह दूसरा बड़ा शिविर था और पहली बार चर्म रोग शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर में आए डॉ प्रांजल मिश्र(नेत्र रोग विशेषज्ञ) व डॉ सृष्टि मिश्र(चर्म, बाल, सौंदर्य विशेषज्ञ) द्वारा नि:शुल्क नेत्र, चर्म और बालों के रोगों का परीक्षण और परामर्श किया गया।शिविर में आए रोगियों के जांच हेतु पंजीयन किया गया।विशेषज्ञों ने बताया कि अधिकांश रोगियों की आंखों मे जलन, लालपन, सूखापन और कम दृष्टि की समस्या थी।इसका एक प्रमुख कारण लम्बा स्क्रीन टाईम है। उन्होनें अधिकारी - कर्मचारी को इससे बचने हेतु घरेलू टिप्स भी दिये और आवश्यक दवाइयों का सुझाव दिया गया। साथ ही बड़ी समस्या वाले रोगियों को ऑपरेशन की सलाह दी गई। इसी प्रकार चर्म रोगियों को भी समस्या अनुसार दवाई और संबंधित उपचार के बारे मे जानकारी प्रदान की गई।

पॉवर कंपनीज के औषधालय प्रबंधन ने बताया कि नये साल की शुरूआत जन सेवा अभियान के साथ हुआ है और कंपनी के समस्त अधिकारी - कर्मचारी, पेंशनर्स और परिवारजन के लिए अनेक सुविधा उपलब्ध हैं। साथ ही दवाइयों की निविदा का कार्य पूर्ण किया जा चुका है, स्टाक मे पर्याप्त दवाइयां उपलब्ध है।

हीराकुंड एक्सप्रेस में एक एसी-3 इकॉनमी कोच की सुविधा

बिलासपुर (विश्व परिवार)। रेलवे प्रशासन द्वारा यात्रियों की बेहतर यात्रा सुविधा व अधिकाधिक यात्रियों को कंफ़र्म बर्थ उपलब्ध कराने हेतु दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे से होकर चलने वाली गाड़ी संख्या गाड़ी संख्या 20807/20808 विशाखापटनम-अमृतसर-विशाखापटनम हीराकुंड एक्सप्रेस में एक एसी-3 इकॉनमी कोच की सुविधा अस्थायी रूप से उपलब्ध कराई जा रही है। यह सुविधा गाड़ी संख्या 20807 विशाखापटनम-अमृतसर में 25 से 31 जनवरी 2025 तक तथा गाड़ी संख्या 20808 अमृतसर-विशाखापटनम में 29 जनवरी से 31 जनवरी 2025 तक उपलब्ध रहेगी।

एनआईटी रायपुर में वार्षिक खेल महोत्सव 'समर 2025' का हुआ शानदार आगाज़, चार दिनों तक चलेगा खेल महाकुम्भ

रायपुर (विश्व परिवार)। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) रायपुर में संस्थान की खेल समिति - टीम शौर्य द्वारा चार दिवसीय वार्षिक खेल महोत्सव 'समर 2025' का शानदार आगाज़ किया गया इस खेल महाकुम्भ का आयोजन 23 जनवरी 2025 से 26 जनवरी 2025 तक किया जाएगा 7 इस कार्यक्रम के भव्य उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में एनआईटी रायपुर के निदेशक डॉ. एन. वी. रमना राव और डॉ. जी. डी. रामटेकर, डीन (पी एंड डी) सम्माननीय अतिथि एवं डॉ. नितिन जैन, डीन (एस डब्ल्यू) विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम का आयोजन टीम शौर्य के फैकल्टी इन चार्ज डॉ एच के नारंग, डॉ. अल्फिया बानो और डॉ एस डी वी एस एस वर्मा सिरुवुरी के मार्गदर्शन में किया गया। समारोह का शुभारंभ अतिथियों के स्वागत से हुआ, इसके बाद समर और टीम शौर्य का संक्षिप्त परिचय दिया गया, जिससे आने वाले आयोजनों के लिए उत्साहजनक माहौल बना।

डॉ. नितिन जैन ने खेलों की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर देते हुए कहा कि खेल अनुशासन विकसित करने, मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य सुधारने और तनाव को कम करने में मदद करता है। उन्होंने डॉ. एन. वी. रमन्ना राव को उनके अटूट समर्थन और मार्गदर्शन के लिए धन्यवाद दिया और प्रतिभागियों को प्रेरित किया कि वे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करें और प्रतिद्वंद्वी टीम का सम्मान करें।

डॉ. जी.डी. रामटेक्कर ने समर का अर्थ समझाते हुए छात्रों को जीवन में संघर्ष की भावना रखने और कभी हार न मानने का रवैया अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने खेल सुविधाओं के विकास की भविष्य की योजनाओं की रूपरेखा भी प्रस्तुत की और सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दीं।

अपने संबोधन में, डॉ. एन. वी. रमना राव ने शारीरिक फिटनेस और समग्र विकास में खेलों के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि खेल गतिविधियाँ मानसिक स्वास्थ्य में सुधार करती हैं, और तनाव को कम करती हैं। उन्होंने यह भी कहा कि खेल टीमवर्क, नेतृत्व और समय प्रबंधन जैसे कौशल विकसित करते हैं, जो उज्ज्वल करियर के लिए मार्ग प्रशस्त करते हैं।

अंत में डॉ. अल्फिया बानो ने धन्यवाद ज्ञापन दिया। उन्होंने निदेशक महोदय के प्रोत्साहन और टीम शौर्य के दृढ़ प्रयासों के प्रति गहरी कृतज्ञता व्यक्त की। इसके बाद पारम्परिक मशाल जला कर इस अद्भुत समारोह का आगाज़ किया गया। कार्यक्रम में ध्वजारोहण और टीमों की परेड भी हुई, जिसमें टीम वर्क और दृढ़ संकल्प की प्रेरणादायक भावना प्रदर्शित हुई। चार दिनों तक चलने वाले इस खेल महाकुम्भ में बैडमिंटन।, क्रिकेट, फुटबॉल, चेस, टेबल टेनिस इत्यादि गेम्स खेले जाएँगे जिसमें संस्थान के छात्रों के अलावा दुसरे अन्य संस्थानों के विद्यार्थी भी भाग लेंगे। समर 2025 का यह उद्घाटन समारोह न केवल खेलों के प्रति छात्रों की रुचि को बढ़ावा देने वाला साबित होगा, बल्कि उनके शारीरिक, मानसिक और व्यक्तित्व विकास के महत्व को भी रेखांकित करेगा।

पुलिस ने साइबर ठगी करने वाले 62 आरोपियों को किया गिरफ्तार

रायपुर (विसं)। रायपुर रेंज पुलिस ने साइबर अपराध के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई करते हुए 'ऑपरेशन साइबर शील्ड' के तहत 62 साइबर ठगों को गिरफ्तार किया है. इनमें 3 नाइजीरियाई नागरिक भी शामिल हैं. यह कार्रवाई म्यूल बैंक अकाउंट धारकों, ब्रोकरों और ठगी करने वालों के खिलाफ की गई है. इस ऑपरेशन में लगभग 100 पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों की 20 से अधिक टीमों ने राजस्थान, ओडिशा, रायपुर, बिलासपुर, राजनांदगांव और महासमुंद सहित 40 अलग-अलग ठिकानों पर एक साथ छापेमारी कर आरोपियों को दबोचा है. प्रदेश में साइबर अपराध के खिलाफ यह अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई मानी जा रही है. रायपुर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) अमरेश मिश्रा के निर्देशन में यह ऑपरेशन चलाया गया. साइबर क्राइम पोर्टल पर दर्ज म्यूल बैंक अकाउंट की जांच के दौरान इस गिरोह का पता चला. जांच में पाया गया कि इन ठगों ने पीड़ितों से 84 करोड़ 88 लाख रुपये की ठगी की है. पुलिस ने आरोपियों के खातों में जमा ठगी के 2 करोड़ रुपये भी होल्ड करा दिए हैं. यह राशि ठगी के शिकार हुए पीड़ितों के खातों से संबंधित हैं।

सिपेट कोरबा में एआईसीटी प्रायोजित कस्टमाइज्ड मैनूफेक्चरिंग ऑन एडवांस्ड सीएनसी मशीन्स विषय पर 6 दिवसीय अटल फैकल्टी डेव्हलपमेंट प्रोग्राम आयोजित

कोरबा (विश्व परिवार)। अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित अटल एफडीपी 2025 के अंतर्गत सिपेट, कोरबा में कस्टमाइज्ड प्रोडक्ट मैनूफैकचरिंग ऑन एडवांस्ड सीएनसी मशीन्स विषय पर छह दिवसीय फैकल्टी डेव्हलपमेंट प्रोग्राम का आयोजन 13 जनवरी 2025 से 18 जनवरी 2025 तक किया गया था।

इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. एम. एल अग्रवाल, अतिरिक्त संचालक, संचालनालय तकनीकी -शिक्षा, नया रायपुर, डॉ. लखिन्दर मुर्म, प्रोफेसर, आईआईआईटी, नया रायपुर एवं डॉ. आलोक साहू, प्रधान निदेशक एवं प्रमुख, सिपेट, कोरबा के उपस्थिति में कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। शुभारंभ के इस अवसर पर मुख्य अतिथि के द्वारा इस कार्यक्रम के आयोजन हेतु सिपेट, कोरबा की सराहना की गई एवं सभी गणमान्य व्यक्तियों और प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए विषय की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। आयोजित कार्यक्रम मे छत्तीसगढ़ राज्य के विभिन्न तकनीकी संस्थानों जैसे- गुरू घासीदास यूनिवर्सिटी, बिलासपुर, शासकीय इंजीनियरिंग महाविद्यालय, बिलासपुर, शासकीय इंजीनियरिंग महाविद्यालय, कोरबा, डॉ. सीवी रमन यूनिवर्सिटी, कोटा, शासकीय पॉलीटेक्निक, कोरबा, शासकीय पॉलीटेक्निक, बिलासपुर, ओपी जिंदल यूनिवर्सिटी, रायगढ़ चौक से कॉलेज, बिलासपुर एवं औद्योगिक संस्थानों से एनटीपीसी, कोरबा, मारुती इंडस्ट्री से संकाय सदस्यों ने भाग लिया।

उपरोक्त कार्यक्रम में भारत के प्रतिष्ठित तकनीकी संस्थानों से विषय विशेषज्ञों द्वारा व्याख्यान दिया गया, जिसमें मुख्य रूप से डॉ. लखिन्नदर मुर्मु, आईआईआईटी, नया रायपुर, डॉ. दिनेश सिंह जी ठाकुर, डाइट-पुणे, डॉ. प्रशांत कुमार जैन, आईआईआईटीडीएम-जबलपुर, डॉ. महेश भीवापुरकर, ओपी जिंदल यूनिवर्सिटी, रायगढ़, डॉ. एम.के. प्रधान, एनआईटी-रायपुर, डॉ. सौम्य गंगोपाध्याय, आईआईटी-भिलाई, डॉ. टी.व्ही.के. गुप्ता, व्हीएनआईटी-नागपुर, डॉ. विकास गोहिल, बीआईटी-वर्धा, श्री राजीव कुमार नायर, डीन-सीएसआईटी, दुर्ग एवं श्री नरेन्द्र कुमार कौशिक, एचटीपीएस, कोरबा ने व्याख्यान दिया। कार्यक्रम में उपस्थित समस्त विषय विशेषज्ञों द्वारा एफडीपी पर डालते हुए उसके महत्व, कार्यशैली एवं उपयोगिता के विषय में विस्तार से प्रतिभागियों को अवगत कराया गया। एफडीपी कार्यक्रम के दौरान एनटीपीसी, कोरबा का विजिट किया गया। आयोजित कार्यक्रम के समापन अवसर पर सिपेट, कोरबा संस्थान की ओर से श्री राजीव कुमार लिल्हारें, प्रबंधक (तकनीकी) एवं सह समन्वयक (एफडीपी) द्वारा विषय विशेषज्ञों, प्रतिभागियों एवं अन्य कर्मचारियों का आभार व्यक्त किया गया आयोजित इस कार्यक्रम के समन्यक के रूप में डॉ. दिवेश बी मेश्राम, तकनीकी अधिकारी एवं सिपेट, कोरबा के अन्य कर्मचारियों की सहभागिता से सफल आयोजन किया गया।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा आसमां पब्लिसर्स इंडिया प्रा.लि. पंजाब नेशनल बैंक के सामने, जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354